{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 05 नवम्बर 2025
कार्तिक शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 43
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पदमेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	83,459.15
निफ्टी	25,597.65
सोना	1,22,460
चांदी	1,51,000
डॉलर	88.70

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

बिलासपुर में पैसेंजर ट्रेन-मालगाड़ी भिड़ी, बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग ठप

10 की मौत, इलेक्ट्रिक लाइन और सिग्नल सिस्टम को नुकसान

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मंगलवार को बड़ा रेल हादसा हो गया। कोरबा पैसेंजर ट्रेन और एक मालगाड़ी के बीच जोरदार टक्कर हुई। 10 लोगों की मौत की खबर है। कई यात्री घायल बताए जा रहे हैं। हादसा बिलासपुर-कटनी रेल सेक्शन के लाल खदान इलाके में हुआ। रेस्क्यू जारी है। सूचना मिलते ही रेलवे और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। एक मासूम को भी रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलहाल रेस्क्यू अभियान जारी है। रेस्क्यू टीमों ने अब तक कई यात्रियों को सुरक्षित निकाला है, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

रेलवे प्रशासन ने हादसे के तुरंत बाद मेडिकल यूनिट और डिविजनल अफसरों को मौके पर भेजा। हादसे की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारी बिलासपुर से रवाना हो चुके हैं। फिलहाल पूरे रूट पर ट्रेनों का संचालन ठप कर दिया गया है। कई एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों को रद्द या रूट डायवर्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि टक्कर के बाद ओवरहेड वायरिंग और सिग्नलिंग सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे बहाली में समय लग सकता है। तकनीकी टीमें मरम्मत और ट्रैक क्लियरेंस का काम कर रही हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था शुरू की है। वहीं अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि टक्कर कैसे हुई। रेलवे ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रारंभिक संभावना है कि सिग्नलिंग सिस्टम की गड़बड़ी या मानवीय त्रुटि के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है।

पॉक्सो एक्ट के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित

कानूनी जागरूकता फैलाने की दी सलाह

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पॉक्सो एक्ट (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम) के बढ़ते दुरुपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की। कोर्ट ने कहा कि वैवाहिक कलह और किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों के मामलों में इस कानून का गलत इस्तेमाल हो रहा है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने पुरुषों में कानूनी प्रावधानों की जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पीठ एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें बलात्कार के दंडात्मक प्रावधानों और पॉक्सो एक्ट के बारे में लोगों को संवेदनशील बनाने के निर्देश देने की मांग की गई थी, ताकि महिलाओं के लिए समाज में बेहतर स्थान सुनिश्चित हो सके।

कोर्ट ने और क्या कहा?

पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा, एक बात हम कहना चाहते हैं। वैवाहिक कलह और किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों से जुड़े मामलों में पॉक्सो अधिनियम का दुरुपयोग हो रहा है। हमें पुरुषों में कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। साथ ही, कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा जवाब दाखिल न करने पर नाराजगी जताई।

पहले भी जारी किया था नोटिस

इससे पहले शीर्ष अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता आबाद हर्षद पोंडा द्वारा दायर याचिका पर केंद्र सरकार, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को नोटिस जारी किया था। पोंडा ने तर्क दिया कि निर्भया मामले के बाद बलात्कार से जुड़े कानूनों में हुए बदलावों की जानकारी आम जनता तक पहुंचानी जरूरी है।

खास खबर

जेईई मेन्स में नहीं मिलेगा कैलकुलेटर

नई दिल्ली। एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने रविवार को एक पब्लिक नोटिस जारी कर कहा कि जेईई मेन्स 2026 में कैलकुलेटर्स का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। इसे बैन किया गया है। दरअसल, एनटीए ने अपने आधिकारिक इन्फॉर्मेशन बुलेटिन में कहा था कि कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट यानी सीबीटी के दौरान स्टूडेंट्स को एक ऑन-स्क्रीन स्टैंडर्ड कैलकुलेटर दिया जाएगा। अब एनटीए ने कहा है कि यह फीचर सामान्य टेस्ट्स पर लागू होगा लेकिन जेईई मेन्स में ऐसा नहीं होगा। जेईई मेन्स में किसी भी तरह के कैलकुलेटर के इस्तेमाल पर बैन है।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पटना। चुनाव आयोग ने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के खिलाफ पटना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। ललन पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप है। दरअसल, ललन सिंह ने सोमवार को जदयू प्रत्याशी और बाहुबली नेता अनंत सिंह के लिए प्रचार किया था। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उनका वीडियो वायरल हुआ। इसमें वे कह रहे हैं कि यहां कुछ नेता है, जिन्हें चुनाव के दिन निकलने मत दीजिएगा। घर में ही बंद कर दीजिएगा। हाथ-पैर जोड़ें, तब कहिएगा हमारे साथ चलकर वोट दीजिए और घर में बैठिए। राजद ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि ललन सिंह गरीबों को वोट डालने से रोक रहे हैं। इस पर आयोग ने ललन सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। हालांकि, जेडीयू ने आरोप को गलत बताकर कहा कि अनंत सिंह का वीडियो एडिटेड है।

सब्जी वाले की 11 करोड़ की लॉटरी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार की दिवाली बंपर लॉटरी का 11 करोड़ का इनाम जीतने वाला आखिरकार 4 दिन बाद मिल गया। अमित राजस्थान के जयपुर में सब्जी की रेहड़ी लगाते हैं। मंगलवार को वह अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ चंडीगढ़ स्थित पंजाब स्टेट लॉटरीज ऑफिस में लॉटरी क्लेम करने पहुंचे। सरकार उन्हें चेक सौपेंगी। अमित ने बताया कि मैं गलियों में आलू-टमाटर बेचकर अपने परिवार का गुजारा करता हूं। विश्वास नहीं हो रहा कि मेरी लॉटरी निकली है। कभी रेहड़ी लगाते समय पुलिस वालों से गालियां सुननी पड़ती थीं। मैं हनुमान जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे इस काबिल बना दिया। मैंने पहली बार टिकट खरीदा है। यहां आने के लिए मेरे पास किराए के पैसे भी नहीं थे। लोगों से उधार लेकर यहां पहुंचा हूं। अब मेरी किस्मत पूरी तरह बदल गई है।

12 राज्यों में वोटर लिस्ट अपडेशन प्रक्रिया शुरू...एसआईआर के खिलाफ बंगाल में निकली रैली

हाथ में संविधान लेकर सड़क पर उतरीं ममता

कोलकाता। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मंगलवार से वोटर लिस्ट अपडेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। एसआईआर के दौरान आयोग का फोकस नागरिकता की जांच पर है। सूत्रों के अनुसार असम में मतदाता सूची की गहन समीक्षा तो होगी, लेकिन नागरिकता की जांच नहीं होगी। राज्य में नागरिकता के उलझे हुए मुद्दे के बीच आयोग ये नया मॉडल तैयार कर रहा है। उधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को हाथ में संविधान लेकर सडक़ पर उतरीं और चुनाव आयोग के विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ जोरदार रैली निकाली। सीएम बनर्जी ने इसे साइलेंट इनविजिबल रिगिंग यानी शांत अदृश्य धांधली करार देते हुए केंद्र की भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। यह विरोध मार्च सुबह डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर रेड रोड से शुरू हुआ और रविन्द्रनाथ टैगोर के पैतृक घर जोरसांको ठाकुरबाड़ी पर जाकर समाप्त हुआ। रैली के दौरान हजारों की संख्या में टीएमसी कार्यकर्ता तिरंगे और पार्टी के झंडे थामे लोकतंत्र बचाओ और बंगाल का वोट बंगाल का हक जैसे नारे लगाते हुए शामिल हुए।

ममता बनर्जी पारंपरिक सफेद सूती साड़ी और चप्पल में दिखीं। उन्होंने बीच-बीच में सडक़ किनारे खड़े लोगों का अभिवादन किया, जबकि उनके साथ भतीजे और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी तथा वरिष्ठ मंत्री और नेता भी मौजूद रहे। टीएमसी ने इस विरोध प्रदर्शन को प्रतीकात्मक रूप से बंगाली अस्मिता और संविधान की रक्षा के संघर्ष से जोड़ा है। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह लड़ाई केवल मतदाता सूची की नहीं, बल्कि बंगालियों के मताधिकार की सुरक्षा की है। पश्चिम बंगाल में इसका महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि राज्य में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ममता बनर्जी ने चेतावनी दी कि अगर मतदाता सूची से नाम हटाने या मताधिकार छीनने की कोशिश हुई तो हम संविधान की शपथ लेकर सडक़ों पर लड़ेंगे। इनमें से तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव हैं। असम में भी अगले साल चुनाव हैं। लेकिन, अभी वहां एसआईआर का शेड्यूल तय नहीं है।

1971-87 के बीच जन्मे लोगों पर उलझन बनी

असम में नागरिकता की गुत्थी उलझी हुई है। इसे देखते हुए चुनाव आयोग एसआईआर का विशेष मॉडल तैयार करेगा। दरअसल, बाकी देश में 1 जुलाई, 1987 से पहले जन्मे लोग भारतीय नागरिक माने गए हैं। लेकिन, 1985 के असम समझौते में इस पर जोर था कि 1971 की जंग के समय भारत आए बांग्लादेशी वापस भेजे जाएंगे। ऐसे में, 1971 से 1987 के बीच जन्मे लोगों पर उलझन पैदा हो गई। इसके बाद दो और मौकों पर नागरिकता का मुद्दा उलझता चला गया। असम समझौते के क्रियान्वयन में देरी हुई। फिर, चुनाव आयोग पर विदेशियों को मतदाता सूची से हटाने का दबाव बढ़ा तो 1997 में तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एमएस गिल ने तय किया कि संदिग्ध नागरिकता वाले मतदाता डी यानी डाउटफुल श्रेणी में रखे जाएंगे।

ऑनलाइन जुआ-सट्टा मामला, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा, कहा

ई-स्पोर्ट्स गेम्स के नाम पर ऑनलाइन जुआ चलाने वालों पर एक्शन ले सरकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ऑनलाइन गेमिंग कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने सभी याचिकाओं पर सरकार से विस्तृत जवाब देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- हम चाहते हैं कि केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल जवाब की कॉपी याचिकाकर्ताओं के वकीलों को पहले से दे दें। ताकि वे भी जल्द से जल्द अपना जवाब दाखिल करें। बेंच ने एक शतरंज खिलाड़ी की याचिका पर भी सुनवाई की। इसपर सरकार को निर्देश दिया कि ई-स्पोर्ट्स गेम्स की आड़ में ऑनलाइन जुआ-सट्टेबाजी चलाने वाले प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करें। मामले में सभी याचिकाकर्ताओं की मांग है कि ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ प्लेटफॉर्म को बैन किया जाए। प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के तहत देश में रियल मनी गेमिंग पर बैन लगाया जाएगा। यह बिल 20 अगस्त को लोकसभा और 21 अगस्त को राज्यसभा से पास हुआ था। 22 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद अब यह कानून बन गया है। 8 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस याचिका को मंजूरी दी थी जिसमें प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं को तीन हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की गई थी ताकि अलग-अलग फैसलों से बचा जा सके।

26 नवंबर को अगली सुनवाई

अब यह मामला 26 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। सुंदरम कहा, मैं एक शतरंज खिलाड़ी हूं और यह मेरा जीविका का साधन है। मैं एक एप लॉन्च करने वाला था। इस पर जस्टिस पारदीवाला ने कहा, भारत अजीब देश है। आप खिलाड़ी हैं, खेलना चाहते हैं, यह आपकी आजीविका का साधन है, इसलिए आप कार्यवाही में शामिल होना चाहते हैं। वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता ऑनलाइन मैच में हिस्सा लेते हैं और इसके लिए भागीदारी शुल्क भी देते हैं। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि उनकी याचिका को भी बाकी लंबित याचिकाओं के साथ जोड़ दिया जाए।

बिहार में 11 नवंबर की शाम 6.30 बजे तक एक्जिट पोल पर रोक

पटना। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के मद्देनजर भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। इसमें एक्जिट पोल से जुड़ी नियमावली स्पष्ट की गई है। इसका मकसद मतदान के दौरान जनता की सोच और मतदान के परिणामों को प्रभावित किए बिना निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न कराना है।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत 6 नवंबर को सुबह 7 बजे से लेकर 11 नवंबर की शाम 6-30 बजे तक किसी भी तरह के एक्जिट पोल आयोजित करना या उसके नतीजे मीडिया में प्रकाशित करना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

इसका मतलब यह है कि इस दौरान कोई भी समाचार चैनल, अखबार या वेबसाइट मतदाताओं के मतदान के आधार पर भविष्यवाणी नहीं दिखा सकते। ये नियम सिर्फ बिहार विधान सभा के चुनावों तक ही नहीं, बल्कि अन्य 7 राज्यों में होने वाले 8 उपनिर्वाचनों पर भी लागू होंगे।

आत्मसमर्पित नक्सली सुनीता की अनकही कहानी : बेहद छुईमुई सी वह युवती इन्सास रॉयफल के साथ सोती थीं! अब ताजी हवा और सुकून उसकी सखियां हैं!!

कहते हैं एक तस्वीर की बराबरी हज़ार शब्द भी नहीं कर सकते!!

पदमेश न्यूज़। बालाघाट

वही छोटी सी लड़की जिसने 2 दिन पहले 3 साल दलम में रहने के बाद घुप्प रात के अँधेरे और चारों तरफ घनघोर जंगल में संगिनों के साये में चौरिया हॉकफ़ोर्स केम्प में जवानो के सामने बेहिचक आत्मसमर्पण कर दिया. जब वह जंगलों में रहती थी उसके चेहरे और दिलो दिमाग़ पर चिंता की गहरी लकीरें हुआ करती थी लेकिन अब उसके चेहरे पर मासूम मुस्कान दिखाई दे रही है।

आज आत्म समर्पण होने के बाद बालाघाट पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने 14 लाख की इनामी पूर्व नक्सली सुनीता के माता-पिता को बालाघाट बुलवाकर उसको मिलवाया. यह मुलाकात महीन सी भावों की हार्दिक मिलन उन माता-पिता के लिए भी बहुत बड़ी थी जो अपनी बेटी को करीब 3 बरस बाद देख रहे थे. माता पिता, सुनीता उन्हें जिस भी नाम से सम्बोधित करती रही हो, उनके आँखों में सुकून के आंसू थे, कि बेहद नाजुक सी उनकी बेटी हथियारों की हमकदम थी. वे बताते भी हैं कि दिनों से सुनीता को वे लोग मुख्य धारा से जुड़ने की अपील कर रहे थे! छत्तीसगढ़ राज्य के सुदूर बस्तर इलाके का बीजापुर जिला बरसों नक्सलवाद की ताप सह रहा है. बालाघाट के इस गुप्त ठिकाने पर अपने माता पिता से आत्मीय और अश्रुपूरित मुलाकात के मायने गहरे हैं।

वह बताती है कि वर्ष 2022 में बीस बरस की इस आदिवासी युवती को ब्रेनवाश करके नक्सली अपने साथ ले गए थे.उसे कई तरह के सब्जबाग दिखाया गया होगा.बेहतर भविष्य का लालच दिया गया होगा. पीढ़ियाँ गर्व करेंगी उसपर! वह अपने समाज की रक्षिका बनेगी!! आदि आदि!

चारों तरफ भयंकर जंगल, हर कदम पर पुलिस, सीआरपीएफ, कोबरा, हॉकफ़ोर्स आदि बलों के जवानों की सचेत आहट के बीच एक 23 बरस की नक्सली खाली हाथ आत्मसमर्पण करने निकल जाती है. जैसा वह बताती है कि उसने हथियार डालने के लिए अपने दलम से अलग हो गयी थी. नक्सली समूह में रहते हैं, अपने समूह से अलग होना भी कम दुस्साहसी कदम नहीं रहा होगा. सच में उसकी हिम्मत को दाद देनी चाहिए कि उसने ज़िन्दगी और मौत के बीच बहुत कम फासले को कांपते और डगमगाते पांवो से पूरा किया होगा!

लेकिन उसने उस आत्ममुग्ध करने वाले नारे के ख़िलाफ मध्यप्रदेश में एक रेखा तो खिंच ही दी है!

उसे इस आत्मसमर्पण के बदले सरकार कितने लाख देगी यह मौजूँ सवाल नहीं है! उन रुपयों का मोल भी माटी बराबर है जो उसे आज जो आज़ादी और बराबरी का समाज हासिल हुआ है।

कहते हैं एक तस्वीर की बराबरी हज़ार शब्द भी नहीं कर सकते. तस्वीर देखिये माता पिता के साथ उसकी खुद की निर्मल, निश्चिन्त, निष्पाप, निर्दोष मुस्कान के आख़िर मायने क्या होंगे !!

जंगली कानून को अलविदा कह नयी ज़िन्दगी की ओर उसकी आँखें कुछ देख रहीं हैं. एक बेहतर, सुन्दर और अपनों के बीच सांस लेने की

कुछ ना कहना

सिंधी समाज ने नगर में रैली निकालकर अमित बघेल का फूंका पुतला

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

छत्तीसगड़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष अमित बघेल का नाम एक बड़े विवाद में आ गया है। हाल ही में उन्होंने एक सभा में सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल, अग्रवाल समाज के आराध्य महाराजा अग्रसेन और पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी ।उनकी इन टिप्पणियों पर न केवल सिंधी समाज, बल्कि अग्रवाल समाज ने भी तीखा विरोध जताया है ।आपत्तिजनक टिप्पणी वाले इस मामले में मंगलवार को जहां सिंधी समाज द्वारा नगर में एक रैली निकालकर अमित बघेल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया, तो वही काली पुतली चौक में अमित बघेल के खिलाफ जमकर नारेबाजी पर पुतला किया गया है ।उधर अग्रसेन समाज द्वारा भी इस घटना पर अपना आक्रोश जताते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय में पहुंचकर नारेबाजी कर एक ज्ञापन सौपा गया है। जिसमें उन्होंने अमित बघेल पर एफआईआर दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तार करने और उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलाए जाने की मांग की है ।वही उन्होंने मांग पूरी करने के लिए जिला प्रशासन को 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है ।जिसमें उन्होंने समय सीमा के भीतर मांग पूरी न होने पर सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

रायपुर में मूर्ति तोड़ने की घटना से उपजा विवाद

बताया गया कि 26 अक्टूबर को रायपुर के वीआईपी चौक पर कथित मानसिक बीमार एक युवक ने छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति को नुकसान पहुंचाया था। इस घटना से पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया ।घटना के अगले ही दिन जब छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के सदस्य विरोध कर रहे थे, उसी दरमियान उनके अध्यक्ष अमित बघेल ने सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल, अग्रवाल समाज के आराध्य महाराजा अग्रसेन और पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिनका बयान सोशल मीडिया पर वायरल होते ही अमित बघेल के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन कर जगह-जगह उनका पुतला दहन कर ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं ।जिसका एक नजारा मंगलवार को बालाघाट नगर में भी देखने को मिला है ।जिसमें सामाजिक बंधुओ ने अमित बघेल पर कार्रवाई न होने पर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

अग्रसेन समाज ने कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

सिंधी और अग्रवाल समाज ने जताया तीखा विरोध

बघेल के बयान के बाद पूरे देश में प्रदर्शन जारी है। सिंधी समाज ने कहा कि भगवान झूलेलाल पर टिप्पणी कर उनकी धार्मिक भावनाओं का अपमान किया गया है ।वही अग्रवाल समाज ने भी महाराजा अग्रसेन का अपमान करने पर कड़ी नाराज़गी जताई। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि बघेल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए ।जल्द से जल्द उनकी गिरफ्तारी की जाए।

सिंधी समाज ने जताया आक्रोश, फूंका पुतला

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष और जोहार छत्तीसगढ़ के प्रमुख अमित बघेल के भगवान झूलेलाल पर दिए गए आपत्तिजनक बयान के बाद सिंधी समाज में रोष है। मंगलवार को सिंधी समाज ने अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद कर आक्रोश रैली निकाली और अमित बघेल का विरोध करते हुए उनका पुतला फूंका ।अमित बघेल पर आरोप है कि उसने भगवान झुलेलाल को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया है। जिसको लेकर सिंधी समाज ने सिंधु भवन से नगर में आक्रोश रैली निकाली यह रैली नगर के हनुमान चौक, वहां से नया सराफा, सुभाष चौक, राजघाट चौक मेन रोड होते हुए काली पुतली चौक पहुची ।जहां सामाजिक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर, भगवान झुलेलाल के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देकर, सिंधी समाज की भावनाओं को आहत करने के मामले में कार्यवाही की मांग की।

हमारा शांति प्रिय समाज है लेकिन हम कायर नहीं है- श्याम पंजवानी

सामाजिक बंधु श्याम पंजवानी ने बताया कि छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अध्यक्ष अमित बघेल ने हमारे ईष्ट देव भगवान झूलेलाल के खिलाफ अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी की है। हमारा समाज हर धर्म को मानता है, हर धर्म में हमारी आस्था है, लेकिन हमारे ईष्ट देव पर इस तरह की टिप्पणी स्वीकार नहीं की जाएगी, अमित बघेल ने भगवान झुलेलाल जी के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग किया है वहीं उन्होंने सिंधी समाज के लोगो को पाकिस्तान बताया है, जबकि जब अखंड भारत का बंटवारा हुआ था तब हमने अपनी जमीन, जायदाद, राजघराने, पैसा, सब कुछ छोड़कर भारत में शरण ली थी। आज भी सिंधी समाज सरकार को अधिक टैक्स देने में सबसे आगे हैं। हमारा समाज शांतिप्रिय समाज है,लेकिन हम कायर नहीं है, यही बताने के लिए आज विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया है। हम ईट का जवाब पत्थर से देना जानते हैं। यदि भविष्य में दोबारा ऐसी कोई घटना होती है तो सड़क पर उतरकर उसका मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा।

अमित बघेल की तत्काल की जाए गिरफ्तारी- रमेश रंगलानी

समाज के वरिष्ठ रमेश रंगलानी ने बताया कि हमारे भगवान झूलेलाल जी के खिलाफ अमित बघेल ने आपत्तिजनक टिप्पणी की है जिसके चलते सामाजिक बंधुओ द्वारा पूरे देश में प्रदर्शन किया जा रहा है सिंधी समाज एक सभ्य समाज हैं ,इसी को कुछ लोगों ने हमारी कमजोरी समझ लिया है। हमारी मांग है कि अमित अग्रवाल माफी मांगे, प्रशासन उस पर कार्यवाही करें, उसपर एफआईआर दर्ज कर तत्काल गिरफ्तार किया जाए, वही उसपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो।

तो सड़कों पर उतरकर करेंगे आंदोलन- हरिओम अग्रवाल

उधर कलेक्ट्रेट में सौंपे गए ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान अग्रवाल समाज अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल ने बताया कि हमारे आराध्य श्री अग्रसेन महाराज के ऊपर छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अध्यक्ष अमित बघेल ने अभद्र व अशोभनीय टिप्पणी की है उसके खिलाफ पूरे देश में अग्रवाल समाज द्वारा आक्रोश व्यक्त कर, ज्ञापन सौपा जा रहा है ।जगह-जगह एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की मांग की जा रही है ।उसी को लेकर आज हमने अपना आक्रोश जताते हुए जिला प्रशासन को ज्ञापन सौपा है जिसमें हमने अमित बघेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तार करने,और उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलाए जाने की मांग की है। इस मांग को पूरी करने के लिए 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया गया है यदि इस समय सीमा के भीतर मांग पूरी नहीं की जाती, तो अग्रवाल समाज द्वारा सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

चचेरे भाइयों ने लाठियों से की मारपीट

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम डोके में एक व्यक्ति को उसके दो चचेरे भाइयों ने ईंट पत्थर और लाठी से मारपीट कर घायल कर दिये। यह घटना घरेलू विवाद की चलते हुई। घायल व्यक्ति सुरेंद्र पिता ज्ञानीराम मर्सकोले 50 वर्ष ग्राम डोके के निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र मर्सकोले खेती किसानी के अलावा वह अपने गांव में साइकिल रिपेयरिंग का काम करता है। जिसके परिवार में पत्नी और दो बेटी है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। पिछले 2 साल से सुरेंद्र की पत्नी अपनी छोटी बेटी को लेकर मायके फोगलटोला में रह रही है और सुरेंद्र डोके में अपने घर में अकेला रहकर खेती किसानी करता है। सुरेंद्र का उसके चाचा ओगराम मर्सकोले के बेटे जितेंद्र धर्मेंद्र के साथ घरेलू विवाद के चलते रंजिश बनी हुई थी। 3 नवंबर की शाम को जब सुरेंद्र अपने घर से दुकान जा रहा था। तभी उसके भतीजे जितेंद्र और धर्मेंद्र ने अपने घर के सामने सुरेंद्र को पकड़े और ईंट पत्थर और लाठी से मारपीट कर उसे नाली में धकेल दिए। मारपीट में सुरेंद्र घायल और बेहोश हो गया था। किसी व्यक्ति ने डायल 112 को सूचना दिये थे। डायल 112 मौके पर पहुंची और घायल सुरेंद्र वारासिवनी सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किए थे। जहां उसे जिला अस्पताल बालाघाट पर किया गया है।

फसल नुकसान की भरपाई की मांग को लेकर किसानों ने जनसुनवाई में रखी अपनी समस्या

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बिरसा क्षेत्र के किसानों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक सामूहिक आवेदन प्रस्तुत किया। किसानों ने अपने आवेदन में बताया कि उनकी खेतों की फसल को वन विभाग द्वारा अवैध रूप से पट्टा लिये जाने की बात कर के फसल को नष्ट कर दिया गया। किसानों ने कहा कि इस मामले की शिकायत पहले भी कलेक्टर बालाघाट से की गई थी, जिस पर कलेक्टर ने मुआवजा दिए जाने का आश्वासन दिया था। लेकिन अब तक न तो उन्हें मुआवजा प्राप्त हुआ है और न ही बची हुई फसल को काटने की अनुमति वन विभाग द्वारा दी जा रही है ।किसानों ने बताया कि लगातार प्रशासनिक उदासीनता के कारण उनकी आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द जांच कर मुआवजा दिलाने और शेष फसल की कटाई की अनुमति प्रदान करने की मांग की है।

बिरसा क्षेत्र के ग्राम जगला निवासी सुक्खन सिंह धुर्वे सहित अन्य ग्रामों के किसान सोमवार, 4 नवंबर को जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे। यहां किसानों ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर अपनी समस्या से अवगत कराया। किसानों ने बताया कि वे बीते कई वर्षों से फॉरेस्ट की जमीन पर पट्टा लेकर खेती-किसानी का कार्य कर रहे हैं, किंतु वन विभाग द्वारा लगाई गयी वन विभाग के जमीन पर लगी फसल को अवैध बताते हुए नष्ट कर दिया गया। इस संबंध में किसानों ने पहले भी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद कलेक्टर बालाघाट ने मुआवजा दिए जाने के निर्देश जारी किए थे। किसानों का कहना है कि कलेक्टर के आदेश के बावजूद अब तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला है, और वन विभाग द्वारा बची हुई फसल की कटाई की अनुमति भी नहीं दी जा रही है। सुक्खन सिंह धुर्वे ने बताया कि उनका परिवार पूरी तरह खेती पर निर्भर है, और फसल कटाई न होने तथा मुआवजा न मिलने से आर्थिक संकट गहरा गया है। किसानों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर मुआवजा दिलाने और फसल कटाई की अनुमति प्रदान करने की मांग की है।

एंबुलेंस चालक ने मवेशी लेकर जा रहे एक व्यक्ति को रोककर पत्थर से मारा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भण्डारपुर तालाब की पार से बोदा लेकर जा रहे एक व्यक्ति के सामने एंबुलेंस के चालक ने अपनी एम्बुलेंस खड़ी कर उस व्यक्ति को पत्थर से मार कर घायल कर दिया वहीं पुनः दिखाई देने पर एंबुलेंस चढ़ाकर जान से मार डालने की धमकी दे दी। वही इस एंबुलेंस चालक ने मौके पर पहुंचे पुलिस स्टाफ और डायल 112 के कर्मचारियों द्वारा समझाने पर उनके साथ भी अभद्रता कर बैठा। मलाजखंड पुलिस ने कमल पिता देवदार टेम्भरे 62 वर्ष ग्राम भण्डारपुर निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर एंबुलेंस चालक आनंद मेश्राम ग्राम टिंगीपुर थाना मलाजखंड निवासी के विरुद्ध रास्ता रोककर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भण्डारपुर निवासी कमल टेम्भरे खेती किसानी करते हैं। 4 नवंबर को सुबह 11:30 बजे कमल टेम्भरे ग्राम टिंगीपुर से एक जोड़ी बोदा खरीद कर अपने घर भण्डारपुर ले जा रहा था। कमल टेम्भरे अपने बोदाओ को लेकर भण्डारपुर बड़े तालाब के पार के ऊपर से जा रहा था ।उसी समय भण्डारपुर बस्ती तरफ से आनंद मेश्राम अपनी एंबुलेंस लेकर आया और उसने अपनी एम्बुलेंस कमल टेम्भरे के बोदो के सामने खड़ी कर रास्ता रोक लिया। और आनंद मेश्राम ने एंबुलेंस से उतरकर कमल टेम्भरे को अश्लील गालियां देने लगा। कमल टेम्भरे ने आनंद मेश्राम को गालियां देने से मना किया। तभी आनंद मेश्रामने एक बड़ा पत्थर उठाकर कमल टेम्भरे को मारा, पत्थर कमलटेम्भरे के सीने में लगा ।इसके बाद कमल टेम्भरे बचाव बचाव चिल्लाते हुए खेत तरह भागा हल्ला सुनकर भण्डारपुर कि लोग दौड़ते हुए आए ,जिन्हें देखकर आनंद मेश्राम एंबुलेंस लेकर भाग खड़ा हुआ और जाते-जाते उसने कमल टेम्भरे को दोबारा इस रास्ते में आते दिखाई देने पर एंबुलेंस से चढ़ाकर जान से मार डालने की धमकी दे दी। इस घटना के दौरान सूचना मिलते ही डायल 112, पुलिस कर्मचारी भी भण्डारपुर तालाब के पास पहुंच चुके थे। पुलिस कर्मचारी और डायल 112 के कर्मचारियों ने आनंद मेश्राम को समझाने के लिए बुलाए थे किंतु आनंद मेश्राम उनके साथ भी अभद्र व्यवहार कर बैठा। इसके बाद कमल टेम्भरे रिपोर्ट करने मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने कमल टेम्भरे का इलाजबिरसा के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर आनंद मेश्राम ग्राम टिंगीपुर निवासी के विरुद्ध रास्ता रोक कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 115(2) 126(2)296 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

मामा के साथ अपने साडू भाई से की मारपीट -दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। किरनापुर थाना अंतर्गत ग्राम बटामा की मंडई में एक व्यक्ति ने अपने मामा के साथ मिलकर अपने साडू भाई को हाथबुक्के और डंडे से मारपीट कर घायल कर दिए और उसे रिपोर्ट करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह घटना 3 नवंबर की रात 11:30 बजे पारिवारिक रंजिश के चलते हुए ।मारपीट में घायल व्यक्ति आशीष पिता मनोज पटले 25 वर्ष ग्राम नेवरगांव कला निवासी का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया वहीं इस मामले में किरनापुर पुलिस ने इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके साडू भाई शिवा बिसेन ग्राम बेलगांव और उसके मामा नरेंद्र ऐड़े ग्राम वारा किरनापुर निवासी के विरूद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेवरगांव कला निवासी आशीष पटले मिस्त्री का काम करता है और मंडई मेले में बच्चों को झूला झूलने का काम भी धंधा करता है। ग्राम बेलगांव निवासी शिवा बिसेन, आशीष पटले का सगा साडू भाई लगता है। बताया गया है कि शिव बिसेन अपनी पत्नी के साथ पारिवारिक बातों को लेकर झगड़ा वाद विवाद करते रहता था। जिसके कारण शिवा बिसेन और उसके साडू भाई आशीष पटेल के बीच विवाद हुआ था। इस विवाद की रंजिश शिवा बिसेन अपने साडू भाई आशीष पटले से रखा हुआ था और वह रंजिश भुनाने की फिराक में था। 3 नवंबर को आशीष पटले के ससुराल ग्राम बटामा की मंडई थी। आशीष पटले ने अपने ससुराल बटामा की मंडई में मिकी माउस जंपिंग झूला लगाया था। रात 11:30 बजे आशीष पटले मंडई से कुछ दूर कान्हा जी हरिनखेड़े के मकान तरफ लघुशंका के लिए गया था। तभी मौके की ताक में बैठे उसके साडू भाई शिवा बिसेन अपने मामा नरेंद्र ऐड़े के साथ उसके पास आए और पुराने रंजिश को लेकर दोनों आशीष पटले को अश्ल गालियां देने लगे थे। आशीष पटले ने उन्हें गाली देने से मना किया तभी शिव बिसेन और उसके मामा नरेंद्र ऐड़े ने आशीष पटले को हाथ बुक्के डंडे और हाथ में पहने कड़ा से बेरहमी पूर्वक मारपीट कर घायल कर दिये। मारपीट करने के बाद शिवा बिसेन और नरेंद्र ऐड़े ,आशीष पटले को दुबारा पारिवारिक विवाद में बोलने और रिपोर्ट करने जाने पर जान से मारने की धमकी देकर दोनो भाग गए। घटना की संबंध में आशीष पटले ने ग्राम बटामा में रहने वाले लोगों को बताया। 4 नवंबर को आशीष पटलेअपने ससुर मोतीलाल बोपचे के साथ रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंचा। किरनापुर पुलिस ने मारपीट में घायल आशीष पटले का इलाज और मुलाहिजा किरनापुर के शासकीय अस्पताल में करवाया और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर शिवा बिसेन ग्राम बेलगाँव और उसके मामा नरेंद्र ऐड़े ग्राम वारा निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) 3(5)भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

29 वें जिला स्तरीय युवा महोत्सव का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। 29 वां जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन बालाघाट के मुलना स्टेडियम खेल और युवा कल्याण विभाग के हाल परिसर में 4 नवंबर को किया गया। जिला खेल अधिकारी श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार कार्यक्रम में लोकगीत समूह, लोक नृत्य एवं भाषण विधाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी विजेताओं एवं उपविजेता को मुख्य अतिथि सतीश शर्मा न्यायाधीश सचिव विधिक प्राधिकरण द्वारा सम्मानित किया गया। जिला खेल प्रशिक्षक सचिंद्र कृष्णन ने बताया कि इस आयोजन में निर्णायक की भूमिका में मनोज शर्मा, अशोक मिश्रा, आलोक वाजपेई, सुनीता जंघेला रहे। जिला युवा उत्सव में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस आयोजन में लोकगीत में प्रथम स्थान पॉली एकेडमी लांजी एवं द्वितीय स्थान शासकीय महाविद्यालय कटंगी ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम राहुल राणा पटले एवं द्वितीय स्थान कुमकुम राणा ने प्राप्त किया। लोक नृत्य विधा में प्रथम स्थान शासकीय विद्यालय बिसोनी (लांजी) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का मंच संचालन अजय बैस द्वारा किया गया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

तीन साल बाद परिवार से मिली आत्मसमर्पित नक्सली सुनीता ओयाम

गांव से जबरन उठा ले गए थे नक्सली, अब लौटकर, कह रही है डर के साए में जीना नहीं चाहती

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर जिले की हार्डकोर सशस्त्र महिला नक्सली सुनीता ओयाम ने 2 नवम्बर को शासन की नीति अनुसार आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण के बाद सुनीता के माता-पिता आज बालाघाट पहुंचे, जहाँ उन्होंने सुनीता से मुलाकात की और बातचीत की। इसके बाद सुनीता के माता-पिता ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि सुनीता स्वेच्छा से नक्सली नहीं बनी थी, बल्कि उसे नक्सलियों द्वारा परिवार के विरोध के बावजूद जबरदस्ती अपने साथ ले जाया गया था। उन्होंने कहा कि सुनीता शुरू से ही नक्सली गतिविधियों में शामिल नहीं होना चाहती थी, लेकिन जंगल क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों ने उसे दबाव में रखकर संगठन में शामिल कर लिया था। सुनीता के पिता पहले नक्सलियों के संगम सदस्य हुआ करते थे, हालांकि बाद में उन्होंने नक्सलियों से अपना रिश्ता पूरी तरह तोड़ लिया। चर्चा के दौरान माता-पिता के साथ आए गांव के सरपंच ने भी वहां की स्थिति की जानकारी दी और बताया कि ग्रामीण इलाकों में कई युवक-युवतियों को नक्सली विचारधारा के नाम पर जबरदस्ती अपने साथ ले जाते हैं और उनका शोषण करते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग नक्सली विचारधारा से सहमत नहीं होते, बल्कि भय और दबाव के कारण संगठन से जुड़ने को मजबूर हो जाते हैं। सरपंच और परिजनों ने उम्मीद जताई कि शासन की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से अन्य भटके हुए युवा भी मुख्यधारा से जुड़ने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

2 नवम्बर को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाली हार्डकोर सशस्त्र महिला नक्सली सुनीता पिता दसरू ओयाम, निवासी गांव गोमवेटा, तहसील भैरमगढ़, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) की रहने वाली हैं। आत्मसमर्पण के बाद सुनीता के माता-पिता 3 नवम्बर को ही बालाघाट पहुंचे थे। यहां उन्होंने सबसे पहले अपनी बेटी से मुलाकात की और 4 नवम्बर को मीडिया से चर्चा की। सुनीता के माता-पिता को हिंदी भाषा नहीं आती, वे गोंडीभाषा बोलते हैं। इसलिए उनके साथ आए गांव के सरपंच चन्नूराम पुरियाम ने उनकी बातों का हिंदी में अनुवाद किया। सरपंच ने बताया कि तीन वर्ष पूर्व नक्सलियों ने सुनीता को जबरदस्ती गांव से उठा लिया था, जबकि सुनीता और उसके माता-पिता ने इसका विरोध किया था। माता-पिता ने बताया कि जब उन्होंने अपनी बेटी को नक्सलियों के साथ जाने से रोका, तो नक्सलियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। नक्सलियों ने कहा था कि अगर उन्होंने बेटी को नहीं भेजा, तो उन्हें गांव से जमीन और मकान छोड़कर जाना होगा। मजबूरी में सुनीता को अपने माता-पिता को छोड़कर नक्सलियों के साथ जाना पड़ा। सुनीता के पिता ने बताया कि उनके पांच बच्चे हैं, और नक्सलियों ने सुनीता के बाद उनकी दूसरी बेटी को भी अपने साथ ले जाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्होंने साफ इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके गांव में नक्सली बच्चों को डरा-धमकाकर अपने संगठन में शामिल कर लेते हैं। कोई भी व्यक्ति नक्सली विचारधारा से प्रभावित होकर नक्सली नहीं बनता, बल्कि भय और जबरदस्ती के कारण ऐसा होता है। गांव के सरपंच चन्नूराम पुरियाम ने बताया कि उनके क्षेत्र के कई युवाओं को नक्सलियों ने धमकाकर अपने साथ ले लिया है। उन्होंने बताया कि गांव से कुछ लोगों को नक्सली संगठन में शामिल किया गया था, लेकिन अब शासन की आत्मसमर्पण नीति के तहत उनमें से कुछ संख्या में लोग मुख्यधारा में लौट रहे हैं। सुनीता के माता-पिता ने बताया कि वे अपनी बेटी से पूरे तीन वर्ष बाद मिले हैं। मुलाकात के दौरान वे भावुक हो उठे और उन्होंने कहा कि अब वे चाहते हैं कि सरकार सुनीता को पुनर्वास योजना के तहत बीजापुर जिले में ही लाभ प्रदान करे, ताकि वह अपने ही क्षेत्र में रहकर नया जीवन शुरू कर सके। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि सुनीता को शासन की नीति के अनुसार पुनर्वास का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को शासन के नियमों के तहत सहायता दी जा रही है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर सम्मानजनक जीवन जी सकें। सुनीता के माता-पिता ने मीडिया के माध्यम से सुनीता के अन्य नक्सली साथियों से भी मुख्यधारा में लौटने और आत्मसमर्पण करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति के तहत सभी को नया जीवन शुरू करने का अवसर मिल रहा है, और अब समय है कि जो लोग जंगलों में भटक रहे हैं, वे भी अपने परिवारों के पास लौट आएं।

सुनीता के पिता रह चुके हैं संगम सदस्य

सुनीता के माता-पिता से हुई चर्चा के दौरान यह जानकारी भी सामने आई कि सुनीता के पिता दसरू ओयाम पहले नक्सल संगठन से जुड़े संगम सदस्य हुआ करते थे। उस समय वे नक्सलियों को खाद्य सामग्री और आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराते थे। हालांकि, कुछ समय बाद उन्होंने नक्सलियों की गतिविधियों से असहमति जताते हुए संगठन से पूरी तरह संबंध तोड़ लिया। दसरू ओयाम ने बताया कि नक्सली विचारधारा ने क्षेत्र में भय और असुरक्षा का वातावरण बना दिया था, जिससे सामान्य जीवन जीना मुश्किल हो गया था। उन्होंने कहा कि अब वे चाहते हैं कि उनका पूरा परिवार नक्सली प्रभाव से दूर रहकर शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करे।

वीडियो कॉल पर भावुक हुई सुनीता

आत्मसमर्पण के बाद पूछताछ के दौरान सुनीता के हाथ में एक कागज़ मिला, जिस पर उसने अपना नाम और जिला बीजापुर लिखा था। जब अधिकारियों ने उससे उसके गांव और परिवार के बारे में जानकारी ली, तो उसने भावुक होते हुए अपने माता-पिता का नाम बताया। इसके बाद बीजापुर पुलिस से संपर्क कर गांव के सरपंच के माध्यम से उसके माता-पिता तक खबर पहुंचाई गई। पहली बार जब सुनीता की वीडियो कॉल पर अपने माता-पिता से बात कराई गई, तो वह अपने आंसू नहीं रोक सकी और फफककर रो पड़ी। लंबे समय तक परिवार से संपर्क न रहने के बाद यह मुलाकात उसके जीवन का भावनात्मक क्षण बन गई।

परिजनों से मिल सुनिता हुई खुश

बीजापुर से लगभग 700 किलोमीटर की दूरी तय कर सुनीता के पिता दिसरू ओयाम, मां, चाची और गांव के सरपंच बालाघाट पहुंचे। पुलिस लाइन में हुई इस मुलाकात के दौरान जब सुनीता ने अपने परिजनों को देखा, तो उसके चेहरे पर खुशी झलक उठी। तीन वर्षों बाद परिजनों से मिलकर वह भावुक हो गई और सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर राहत की सांस ली। सुनीता के माता-पिता ने अपनी बेटी को सुरक्षित देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि सरकार की आत्मसमर्पण नीति ने उनकी बच्ची को नया जीवन दिया है। उन्होंने अन्य नक्सलियों से भी अपील की कि वे हथियार छोड़कर अपने गांव और परिवार के पास लौट आएं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा कि नक्सली संगठन अपनी खोखली विचारधारा के तहत लोगों को बहकाकर अपने साथ जोड़ते हैं। सुनीता के साथ भी ऐसा ही हुआ था, लेकिन अब उसने सही रास्ता चुना है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि बाकी नक्सली भी हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हों और समाज के विकास में योगदान दें।

ऑल इंडिया स्पीच प्रतियोगिता में डोंगरिया मदरसे के तीन छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

मौलाना आजाद एजुकेशन सोसाइटी के होनहारों ने पूरे देश में बढ़ाया जिले का मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के छोटे से कस्बे डोंगरिया ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि प्रतिभा को मंच की नहीं, अवसर की जरूरत होती है। ऑल इंडिया ऑनलाइन स्पीच प्रतियोगिता बज्मे वस्तानवी में मौलाना आजाद एजुकेशन सोसाइटी डोंगरिया के तीन विद्यार्थियों ने देशभर के सैकड़ों प्रतिभागियों में बाजी मारते हुए टॉप-20 में अपना स्थान सुरक्षित किया है।प्रतियोगिता का आयोजन देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान जामिया इस्लामिया इशातुल उलूम, अक्कलकुवां की सरपरस्ती में किया गया था। यह प्रतियोगिता मध्यप्रदेश के खंडवा जिले की ब्रांच द्वारा ऑनलाइन आयोजित की गई, जिसमें देशभर से सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

डोंगरिया के तीन विद्यार्थियों ने मारी बाजी

प्रतियोगिता के परिणाम 3 नवम्बर 2025 की शाम घोषित किए गए, जिसमें मोहम्मद सईदुद्दीन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान, मोहम्मद साद ने 12वां स्थान, और नुरुल हुदा ने 20वां स्थान हासिल कर संस्था और जिले का नाम रोशन किया।तीनों छात्र मौलाना आजाद उर्दू हायर सेकेंडरी स्कूल, डोंगरिया में कक्षा 12वीं (विज्ञान वर्ग) के विद्यार्थी हैं और साथ ही संस्था के मदरसे में पवित्र कुरान का हिफ्ज़ (कंठस्थ अध्ययन) भी कर रहे हैं।

क्षेत्र में हर्ष की लहर

जैसे ही परीक्षा परिणाम की घोषणा हुई, डोंगरिया और आस-पास के क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। संस्था के शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने छात्रों और संस्था को बधाईयों से नवाज दिया। सोशल मीडिया पर भी छात्रों के सम्मान में बधाई संदेशों की बाढ़ सी आ गई।बताया गया कि मौलाना आजाद एजुकेशन सोसाइटी डोंगरिया, बालाघाट जिले में शिक्षा और संस्कार दोनों के समन्वय के लिए जानी जाती है। यहाँ विज्ञान, आधुनिक शिक्षा और धार्मिक अध्ययन का अनूठा संगम देखने को मिलता है और यही कारण है कि यह संस्था लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है।संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्था की शिक्षा-परंपरा का परिणाम है।उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी यहां के छात्र इसी तरह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता के झंडे गाड़ेंगे।

श्री गुरु नानक देवजी का 556वां प्रकाश परब आज

प्रकाश पर्व पर सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री गुरु नानक देव जी की जयंती बुधवार को नगर सहित पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। जहां श्री गुरु नानक देव जी के 556 वे प्रकाश पुरब पर पिछले 14 दिनों से नगर में रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों की आयोजन किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में श्री गुरुनानक जयंती की पूर्व संध्या पर मंगलवार को गुरुद्वारा में धार्मिक प्रेमियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।वही बुधवार 5 नवंबर को श्री गुरु नानक देव जी के 556 वे प्रकाश पुरब के पावन अवसर पर प्रता- विशेष दीवान की आरंभता और शाम की दीवान शबद कीर्तन सहित अन्य कार्यक्रमो के आयोजन किए जाएंगे। वही रात्रि में गुरु का अटूट लंगर सहित अन्य आयोजन कर श्री गुरु नानक देव जी को याद किया जाएगा।

श्री गुरु नानक जी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने निकली गई कीर्तन रैली

श्री गुरु नानक देव जी के 556 वे प्रकाश पुरब पर पिछले 14 दिनों से रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों की आयोजन किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में श्री गुरुनानक जयंती की पूर्व संध्या पर गुरुवार को धार्मिक प्रेमियों ने नगर में एक कीर्तन रैली निकाली, वही बुधवार 5 नवंबर को श्री गुरु नानक देव जी का 556 वा प्रकाश पुरब हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मंगलवार शाम नगर में निकाली गई कीर्तन रैली के माध्यम से श्री गुरु नानक जी के सन्देश को प्रसारित किया गया। शहर में धर्मप्रेमियों ने नगर रैली निकाली। यह नगर रैली बाबा धरमदास दरबार से निकाली गई, जो हनुमान चौक, सुभाष चौक, महावीर चौक, काली पुतली चौक होते हुए दोबारा बाबा धरमदास दरबार पहुंची। नगर रैली के दौरान गुरु नानक जी के छायाचित्र के साथ फूलों से सजी पालकी निकाली। इस दौरान धर्मप्रेमियों ने भजन-कीर्तन करते हुए वाहे गुरु का जाप किया। रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए। इस रैली के माध्यम से धर्म प्रेमियों ने श्री गुरु नानक जी के संदेश को आम लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया।

पूर्व सन्धा पर विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

गुरु नानक जी जयंती को लेकर रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं। जहां प्रकाश पुरब के एक दिन पूर्व संध्या पर गुरुद्वारे में देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों की आयोजन किए गए। जहां शाम 7 से रात्रि 10 बजे तक श्री गुरु नानक देव जी की जीवनी, गुरु महाराज के जीवन के संदर्भ में पाठ ,शब्द कीर्तन, आते गायन, लंगर सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किए गए।

आज सुबह से लेकर देर रात तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम

इसी तरह गुरुद्वारा में प्रकाश पुरब पर बुधवार को सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों की आयोजन किए जाएंगे। जहां सुबहा रुमाल साहिब पुरासैट की सेवा, हुजूरी जत्था द्वारा श्री अखंड पाठ साहिब जी, अरदास संपूर्णताई ,स्वलापहार का वितरण किया जाएगा। तो वहीं दोपहर में शब्द कीर्तन, बच्चों के शब्द कीर्तन, दीवान की संपूर्णताई लंगर की सेवा की जाएगी। इसके अलावा शाम में रहरास साहिब और आरती साहिब शब्द कीर्तन, रात्रि में आरती और फूलों की वर्षा, अरदास, हुकुमनामा हुजूरी जत्था,सम्पूर्णताई, सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के साथ ही देर रात भव्य आतिशबाजी कर इन कार्यक्रमों का समापन किया जाएगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा पर्व - राकेश चावला

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पुरब की पूर्व संध्या पर बाबा धरमदास दरबार से निकाली गई फेरी को लेकर की गई चर्चा के दौरान, समाजिक बंधू राकेश चावला ने बताया कि ने गुरु नानक जयंती को लेकर नगर में 14 दिनों से रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं। रोज सुबह प्रभात फेरी निकाली जा रही है। इसी कड़ी में गुरु नानक जयंती के पूर्व नगर में गुरु नानक जी का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए शोभायात्रा भी निकल गई थी। शाम को भी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए हैं। इसके अलावा कल बुधवार को प्रकाश पर्व पर सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होंगे। यह रैली बाबा धरमदास दरबार से निकाली गई है, जिसका समापन भी बाबा धरमदास दरबार में किया जाएगा।पिछले 14-15 दिनों से दीपावली के दूसरे दिन से रोजाना नगर में प्रभात फेरी निकाली जा रही है।यह जयंती समस्त सामाजिक बंधुओ द्वारा मिलजुल कर धूमधाम के साथ मनाई जा रही है।

महज 1000-1200 में नही होता गुजर बसर, बढ़ाई जाए पेंशन

चरेगांव निवासी दिव्यांग सरिता ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में चरेगांव निवासी दिव्यांग सरिता ने पहुंचकर अपने जीवनयापन की कठिनाइयों को अधिकारियों के समक्ष रखा।सरिता ने कलेक्टर मृणाल मीना से दिव्यांग पेंशन की राशि बढ़ाने की मांग करते हुए, अल्प पेंशन में जिंदगी का गुजर बसर नही होने की जानकारी दी।सरिता ने बताया कि इस दुनिया मे उसे पालने के लिए उसके मा बाप भी नही है।वह चरेगांव में अकेली रहती है, दिव्यांग होने के चलते वह चलना तो दूर, अपने पैरों पर खड़ी भी नही हो पाती।स्वयं के पालन पोषण के लिए कोई रोजगार भी नही है।गरीबी रेखा का बीपीएल कार्ड है लेकिन अन्य जरूरतों पूरी करने लिए पेंशन के अलावा अन्य कोई साधन भी नही है।सरिता ने बताया कि उसे वर्तमान में केवल 1200 प्रतिमाह पेंशन मिलती है, जिससे आज के महंगाई भरे दौर में भरण-पोषण करना अत्यंत कठिन हो गया है।सरिता ने बताया कि उसके माता-पिता का निधन हो चुका है, और उसे सहारा देने वाला अब कोई नहीं है। वह पूरी तरह अपनी सीमित पेंशन पर निर्भर है, लेकिन बढ़ती कीमतों के बीच दवा, भोजन और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना संभव नहीं हो पा रहा है।जिसने ज्ञापन सौपते हुए, तत्काल पेंशन को बढाए जाने सहित अतिरिक्त फंड की व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

मोटरसाइकिल टक्कर मारकर हुई अनियंत्रित- दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। भरवेली स्थित आनंद सागर शराब भट्टी के सामने रोड किनारे मोटरसाइकिल एक व्यक्ति को ठोस मारकर अनियंत्रित हो गई यह दुर्घटना में दो युवक घायल हो गए। दोनों घायल जिनमे नितेश पिता सूरज बाहेश्वर 22 वर्ष ग्राम अमेड़ा थाना भरवेली और मोटरसाइकिल सवार विकास पिता रूपचंद मेश्राम 25 वर्ष ग्राम हीरापुर भरवेली निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नितेश बाहेश्वर मजदूरी करता है। 4 नवम्बर की रात्रि नितेश बाहेश्वर अपने दोस्त सागर बाहेश्वर,हरीश मराठे और रूपेश मस्करे के साथ भरवेली की आनंद सागर शराब भट्टी के सामने रोड किनारे बैठे थे। तभी रात 12:00 बजे करीब मरारी मोहल्ला की ओर से विकास मेश्राम तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक मोटरसाइकिल चलाते आया जिसकी मोटरसाइकिल नितेश बाहेश्वर से टकरा कर अनियंत्रित हो गई। जिससे विकास मेश्राम मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गया। दोनों घायल को मायल की एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

14 वर्षीय बालक पेड़ से गिरकर घायल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। भरवेली थाने के सिवनी कैंप में एक 14 वर्षीय बालक पेड़ से गिरने से घायल हो गया। घायल वाला नंदन पिता नेमीचंद कठौते सिवनी कैंप भरवेली निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नंदन कठौते के माता-पिता की 2022-23 मैं निधन हो चुका है। और वे दो भाई एक बहन है। बहन बड़ी है नंदन ने कक्षा आठवीं पढ़ने के बाद पढ़ाई छोड़ दिया है मजदूरी करते हैं और माता-पिता की मृत्यु के बाद तीनों अपनी नानी के साथ सिवनी कैंप भरवेली में ही रहते हैं। बताया गया है कि 4 नवंबर को 2ः00 बजे करीब नंदन स्कूल ग्राउंड में खेलने गया था

और खेलते खेलते वहीं कर्जी के पेड़ पर चढ़ रहा था। तभी फिसल कर वह पेड़ से नीचे गिर गया और सिर में चोट आने से घायल हो गया। जो घायल हालत में ही अपने घर जा रहा था। जिसे पड़ोसियों में देखें और उसे स्कूटी में जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की गुहार

बे-मौसम बारिश से खराब हुई धान की फसल, धान अंकुरित एवं बीमारी लगने से किसान परेशान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गत दिवस हुई बे-मौसम बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। किसानों के द्वारा मेहनत से तैयार की गई धान की फसल दो-तीन दिनों तक हुई बारिश के चलते जिन किसानों ने धान की कटाई कर लिये थे उनके कड़पे भींग चुकी है और फसल डुब जाने से कई खेतों में धान अंकुरित आने लगी है। साथ ही बार-बार मौसम परिवर्तन होने एवं खेतों में पानी जमा रहने व नमी बने रहने के कारण करपा, माहू सहित अन्य बीमारियों के फैलने का भी खतरा मंडरा रहा है जिससे किसान बेहद परेशान नजर है। साथ ही बारिश बंद होने के बाद जिन किसानों ने पूर्व में धान की कटाई कर लिये थे और कडपे व मोझे खेतों में बंधे थे उसे धुप निकलने पर मोझे को खड़े कर सुखा रहे है तो वहीं गीले कड़पे को हटाकर उसे सुखाकर सुरक्षित करने का काम कर रहे है जिसके लिए उन्हे कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है। लेकिन धान में अंकुरित आने एवं खेतों में नमी व पानी रहने के कारण किसानों का कृषि कार्य प्रभावित हो चुका है और किसान फसल को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे है। इस बे-मौसम बारिश के कारण अन्नदाता परेशान है और वह अपना दर्द बयां भी नही कर पा रहा। वहीं प्रशासन के द्वारा किसानों के दर्द पर मरहम लगाने के लिए सर्वे तो किया जा रहा है लेकिन यह कार्य बहुत धीमी गति से हो रहा है। जिससे ऐसा लग रहा है कि सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। प्रशासन की इस सुस्त कार्यप्रणाली के चलते किसानों में आक्रोश व्याप्त है।

जनप्रतिनिधि सरकार से लड़ाई लड़कर किसानों को दिलवाये उचित मुआवजा

आपकों बता दे कि बालाघाट जिला कृषि प्रधान जिला है और लालबर्रा विकासखण्ड में हजारों हेक्टेयर में खरीफ सीजन में धान की फसल लगाई गई है जो पककर तैयार भी हो चुकी है एवं कुछ किसानों ने धान की कटाई भी कर लिये है। लेकिन गत दिवस हुई बे-मौसम बारिश से जिन किसानों ने पहले कटाई कर ली थी उनकी फसल भी सूखने से पहले खेतों में नमी होने के कारण खराब हो रही है एवं खड़ी फसल की धान की बाली झड़ने के साथ ही उसमें बीमारियां भी लग रही है। ऐसी स्थिति में किसानों के पास नुकसान का आकलन करवाने और मुआवजा प्राप्त करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। लेकिन राजस्व विभाग का सर्वे कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। जिसके चलते किसान बेहद परेशान है। जबकि बे-मौसम बारिश में जो धान की फसल खराब हुई है उसका राजस्व विभाग के द्वारा तीव्र गति से सर्वे करवाकर जल्द मुआवजा प्रशासन को दिलवाना चाहिए किन्तु ऐसा नही किया जा रहा है जिससे किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है। क्षेत्रीय किसानों ने प्रशासन से तीव्र गति से सर्वे करवाकर फसल नुकसानी का उचित मुआवजा दिलवाने की मांग की है। वहीं किसानों का कहना है कि धरातल पर सर्वे का कार्य जिस तरीके से होना चाहिए वैसा नही किया जा रहा है और यह सर्वे भी सिर्फ खानापूर्ति ही नजर आ रहा है। जिसे तीव्र गति से नही किया जा रहा है, जबकि राजस्व एवं कृषि विभाग को जल्द से जल्द वास्तविक सर्वे कर उचित मुआवजा दिलवाना चाहिए ताकि किसान अगली फसल की तैयारी कर सके। आगे यह भी कहा कि खेती से ही जीवनयापन करने वाले इन किसानों की हालात फिर यही सवाल खड़ा कर रही है कि आखिर कौन समझेगा अन्नदाताओं का दर्द। जबकि इस बे-मौसम बारिश से किसानों की जो फसल खराब हुई है उसके लिए जनप्रतिनिधियों को भी आगे कर सरकार से लड़ाई लड़कर किसानों को उचित मुआवजा दिलवाना चाहिए।

सर्वे कार्य तीव्र गति से करवाये प्रशासन - धनेन्द्र

सहकारिता एवं उद्यमिता विभाग समिति सभापति धनेन्द्र नागपुरे ने बताया कि हमारा क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है और यहां पर मुख्य रूप से धान की खेती की जाती है। गत दिवस हुई बेमौसम बारिश से किसानों की धान की फसल बुरी तरह से प्रभावित हुई है, फसल अंकुरित हो गई है और खेतों में पानी जमा हो जाने से पककर तैयार हो चुकी फसल को काट भी नही पा रहे है। जिसके कारण बीमारियां लग रही है जिससे किसान बेहद परेशान है। श्री नागपुरे ने बताया कि इस बे-मौसम बारिश से फसल बर्बाद हो चुकी है इसलिए प्रशासन से मांग है कि खेतों में खराब हुई फसलों का राजस्व व कृषि विभाग से तीव्र गति से सर्वे करवाकर उचित मुआवजा दिलवाये।

इनका कहना है

बे-मौसम बारिश से खेतों में लगी धान की फसल खराब हुई है जिसके सर्वे के लिए राजस्व एवं कृषि विभाग की टीम गठित की गई है। जिनके द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में पहुंचकर फसल का सर्वे कार्य कर रहे है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद शासन को जानकारी भेजकर फसल नुकसानी का उचित मुआवजा दिलवाया जायेगा।

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
लालबर्रा।

खमरिया में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मेडिकल स्टोर्स का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के ब्लाक मेडिकल आफिसर डॉ. रितु धुर्वे के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा गठित टीम के द्वारा क्षेत्र में संचालित हो रहे मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण कर दवाओं की बिक्री, स्टॉक रजिस्टर एक्सपायरी डेट की दवाई, लायसेंस सहित अन्य जांच कर खामियां पाई जाने पर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 4 नवंबर को स्वास्थ्य विभाग के द्वारा खमरिया स्थित जयेश मेडिकल दुकान का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान निरीक्षण दल के द्वारा दवाओं की बिक्री, स्टॉक रजिस्टर और रिकॉर्ड संधारण की विस्तृत जांच की गई। जिसमें जयेश मेडिकल संचालक के द्वारा दुसरे के नाम के लायसेंस से मेडिकल संचालित करते पाया गया एवं कुछ दवाईयां एक्सपायरी डेट की मिली, जो मेडिकल में नही बेच सकते, जिनके पक्के बिल नही मिले सहित अन्य खामियां पाई गई तो कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। वहीं खमरिया में अचानक स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा जयेश मेडिकल दुकान में पहुंचकर दवाओं की जांच करने की जानकारी अन्य मेडिकल दुकान के संचालकों को लगी तो वे अपनी मेडिकल दुकान बंद कर चले गये। ऐसी स्थिति में महज खमरिया में सिर्फ एक ही मेडिकल दुकान की जांच की गई है। इस दौरान अधिकारियों ने मेडिकल संचालक को स्पष्ट निर्देश दिये है कि भविष्य में केवल चिकित्सक की विधिवत पर्ची पर ही दवाओं का विक्रय करें, शासन के नियमानुसार मेडिकल का संचालन करने कहा है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इनका कहना है

उच्चाधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र में संचालित हो रहे मेडिकल दुकानों का निरीक्षण कर प्रतिबंधित दवाओं का विक्रय तो नही हो रहा है, स्टाक, लायसेंस, दवाओं के पक्के बिल सहित अन्य जांच की जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को खमरिया के जयेश मेडिकल दुकान का निरीक्षण किया गया। जिसमें बहुत सी खामियां पाई गई है, जिसके नाम से मेडिकल है उनके द्वारा दुसरे के नाम से लायसेंस लेकर मेडिकल संचालित किया जा रहा है, उनका स्वयं का लायसेंस नही है। जिनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जायेगी और मेडिकल दुकानों की जांच का क्रम निरंतर जारी रहेगा।

डॉ. रितु धुर्वे
बीएमओं
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा।

ग्राम बगदेही को नशा मुक्त कराने का संकल्प

ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग एवं अवैध रूप से शराब विक्रय करने वालों पर कार्यवाही करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी दुर ग्राम पंचायत बगदेही में कुछ लोग अवैध रूप से कच्ची एवं पक्की शराब का विक्रय कर रहे है। जिससे ग्राम का माहौल खराब होने के साथ ही लोग शराब पीने के आदि हो रहे है। वही बाहर के लोग शराब पीने गांव में आने पर शराब के नशे में दुर्घटना का शिकार भी हो रहे है। इसलिए ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए ग्राम नशा मुक्ति समिति बगदेही के बैनर तले समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में 4 नवंबर को तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार एवं थाने में थाना प्रभारी को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर ग्राम में कच्ची एवं पक्की शराब का विक्रय करने वाले व्यक्तियों पर कठोर कार्यवाही करने एवं ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग की है। चर्चा में नशा मुक्ति समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्राम बगदेही में विगत कुछ वर्षों से कुछ लोगों के द्वारा कच्ची एवं पक्की शराब का विक्रय किया जा रहा था। जिससे ग्राम में अशांति का वातावरण होने के साथ ही रोजाना बाहर के लोग मोटरसाइकिल में आकर ग्राम में शराब पीते थे जिससे दुर्घटनाएं भी घटित हो रही थी और ग्राम का माहौल भी खराब हो रहा था एवं कुछ लोग शराब पीने के आदि भी हो रहे थे। जिससे बच्चों पर उसका दुष्प्रभाव पड़ रहा था एवं वाद-विवाद की स्थिति निर्मित हो रही थी। इन्ही सभी बातों को ध्यान में रखते हुए गत दिवस सर्वसमाज की बैठक आयोजित कर नशा मुक्ति समिति का गठन किया गया है और एकमतैन होकर ग्राम में अवैध रूप से बेची एवं निकाली जा रही शराब पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उसके बाद भी अगर कोई व्यक्ति अवैध रूप से शराब का विक्रय करते पाया जाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी। आगे बताया कि समिति का गठन कर ग्राम में पूर्णत: शराब विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया है जिसकी जानकारी देने, ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने, अगर कोई अवैध रूप से शराब विक्रय करता है उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की मांग को लेकर मंगलवार को तहसील कार्यालय में तहसीलदार, थाने में थाना प्रभारी को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। इस अवसर पर नशा मुक्ति समिति अध्यक्ष राजेश बनोटे, उपाध्यक्ष राहुल बिसेन, सचिव राजेश नगपुरे, सहसचिव भोलेन्द्र रहांगडाले, सर्वसमाज अध्यक्ष नारायण बिसेन, स्थाई पटेल नरेन्द्र बिसेन, सरपंच शैलेन्द्र धुर्वे, पूर्व सरपंच मुरलीधर ठाकरे, ठानेन्द्र ठाकरे, पंच रामेश्वर मोहारे, मुकेश बिसेन, धर्मेन्द्र बनोटे सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नशा मुक्त ग्राम बनाना है - ठानेन्द्र

बगदेही पूर्व सरपंच ठानेन्द्र ठाकरे ने बताया कि सर्व समाज की बैठक आयोजित कर ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए नशा मुक्ति समिति का गठन किया गया है और अवैध रूप से पक्की एवं कच्ची शराब बेचने वालों को हिदायत दे दी गई है कि ग्राम में कोई शराब का विक्रय नही करेगा, प्रतिबंधित कर दिया गया है। उसके बाद भी अगर वे समिति के नियमों का पालन नही करेगें तो उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी। श्री ठाकरे ने बताया कि मंगलवार को तहसीलदार, थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर नशा मुक्ति समिति का गठन करने की जानकारी देकर ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग की है।

अत्यधिक वर्षा से धान की फसल बर्बाद, किसान गर्जना संगठन ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट जिले में अत्यधिक वर्षा और कीटों के प्रकोप से धान की फसल में हुए व्यापक नुकसान को लेकर किसान गर्जना संगठन लालबर्रा के पदाधिकारियों ने 4 नवंबर को नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार को ज्ञापन सौंपकर फसलों का तत्काल सर्वे करवाकर किसानों को राहत मुआवजा एवं विशेष राहत पैकेज दिये जाने की मांग की है। साथ ही उक्त मांगे पूरी नही होने पर आगामी समय में किसान गर्जना संगठन के बैनर तले किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करने की चेतावनी भी शासन-प्रशासन को दी है। किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश सहित बालाघाट जिले में गत दिवस हुई बे-मौसम अत्यधिक बारिश होने से किसानों की कटी हुई धान की फसलें खेतों और खलिहानों में खराब हो चुकी हैं। धान अंकुरित होकर सड़ चुकी है। इस तरह से किसानों की वर्षभर की मेहनत कुछ ही दिनों में बर्बाद हो गई जिससे किसान बेहद परेशान है। साथ ही यह भी बताया कि इस प्राकृतिक आपदा ने किसानों की कमर तोड़ दी है। किसानों के परिवार के भरण-पोषण, अगली फसल की तैयारी और कर्ज अदायगी जैसे गंभीर संकट किसानों के सामने खड़े हो गये है। इसलिए सरकार से मांग है कि तत्काल बे-मौसम बारिश में जो फसल खराब हुई है उसका सर्वे करवाकर विशेष राहत पैकेज किसानों को सरकार प्रदान करे। इन्ही मांगों को लेकर मंगलवार को महामहिम राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया है और उक्त मांगे पूरी नही होने पर कठोर कदम उठाने बाध्य होगें। इस अवसर पर किसान गर्जना संगठन अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे, नारायणप्रसाद यादव, हिरदेलाल पटले, दिनेश बिसेन सहित अन्य किसानगण उपस्थित रहे।

ये है प्रमुख मांगे

किसान गर्जना संगठन ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर सरकार से जल्द फसल नुकसान का सर्वे एवं मुआवजा दिये जाने, कृषि एवं राजस्व विभाग द्वारा तत्काल और पारदर्शी फसल सर्वे करवाये जाने, वास्तविक नुकसान का आकलन करने, जिन किसानों ने बीमा नहीं करवाया है, उन्हें भी विशेष मुआवजा दिये जाने, बीमा कंपनियों को निर्देशित की जाये कि किसानों के बीमा दावों का त्वरित निपटान करें, जिन किसानों ने बीमा नहीं करवाया है, उन्हें आपदा सहायता राशि से जोड़ा जाने, कृषि ऋण स्थगन एवं ब्याज माफी, प्रभावित किसानों के कृषि ऋण की वसूली अगली फसल तक रोकी जाने, अत्यधिक और गंभीर रूप से प्रभावित किसानों के कर्ज पर आंशिक राहत एवं ब्याज माफी दिये जाने, किसानों की फसल को समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी करने सहित अन्य मांगे शामिल है।

किसानों को मुआवजा दे सरकार - रामचंद्र

किसान गर्जना संगठन लालबर्रा अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे ने बताया कि लालबर्रा क्षेत्र में गत दिवस हुई अत्यधिक वर्षा एवं बीमारी के प्रकोप से किसानों की फसल बर्बाद हो चुकी है। जिससे किसान बेहद परेशान है और उन्हे आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा। श्री सिहोरे ने बताया कि महामहिम राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर तत्काल फसल का सर्वे करवाकर विशेष राहत पैकेज किसान को दिये जाने की मांग की है, मांगे पूरी नही होने पर समस्त किसान बंधुओं के साथ मिलकर आंदोलन किया जायेगा।

महाविद्यालय में दो दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार दो दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम का गत दिवस समारोहपूर्वक समापन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। युवा उत्सव के प्रथम दिवस में रंगोली, स्पाट पेंटिग, कोलाज मेकिंग, पोस्टर सहित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सेजल यादव ने प्राप्त किया है। स्पाट पेंटिग में कल्याणी गौतम प्रथम स्थान पर रही। कोलाज मेकिंग में खुशबू पटले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पोस्टर निर्माण में दीक्षा बनकर ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह युवा उत्सव के द्वितीय दिवस में वाद-विवाद, प्रश्न मंच, सामूहिक लोकगायन व लोकनृत्य का आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवा उत्सव की संयोजक श्रीमती संध्या भलावे ने उद्घाटन सत्र में दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा से उपस्थितजनों को अवगत करवाया। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य सुमन बरवा ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में सफलता अर्जित करने की बात कही। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. ऋषिकेश पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागडे., डॉ. आशा कारे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

रमपुरी में 'दूध मोंगरा' छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर ग्राम पंचायत रमपुरी में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम स्थित स्कूल ग्राउण्ड में 5 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मेला उत्सव समिति मिरेगांव के पदाधिकारी भेजलाल माने ने बताया की प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर दिन-रात के मेले के अवसर पर क्षेत्रीयजनों के स्वस्थ मनोरंजन के लिए 5 नवंबर को रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ की सुप्रसिध्द संस्था पीसीलाल यादव कृत 'दूध मोंगरा' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य संस्था गंडई जिला राजनांदगाव (छत्तीसगढ़) का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें संस्था के गायक गौतमचंद जैन, द्वारिका प्रसाद यादव, गायिका सरस्वती निषाद व सुखियारीन मानिकपुरी अपनी सुमधुर गीतों पर सुवा, कर्मा, ददरिया, पंथी, राऊत नाचा और देशभक्ति गीतों पर जीवंत छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झांकी के साथ नृत्यों की प्रस्तुती देगें। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आयोजक समिति के अध्यक्ष सहेजलाल माने, उपाध्यक्ष टेकचंद रहांगडाले, सचिव, कोषाध्यक्ष भोजराज रहांगडाले, भेजलाल माने, जीवनलाल दशरिये, श्यामलाल माने, गोविंदराम माने, बिसनलाल माने, नरेंद्र रहांगडाले, चंद्रेश दशरिये, सोनेलाल माने, बाबूलाल माने सहित समस्त पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

क्षेत्र के आक्रोशित किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

फसल सर्वे की तिथि बढ़ाने फसल बीमा का लाभ व उचित मुआवजा देने लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

तहसील कार्यालय में ४ नवंबर को क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के किसान उपस्थित हुए जिनके द्वारा मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन ,कृषि मंत्री मध्य प्रदेश शासन एवं केंद्रीय कृषि मंत्री भारत सरकार के नाम का ज्ञापन एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल को सौंपा गया। ज्ञापन में किसानों ने बताया कि अतिवृष्टि कीट व माहू से खराब हुई फसलों का जल्द सर्वे करवाकर सभी को उचित मुआवजा दिलाये जाने मांग की गई। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के समस्त किसान प्राकृतिक आपदा आने की वजह से अतिवृष्टि व कीट महू के ज्यादा प्रकोप होने से खेतों में लगी खरीफ की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। जिससे की किसानों के सामने संकट की घड़ी आ चुकी है ,वहीं सरकार की गाईडलाईन के अनुसार सिर्फ उन्ही किसानों को चिहिंत किया जा रहा जिनका फसल बीमा है। ऐसे में जानकारी का अभाव और खेती की व्यवस्था के कारण क्षेत्र के लगभग ८० प्रतिशत किसानों का फसल बीमा नहीं हो पाया है। ऐसे में जिन कृषकों का फसल बीमा नहीं हो पाया उन किसानों की फसलों का भी सर्वे करवाकर उचित मुआवजा उन्हे प्रदान किया जाए। चुंकि कृषकों के द्वारा २०२३-२४ में बैंक से कर्ज लिया है ,उक्त लिए गए कर्ज की भरपाई का एक मात्र साधन कृषि ही है । ऐसे में फसल नष्ट हो जाने के कारण संकट की घडी में एक मात्र सहारा सरकार ही है। जिससे किसानों की मांगों का उचित स्थान देकर समस्या को जल्द से जल्द निराकरण किया जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य गीता हनवत, जनपद सदस्य ललित ठाकुर ,चित्रसेन बिसेन, केशव बैस ,नरेंद्र बोपचे ,मोनू तुरकर ,हेमराज नगरगड़े ,देवराज परते ,मीनेश बोपचे ,राजेंद्र हरिनखेंडे ,दिनेश जैतवार ,चारु देशमुख ,सेवक लाल शिववंशी ,विजय हनवत ,विनोद पटले ,कन्हैया खैरवार ,रामेश्वर ब्रम्हे ,गणेश मदनकर ,सखाराम कुर्राम ,दुर्गा प्रसाद हटवार ,रामलाल, सरादू सहित बड़ी संख्या में किसान साथी मौजूद रहे।

सभी किसानों को मिले फसल बीमा का लाभ-केशव

केशव बैस ने बताया कि भारत कृषि प्रधान देश है हमारा क्षेत्र कृषि पर निर्भर है। फसल किट मऊ से खराब हुई है ४० प्रतिशत नुकसान किसान को हो गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पंजीकृत लोगों को इसका लाभ मिलने की बात सामने आ रही है। जिन्होंने बीमा नहीं करवाया है उनका क्या होगा आज भी ८० प्रतिशत किसान ऐसे हैं जिनके द्वारा बीमा नहीं करवाया गया है। इन किसानों ने भी कहीं ना कहीं बैंक से कर्जा लिया है। फसल नुकसान की क्षति फसल से होनी थी परंतु वह खराब हो गई ऐसे में परिवार का पालन पोषण पढ़ाई कैसे होगा। शासन से हम मांग करने के लिए आये हैं एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री कृषि मंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को ज्ञापन हमने दिया है। इसके माध्यम से हमने मांग की है कि किसानों की मांग का जल्द निराकरण करें प्रति एकड़ ४० प्रतिशत फसल खराब हुई है। शासन प्रति एकड़ २० क्विंटल धान खरीदते हैं जो ४२ हजार रूपये की होती है। ऐसे में १८ से २० हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाना चाहिए।

बीमा कंपनी बोल रही है की फसल खेत में रखो हम सर्वे करवाएंगे-गीता

जिला पंचायत सदस्य गीता हनवत ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन ने पत्र जारी किया कीट पतंगे से संबंधित इसमें तीन दिन का समय दिया गया है। इसकी जानकारी भी पटवारी तक नहीं गई है ना सर्वे हुआ है उसकी तिथि आगे बढ़ाई जानी चाहिए ताकि किसानों को लाभ मिले। इसलिए हम सभी क्षेत्रवासी किसान यहां आए हैं बारिश में अतिवृष्टि हुई फसल बर्बाद हुई उसका त्वरित सर्वे हो हमने पटवारी से संपर्क किया तो उन्होंने बताया सर्वे बाकी है। सुनने में आया हैं की बीमा कंपनी बोल रही है की फसल खेत में रखो हम सर्वे करवाएंगे। तो यह सर्वे कब करेंगे बीमा कंपनी और मध्य प्रदेश शासन से हमारा यह सवाल है। किसानों की धान खराब फसल नष्ट होकर अंकुरित हो रही है किसान चाहता है कि अनाज नहीं तो पैरा मवेशी के उपयोग आ जायें। लेकिन पैरा भी खराब हो रहा है अब क्या किसान बीमा के लिए खेतों में फसल को पड़ी रहने देगा। जितना जल्दी हो बीमा कंपनी के द्वारा सर्वे करवाया जाए और इस बीमा का सभी किसानों को लाभ दें। अधिक किसानों का पंजीयन हो अभी सर्वे जारी है मेंढ़की में १२० किसानों का सर्वे हुआ है वास्तव में किसानों की फसल नष्ट हुई है ३ दिन में यह सर्वे होना असंभव है। इसकी तारीख बढ़ाई जानी चाहिए ताकि ज्यादा किसान लाभान्वित हो सके।

कार्तिक पूर्णिमा विश्व शांति बौध्द महोत्सव कायदी में आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के बनियाटोला में धम्म शिखर सध्दम्म प्रचार समिति बनियाटोला के तत्वाधान में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर ५ नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा विश्व शांति बौध्द महोत्सव का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम कार्तिक पूर्णिमा के दिन शांति दुत तथागत सम्यक समबुध्द द्वारा ६० भिक्षुओं के प्रथम दल को जो धम्म से खूब पककर अर्हत अवस्था प्राप्त कर चुके थे उन्हें विभिन्न दिशाओं में प्रस्थान किया गया था। विश्व शांति की इस मंगल कामना को सार्थक करने बोधिसत्व डॉ बाबा साहब आंबेडकर की धम्म क्रांति को सफल बनाने के पवित्र उद्देश्य को लेकर धम्म शिखर सध्दम्म प्रचार केन्द्र बनियाटोला में विशाल विश्व शांति महोत्सव का आयोजन किया गया है। यह महोत्सव के मुख्य अतिथि डॉ चंद्रकीर्ति ,विशेष अतिथि जी शील रक्षिता की उपस्थिति में प्रारंभ किया जाएगा। जिसमें ९ बजे सुबह पूजा वंदना १२ बजे से भिक्षु संघ के द्वारा धम्मदेशना एवं स्वास्थ्य शिविर दोप. १ बजे से प्रारंभ होगा। तत्पश्चात दोपहर ३ से शाम ७ तक आर्केष्ट्रा बोधिसत्व प्रस्तुति में प्रमुख राष्ट्रीय बहुजन गायक शशिभूषण प्रकाश सागर के द्वारा गीतों की प्रस्तुति दी जायेगी। इस अवसर पर आधिकाधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील अध्यक्ष वंदना स्वराज बारमाटे ,उपाध्यक्ष अधिवक्ता संजय खोब्रागडे ,सचिव दिपांकर पाटिल, कोषाध्यक्ष स्वराज बारमाटे , सचिव अनिल गजभिये, सदस्य अखिलेश मेश्राम, जयप्रकाश सहित धम्म शिखर सध्दम्म प्रचार समिति बनियाटोला के पदाधिकारी सदस्यों ने की है।

कार्तिक पूर्णिमा रामपायली मेला आज से प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। रामपायली। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के चरण कमल पड़े इस राम की नगरी में इस अवसर पर कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर श्री राम बालाजी के मेले का आयोजन कई वर्षों से होता आ रहा है। यह मेले का आयोजन शासकीय तौर पर जनपद पंचायत वारासिवनी के तत्वावधान में ७ दिनों के लिए आयोजित होता आ रहा है। जो आज से प्रभु श्री राम के टिपुर उत्सव के उपरांत यह मेला शुभारंभ ७ दिनों के लिए होगा । जिसमें नगर क्षेत्र जिले प्रदेश एवं अन्य प्रदेशों से लोग अपनी मनोकामना पूर्ण करने इस मेले में वर्ष में एक बार आते है। जहां भगवान श्री राम के लिए सर्वप्रथम चंदन नदी के तट पर बैठकर प्रसादी बनाया जाता है,जिसे भगवान के समक्ष रख आपस में मिलजुल कर इस प्रसादी को ग्रहण करने की परंपरा वर्षो पुरानी आज भी निरंतर चली आ रही है। जिसका एक पखवाड़ा तक लोग पालन करते हैं और यह मेला अपने चरणों उत्कर्ष के स्वरूप में आ चुका है । इस मेले में कभी भीड़ ना के बराबर कम होती थी किंतु अब यह मेला अपने विराट स्वरूप में आ चुका है, लाखों की तादाद में आने वाले दर्शनार्थी इस मेले के आनंद उत्सव के लिए वर्ष में एक बार परिवार सहित पहुंचकर भगवान श्री राम के चरणों में अपना माथा टेक कर अपनी मनोकामना पूर्ण करते है। भगवान श्री राम बालाजी के समक्ष जो भी भक्त अपनी श्रद्धा पूर्वक समस्या रखता है वह अवश्य पूर्ण होती है और उसे पूर्णावर्ती के लिए वह इस कार्तिक मास के महीने में भगवान को कढ़ाई स्वरूप प्रसादी बनाकर भेंट करता है। यह परंपरा वर्षो से चली आ रही है जिसका आज से बार प्रारंभ होकर लगातार १० दिनों तक नियमित रूप से चलेगा। इस वर्ष यह मेले का आयोजन ५ नवंबर से प्रारंभ होकर सात दिनों तक चलेगा। इस वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के इस मेले के आयोजक जनपद पंचायत के द्वारा ७ दिनों तक कार्यक्रमों का विशेष आयोजन रखा हुआ है। तथा प्लाटों की बहुतायत नीलामी के उपरांत जनपद पंचायत के आय में भी भारी इजाफा होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। लेकिन स्थानीय कलाकारों को तब्बजो ना दिया जाना भी आम असंतोष का कारण बनता नजर आ रहा है। मेला स्थल को बराबर समथल ना किए जाने से कई स्थानों में उबड़.खाबड़ रास्ता दिखाई दे रहा है ,अनावश्यक होने वाली बारिश के कारण जहां.वहां कीचड़ का साम्राज्य भी बना हुआ है। नदी के दूसरे छोर से मेले में आने वाले श्रद्धालु जनों के लिए अस्थाई तौर पर रास्ते का निर्माण नहीं किया है क्योंकि नदी में पानी की बाह में कमी तो आई है लेकिन जहां.तहां पूल निर्माण कंपनी ने गहरे गहरे गड्ढे कर रेत निकाली है। उन गड्ढे में ऐसी कोई संकेतक भी नहीं लगाए गए हैं जिससे उन रास्तों से अंजान श्रद्धालु ना जा पाए। क्योंकि ६ महीने पहले इस नगर की एक छात्रा की उस गहरे गड्ढे में डूबने से मौत हो चुकी है। उसके बावजूद पुल निर्माण कंपनी अथवा जनपद पंचायत की ओर से ऐसे दुर्घटना के संकेतक नदियों के उन गहरे गड्ढे के आसपास नहीं लगाए गए हैं। इस आयोजन में अब तक कोई अप्रिय घटना आज तक नहीं घटी है किंतु चाक चौबंद व्यवस्था की पैनी नजर भी उतनी ही आवश्यक है।

किसान गर्जना कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

नए पदाधिकारियों को सौंपा गया नियुक्ति पत्र

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। किसान गर्जना संगठन का कार्यकारिणी विस्तार करने पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर जिम्मेदारी सौंप गई। यह कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ,जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें धुरन नगपुरे को प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा नियुक्ति पत्र देकर प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। तो वहीं जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे के द्वारा नियुक्ति पत्र देकर योगेश लिल्हारे को जिला उपाध्यक्ष, कुलदीप पटले को जिला उपाध्यक्ष, योगेश सुलकिया को जिला महासचिव ,ओमप्रकाश बिसेन को ब्लॉक प्रभारी कटंगी, डेविड सेलोकर को ब्लॉक प्रभारी खैरलाँजी ,अनिल गोपाले को ब्लॉक उपाध्यक्ष खैरलाँजी का दायित्व सौंपा गया। इस दौरान किसानों के विषय पर चर्चा की गई वहीं संगठन के माध्यम से किए जा रहे कार्य की समीक्षा कर आगामी कार्यों की रूपरेखा तैयार की गई। किसान गर्जना संगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने बताया कि किसान गर्जना संगठन किसानों के हित में लगातार कार्य कर रहा है। वर्तमान में बहुत खराब स्थिति है किसानों की फसल को पहले कीट पतंगे और अब अतिवृष्टि की मार झेलनी पड़ रही है। खेतों में फसल खराब हो गई है ऐसे में संगठन के द्वारा लगातार ब्लॉक स्तर पर पूरे जिले में ज्ञापन देकर विभिन मांगे की जा रही है। यदि जल्द किसान हित में सरकार के द्वारा निराकरण नहीं किया जाता है तो जिले स्तर का आंदोलन किया जाएगा सहित अन्य पर विषय पर चर्चा की गई है।

शासकीय हाई स्कूल खड़खड़ी में मैराथन का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खड़खड़ी स्थित शासकीय हाई स्कूल में विद्यार्थी और खैरलांजी पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। यह मैराथन दौड़ सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती पर की गयी। इस दौड़ के माध्यम से रन फॉर यूनिटी का संदेश देते हुए हाफ मैराथन दौड़ सफलता पूर्वक संपन्न की गई। जिसमें स्कूल से यह दौड़ प्रारंभ की गई जो ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और गालियां भ्रमण कर एक निश्चित स्थान पर संपन्न हुई। इस दौरान पुलिस अधिकारी सहित छात्र छात्राओं के द्वारा दौड़ में भाग लेकर उत्साह पूर्वक यह मैराथन दौड़ लगाई गई। जिसमें ग्राम के लोगों को एकता का संदेश दिया गया। इस दौरान उपस्थित जनों के द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं आजाद भारत के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए विस्तार पूर्वक बताया कि किस प्रकार उन्होंने ५०० से अधिक रियासतों को मिलाकर भारत का निर्माण किया। उस समय किस प्रकार चुनौतियों से लोहा लेकर भारत देश को एकता के सूत्र में बांधकर एवं उन्हें सिंबल ऑफ यूनिटी के रूप में जाना जाता है इस बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। इस अवसर पर सहायक उपनिरीक्षक सुशीला टेकाम, सतीश आर्मो ,प्रधान आरक्षक देवेंद्र पंन्द्रे ,आरक्षक विष्णु जाट, शिक्षक धनेन्द्र मस्करे ,गजानंद तीतरमारे ,लोकेश तिवारी, मनोहर ऊके ,विश्वात्मा मेश्राम, करिश्मा बिसेन ,हिरा उइके, राधेश्याम लिल्हारे सहित अन्य छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

लावारिस वृद्ध व्यक्ति की हुई मौत का हुआ अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज ।लामता। लामता बाजार चौक में कई वृद्ध महिला पुरुष वही रहकर अपना जीवन यापन करते हैं,जिसमें कल रात्रि एक वृद्ध व्यक्ति की मृत्यु हो गई है,जिसका परिवार का कोई नहीं है उसका अंतिम संस्कार लामता के सरपंच हुलासमल कोचर,उपसरपंच राजेन्द्र मानेश्वर,समाजसेवी राकेश जैन,शत्रुध्न असाटी,एवं अन्य सदस्यों द्वारा स्थानीय मोक्षधाम में किया गया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत बैठक हुई आयोजित

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। अधीक्षण अभियंता बालाघाट वृत्त द्वारा कार्यपालन अभियंता बालाघाट, सहायक अभियंता, समस्त अधिकृत वेंडर और एल.डी.एम. बालाघाट की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन और इसके तहत आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई।

बैठक वेंडर द्वारा सोलर स्थापना के लिए विभिन्न बैंकों की शाखाओं में लोन में देरी होने की समस्या और लोन प्रक्रिया में लगने वाले स्टाम्प और गैर घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सोलर स्थापना के लिए लोन प्रक्रिया में सरलीकरण लाने संबंधित समस्याओं पर चर्चा की गई। इस दौरान अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार द्वारा लोन प्रक्रिया में होने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित बैंक अधिकारियों/कर्मचारियों की बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया गया। बैठक में अधीक्षण अभियंता द्वारा कार्यपालन अभियंता बालाघाट को लंबित मीटर इंस्टॉलेशन में प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया गया, जिससे योजना के तहत सोलर कनेक्शनों में वृद्धि की जा सके।

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

संपादकीय

बेलगाम हादसे और दायित्व बोध

सरकार के तमाम प्रयासों और दावों के बावजूद देश भर में सड़क हादसों की रफ्तार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। चाहे वाहन में सवार लोग हों या फिर पैदल यात्री, सड़क पर चलना किसी के लिए भी खतरे से खाली नहीं रह गया है। दुर्घटनाओं के लिए यातायात नियमों का पालन नहीं करना, लापरवाही या तेज गति से वाहन चलाना और सड़क निर्माण एवं देखरेख में खामियों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। मगर सवाल है कि इन व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने का दायित्व किसका है? गौरतलब है कि तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह बजरी से लदे एक ट्रक और बस के बीच भीषण टक्कर हो गई। इससे पहले, रविवार को राजस्थान के फलोदी में दो वाहनों के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में बस और जीप आपस में टकरा गए। सोमवार को जयपुर के हरमाड़ा में एक तेज रफ्तार ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मारी दी। इन हादसों में पचास से अधिक लोगों की जान चली गई।

> जयपुर के हरमाड़ा में जो सड़क हादसा हुआ, उसका मंजर तो किसी फिल्म के डरावने दृश्य की तरह था। एक ट्रक ने पहले कार को टक्कर मारी और फिर वह तेज रफ्तार से कई वाहनों को रौंदता हुआ आगे निकल गया। इस घटना की प्रारंभिक जांच में लापरवाही से वाहन चलाने की बात सामने आई है।

सरकार और प्रशासन की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना, दुर्घटना संभावित स्थलों को चिह्नित करना, सड़क निर्माण की गुणवत्ता और देखभाल की निगरानी करना शामिल हैं। मगर, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की हाल की एक रपट कुछ और ही सच्चाई बयां करती है। इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में 1.72 लाख लोगों की जान सड़क हादसों में गई है और यह आंकड़ा वर्ष 2022 के मुकाबले 2.6 फीसद अधिक है। इनमें से 68 फीसद से ज्यादा मौतें तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई हैं। साफ है कि सरकार की ओर से सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जो सुधारात्मक योजनाएं और उपाय किए जाते हैं, वे प्रभावी तरीके से लागू नहीं हो पा रहे हैं। आखिर इन योजनाओं को सरकारी कागजों से बाहर निकालकर सही मायने में जमीन पर उतारने में गंभीरता क्यों नजर नहीं आती है?

जयपुर के हरमाड़ा में जो सड़क हादसा हुआ, उसका मंजर तो किसी फिल्म के डरावने दृश्य की तरह था। एक ट्रक ने पहले कार को टक्कर मारी और फिर वह तेज रफ्तार से कई वाहनों को रौंदता हुआ आगे निकल गया। इस घटना की प्रारंभिक जांच में लापरवाही से वाहन चलाने की बात सामने आई है। सवाल है कि अगर सड़कों पर इस तरह की भयानक घटनाएं होती हैं, तो वाहनों में सवार और पैदल यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? सड़कों पर जगह-जगह गति मापक यंत्र लगाए जाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन क्या यह व्यवस्था ठीक से काम कर पा रही है। अगर नियमों का उल्लंघन करने पर उचित कार्रवाई की जाती है, तो फिर तेज गति से वाहन चलाने वालों के हौसले बेलगाम क्यों हैं? जाहिर है, व्यवस्था में कहीं न कहीं लापरवाही बरती जा रही है, जिसका खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ रहा है। ऐसे में जरूरी है कि वाहनों की रफ्तार से लेकर सड़कों के निर्माण की गुणवत्ता तक की निगरानी के लिए एक सशक्त तंत्र बनाया जाना चाहिए। साथ ही गुणवत्ता का मूल्यांकन करने वाले प्राधिकारियों की जवाबदेही तय करने की भी सख्त जरूरत है, तभी सड़कें आम लोगों के लिए सुरक्षित बन पाएंगी।

जीवन धारा

नॉर्मन विंसेंट पील

आपका मंत्र 'मैं विजेता हूं' का होना चाहिए। जब भी मन में संदेह या डर पैदा हो, तो अपने भीतर की उस आवाज को जगाइए, जो कहती है कि 'हां, मैं कर सकता हूं।'

विश्वास ही हर सफलता का मूल है

अगर आप उन लोगों में से हैं, जो हर वक्त हार की आशंका से घिरे रहते हैं, तो मैं आपसे आग्रह करूंगा कि जरा ठहरिए और सोचिए, क्योंकि हार की सोच ही आपको धीरे-धीरे पराजय की ओर धकेलती है। जिस ओर आपका मन सोचता है, वही दिशा आपकी जिंदगी ले लेती है। अगर आप बार-बार हार की कल्पना करते हैं, तो जीवन भी आपको वही लौटाएगा। इसलिए, अपने भीतर झांकिए, अपनी सोच को पुन: शिक्षित कीजिए। आपका मंत्र 'मैं विजेता हूं' का होना चाहिए। जब भी मन में संदेह या डर उठे, तो अपने आप से प्रेमपूर्वक बात करें। अपने भीतर की उस आवाज को जगाइए, जो कहती है कि 'हां, मैं कर सकता हूं।' हालांकि, ऐसा आप तभी कर सकते हैं, जब आपको खुद पर और ईश्वर पर भरोसा हो। विश्वास ही हर सफलता की जड़ है। नकारात्मक विचारों की उस पुरानी आदत को छोड़ दीजिए, जो आपको यह भरोसा दिलाती है कि आपसे बड़ा कोई है या कोई परिस्थिति आपको झुका सकती है। एक प्रेरक उदाहरण है गोंजालेस का, जिसने वर्षों पहले टेनिस चैंपियनशिप जीती थी। उसे उससे पहले शायद ही कोई जानता था। वह बारिश की वजह से टूर्नामेंट से पहले अभ्यास भी नहीं कर पाया। फिर भी, उसने राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप जीती। कुछ खेल विशेषज्ञों ने कहा कि उसकी तकनीक में कई खामियां थीं, पर उसकी सबसे बड़ी ताकत थी उसकी मानसिक दृढ़ता और खेल व जीवन के निराशाजनक उतार-चढ़ावों से कभी हार न मानने का उसका जज्बा। यही उस इन्सान की विजयी सोच थी। हर मुश्किल के सामने उसने हारने के बजाय टिके रहने का विकल्प चुना और यही मानसिक तथा आध्यात्मिक गुण उसे चैंपियन बना गया। विश्वास ही वह शक्ति है, जो इन्सान को अंधेरे में भी मजबूती से कदम बढ़ाने का साहस देती है। जब सब आसान लगे, तब तो हर कोई आगे बढ़ सकता है, पर जब सब कुछ बिखरता हुआ लगे, तब जो आदमी चलता रहता है, जिंदगी में कामयाबी उसी को मिलती है। जीवन का सबसे बड़ा रहस्य यही है कि कभी निराशा तथा चुनौतियों से हार नहीं माननी चाहिए। गोंजालेस का जीवन इसी दर्शन का जीता-जागता उदाहरण है। उसकी कहानी बताती है कि कमजोरियां रुकावट नहीं, बल्कि आत्मविश्वास को जागृत करने का अवसर होती हैं। बचपन में बीमार, हकलाने वाले और आत्मग्लानि में डूबे गोंजालेस के बारे में एक समय यह माना जाता था कि वह अपनी कमजोर शारीरिक स्थिति के कारण जीवित ही नहीं रह पाएगा। लेकिन वह एक दिन तब बदला, जब उसके भीतर विश्वास की ज्योति जगी। उसने जाना कि जब मन दृढ़ हो और आत्मा को ईश्वर की शक्ति का साथ मिल जाए, तो कोई भी इन्सान असंभव लगने वाले काम को भी शानदार जीत में बदल सकता है।

सूत्र : खुद पर भरोसा करना सीखें

जब इन्सान खुद पर भरोसा करना सीख जाता है, तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं लगती। यही वह ताकत है, जो भीतर की ऊर्जा को जागृत करती है और हर कठिन परिस्थिति में रास्ता दिखाती है। सकारात्मक सोच को अपना साथी बनाइए तथा हर काम को नई उम्मीद के साथ शुरू कीजिए। जितना विश्वास आप खुद पर करेंगे, मंजिल की राह उतनी ही आसान होगी।

आज गुरुनानक जयंती पर विशेष

ज्ञान की वैविध्य सभ्यता के देवता गुरु नानक देव

भारत एक नैसर्गिक सांस्कृतिक-भौगोलिक प्राकृतिक राष्ट्र है। यहाँ ज्ञान की वैविध्य सभ्यता अत्यंत प्राचीन है और इस सभ्यता का विस्तार ऋषि मुनियों के द्वारा किया गया हैद्य भारत की धरा पर ईश्वरीय शक्ति के रूप में समय-समय पर ऐसी विभूतियों ने जन्म लिया है जिनके वचनों तथा जीवन कर्मों के माध्यम से हमारे समाज और वृहत्तर मानवता को अपने युग के श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों का ज्ञान हुआ है।

मध्यकाल में ज्ञान की चेतना को जागृत करने वाले रहस्यवादी, मननशील और अपने व्यक्तित्व से दार्शनिक, धर्मसुधारक, समाजसुधारक, एकेश्वरवादी एवं गृहस्थ जीवन के पैरोकार, विश्वबंधुत्व के गुण समेटे हुए मानव कल्याण के नीतियों का प्रतिपादन करने वाले सिखों के प्रथम गुरु नानक देव जी का जन्म कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा के दिन 15 अप्रैल, 1469 को रावी नदी के किनारे स्थित तलवंडी राय भोई गाँव में श्रीमति तृप्ता देवी की पवित्र कोख से हुआ था। जिसे बाद में ननकाना साहिब नाम दिया गया।

इनके पिता कालूराम पटवारी एक सामान्य गृहस्थ जीवन जीने वाले थे, सरकारी कार्य के अलावा कुछ खेती-बाड़ी भी करते थे। नानक जी पढ़े - लिखे तो बहुत सामान्य थे लेकिन उनका आंतरिक ज्ञान छोटी अवस्था से ही प्रकट होने लगा था। गुरु नानक देव कबीर के समक्ष और सिकन्दर लोदी, बाबर, हुमायूँ के समकालीन थे। गुरु नानक बाल्यकाल से बहुत चमत्कारी थे। नानक अपना अधिकांश समय बड़ी बहन नानकी के साथ बिताया करते थे। सोलह साल की उम्र में सुलखनी देवी के साथ इनका विवाह हुआ। नानक जी के दो बेटे थे जिनका नाम श्रीचन्द और श्री लक्ष्मीचन्द था। नानक जी ने ही गुरु ग्रंथ साहिब की आधारशिला रखी। गृहस्थ जीवन दर्शन को अमूर्त रूप देने वाले गुरु नानक देव ने इस सांसारिक जीवन से वर्ष 1539 में करतारपुर, पंजाब में मोक्ष प्राप्त किया। नानक उन पहुँचे हुए संतों में से थे जो केवल सत्य के सम्मुख ही नतमस्तक होते हैंद्य उन्होंने परमात्मा के वास्तविक तत्त्व को समझ लिया थाद्य इसी कारण वे किसी बाह्य अंधविश्वास में नहीं पड़ते थे। नानक के जन्म को प्रकाशपर्व या प्रकाश उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 553वीं जयंती का प्रकाशपर्व 8 नवंबर को मनाया गया।

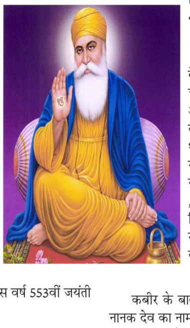

सिख धर्म की स्थापना

नानक जी की तत्कालीन राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक स्थितियों पर नज़र डालें तो बहुत सी विसंगतियां थी जो समाज मतभेद डाल रही थी। जिस समय सिख धर्म की स्थापना हुई उस समय धार्मिक संकीर्णता बहुत ज़्यादा थी। नानक जी ने 'सर्वमहान, सत्य सत्ता' की पूजा का सिद्धांत प्रतिपादित कियाद्य सिख का शाब्दिक अर्थ होता है - 'शिष्य' अर्थात् सिख ईश्वर के शिष्य हैंद्य सिख परंपरा के अनुसार, सिख धर्म की स्थापना गुरु नानक (1469-1539) द्वारा की गई थी और बाद में नौ अन्य गुरुओं ने इसका नेतृत्व किया। सिख धर्म के तीन कर्त्तव्य हैं नाम जपना, कीरत करना, वंड छकना। इसके साथ पाँच दोष भी हैं - लोभ, मोह, अहंकार, काम और क्रोधद्य सिख धर्म सभी जातियों के लिये खुला हुआ था, यह जातियों से मुक्त धर्म हैद्य कुछ विद्वानों का मत है कि - सिख धर्म, हिंदू और मुस्लिम धर्मों का मिश्रित रूप है, लेकिन सिख धर्म के रहतनामा में खालसा धर्म को शुद्ध धर्म बताया गया है। नानक और सूफी संत शेख फरीद के बीच गाढ़ी मैत्री थी इस बात को नकारा नहीं जा सकता है।

गुरु नानक के सामाजिक सुधार ः

नानक देव जी अपने समय के महान समाज-सुधारक थे द्य नानक देव जी ने समाज में व्याप्त आडंबरों, पाखंडों और कुरीतियों का कड़ा विरोध किया द्य जबरन थोपे जाने वाले रीति-रिवाजों जैसे सतीप्रथा, बलिप्रथा, मूर्ति-पूजा, पर्दाप्रथा को उन्होंने अस्वीकृत कियाद्य वे जबरन धर्मांतरण के भी सख्त खिलाफ थे द्य उनका मानना था कि सभी प्राणी एक समान हैं और कोई छोटा -बड़ा नहीं है, सभी लोगों को अपने अनुरूप जीवन जीना चाहिए । नानक जी ने मनुष्य की एकता पर जोर दिया क्योंकि एकता में बहुत शक्ति होती है। उन्होंने छोटे -बड़े का भेद मिटाने के लिए लंगर की शुरुआत की थी। लंगर शब्द को निराकारी दृष्टिकोण से लिया गया है, लंगर में सभी लोग एक ही स्थान पर बैठकर भोजन करते हैंद्य लंगर प्रथा पूरी तरह से समानता के सिद्धांत पर आधारित है, जो आज भी समाज के विभाजित खाई को भरती हैं।

गुरु नानक की धर्म यात्राएं ः

सत्य की खोज में गुरु नानक ने अपने शिष्यों के साथ देश -विदेश की यात्राएँ की थी। गुरुनानक ने भारत की चारों दिशाओं में सभी प्रमुख स्थानों की यात्राएँ की और अंत में ईरान , अफगानिस्तान, अरब और इराक की यात्रा की थी। नानक के याद में बगदाद में एक मंदिर बनाया गया था और उस मंदिर पर तुर्की भाषा में एक शिलालेख लिखा गया था जो अभी भी मौजूद है। नानक जी की आध्यात्मिक यात्रा का मूल उद्देश्य वर्तमान समय की सामाजिक ,राजनीतिक और धार्मिक परिस्थितियों को समझना था जिसके आधार पर नानक एक नए समाज का निर्माण कर सके। सिख धर्म में नानक देव जी की यात्रा को उदासियाँ कहा जाता है।

कबीर और नानक में समानता

कबीर के बाद मध्ययुगीन समाज को प्रभावित करने वाले संतों में गुरू नानक देव का नाम अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। कबीर और नानक के विचारों में बहुत समानता देखने को मिली है। कबीर जिन सामाजिक बुराइयों का विरोध करते हैं उन्हीं सब बुराइयों को दूर करने का प्रयास नानक देव भी करते हैं । कबीर बहुदेववाद, अवतारवाद और मूर्ति पूजा को नहीं मानते थे, नानक देव कबीर की भांति ही नहीं मानते थे। नानक देव पूरी तरह से निराकारवादी थे। कबीर ने प्रतीकात्मक भक्ति में लीन रहने के बजाय, मन से निर्गुण परम ब्रह्म की उपासना पर जोर दिए हैं। नानक देव और कबीर दोनों में बहुत समानता देखने को मिलती हैद्य नानक देव अवतारवाद , बहुदेववाद, मूर्ति पूजा को नहीं मानते थे, पूरी तरह से निराकारवादी थे, कबीर प्रतीकात्मक भक्ति में व्यस्त रहने की बजाय व्यक्ति को मन से निर्गुण परम ब्रह्म की उपासना करने पर जोर देते हैं। कबीर कहते हैं -卐पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार, याते चाकी भली जो पीस खाए संसार। नानक आचरण की शुद्धता, प्रेम और भक्ति के साथ मोक्ष पर ज़ोर देते हैंद्य मनुष्य को मध्य मार्ग अपनाने के साथ अपने गृहस्थ कर्तव्यों के साथ आध्यात्मिक जीवन निर्वाहन करने पर ज़ोर देते हैं।

स्त्री के संदर्भ में नानक का चिंतन

भारतीय समाज में स्त्रियों को सदियों से अपमानित किया गया, हीन भावना से देखा गया और भोग की वस्तु समझा गया हैद्य अधिकांश भारतीय संतों ने भी नारी की निंदा की है और उसको परमार्थ का विरोधी, नरक का प्रवेश द्वार बताया है। मध्यकाल के घोर स्त्री - निंदक युग में गुरु नानक जी उनके महत्व को समझते हुए कहते है कि -'सौ किऊँ मंदा आखीऐ जिसे जम्मे राजनद्य' उस नारी को बुरा किस लिये कहा जा सकता है जिसने बड़े -बड़े राजाओं, महापुरुषों, महान संतों को जन्म दिया है। नानक की मानें तो किसी राष्ट्र के विकास में पुरुषों का जितना योगदान है, उतना ही योगदान स्त्रियों का भी रहा है। जो सम्मान नानक देव ने स्त्री को दिया है वो शायद ही किसी ने दिया है ।

नानक देव के दस सिद्धांत

1.ईश्वर एक है
2.सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो
3.जगत का कर्ता सब जगत और सब प्राणी मात्र में मौजूद है
4.सर्वशक्तिमान ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता
5. ईमानदारी से मेहनत करके उदरपूर्ति करना चाहिये
6.बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएँ
7.सदा प्रसन्न रहना चाहिए, ईश्वर से सदा अपने को क्षमाशीलता मांगना चाहिये
8.मेहनत और ईमानदारी से कमाई करके उसमें से ज़रूरतमंद को भी कुछ अंश देना चाहिये
9.सभी स्त्री और पुरूष बराबर हैं
10.भोजन शरीर को जिंदा रखने के लिये जरूरी है, पर लोभ -लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है

निष्कर्ष

आज अव्यवहारिक होते समाज से बचने के के लिए नानक देव जी के विचार एवं चिंतन की जरूरत है। मानव कल्याण, शांति के अग्रदूत नानक के विचारों की बढ़ती प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान और भारत के सार्थक प्रयास से जनकल्याण के लिये करतारपुर कॉरिडोर का पुनर्संचालन किया गया हैद्य हम कितने भी आधुनिक हो जाएं लेकिन जब मार्ग से भटक जाते हैं तो हमे संत, साधक, योगी के विचार ही मूल मार्ग पर लाते हैं। विचार कभी मरते नहीं हैं बल्कि वो पहले से कही ज़्यादा वर्तमान में प्रासंगिक होते हैं ऐसे ही गुरु नानक जी की प्रासंगिकता आज भी उतनी है, जितनी पहले थी।

-अजय प्रताप तिवारी

अजय प्रताप तिवारी, यूपी के गोंडा जिले के निवासी हैं। इन्होंने विज्ञान और इतिहास में पढ़ाई करने के बाद देश के प्रतिष्ठित अखबारों और विभिन्न पत्रिकाओं में नियमित रूप से लेखन कार्य किया है।

क्या नोबल पुरस्कार में राजनैतिक रंग चढ़ गया है?

इस बार का नोबल पुरस्कार डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा को दर किनार करते हुए वेनेजुएला की मारिया करिना मचाडो को दिया गया है। हर जगह पढ़ने मिल रहा है कि वे वेनेजुएला के साधारण लोगों की प्रतिनिधि बन कर और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के बारे में बात करते हुए शासक वर्ग की आंखों की किरकिरी बन गई है।

मारिया ने खुद को शक्तिशाली बनाते हुए एक अलग दल भी बना लिया था। जैसे हमारे देश में कुछ लोग चुनाव में सरकारी हस्तक्षेप से हेराफेरी करने की बात कह कर देशद्रोही बन जाते हैं, उसी तरह मारिया भी अपने देश के चुनाव में सरकारी हस्तक्षेप के बारे में बोल कर शासक वर्ग की दुश्मन बन बैठी। इसी कारण उनको चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था। लेकिन वे बिना डरे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मुक्त आवाज के साथ डट कर खड़ी थी। बहुत से लोग यही कह रहे हैं कि उन्हें उनकी निडर आवाज के लिए ही नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ है। लेकिन जब हम कहानी का दूसरा पक्ष देखते है तो वह पक्ष कुछ अलग ही बात की तरफ इशारा करता है।

नोबल पुरस्कार घोषित करने के फौरन बाद ही मारिया ने अपना पुरस्कार डोनाल्ड ट्रंप को समर्पित कर के हम जैसे बहुत से लोगों को हैरान कर दिया है। अब धीरे-धीरे खबरें आ रही हैं कि इजरायल और नेतन्याहू को हमेशा से ही मारिया समर्थन देती आई है। यहां तक कि वे ये भी कहती है कि अगर उनको वेनेजुएला में शासन करने का मौका मिले तो वे लड़ाई में इजरायल की मदद करना चाहेंगी। हम सभी ये बात जानते हैं कि ट्रंप और नेतन्याहू के बीच कितनी गहरी दोस्ती है! ये बात सच है कि कई बातों को लेकर मारिया वेनेजुएला के शासकों के निशाने पर है। लेकिन ये बात भी उतनी ही सच है कि वेनेजुएला की राजनीति बदलने के लिए मारिया नेतन्याहू और ट्रंप से मदद मांगने की गलती कर रही है। पूरी दुनिया देख चुकी है कि जिन जिन देशों में मदद करने के बहाने ट्रंप की सेना पहुंची है, उन सभी देशों को तबाही छोड़ कर और कुछ नहीं मिला है।

सच तो ये ये है कि तेल और गैस से समृद्ध देश वेनेजुएला पर शुरू से ही साम्राज्यवादी देश अमेरिका की नज़र है। लेकिन अभी तक अमेरिका वेनेजुएला को किसी भी तरह डराने में कामयाब नहीं हो पाया है। इसीलिए वह विद्रोही मारिया को अपने स्वार्थ पूर्ण करने का साधन बनाने की कोशिश कर रहा है। और फिर धीरे धीरे कई ऐसी बातें निकल कर आ रही हैं, जिससे ये साबित हो रहा है कि मारिया को भी हिंसा की राजनीति पसंद है। कहा जाता है कि एक बार मारिया ने इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से वेनेजुएला को बम द्वारा आज़ाद कराने का आग्रह किया था।

हाल ही में खबर आई है कि वेनेजुएला से ड्रग्स खत्म करने के बहाने अमेरिका वेनेजुएला पर आक्रमण करने की सोच रहा है। शायद एक और अफगानिस्तान तैयार होने की कगार पर है या शायद नहीं, कौन जाने ! देखने के लिए हम सभी को इंतजार करना होगा।

कई अखबारों में खबर आई थी कि वेनेजुएला में मारिया के शुरू किए गए विद्रोह ने एक युद्ध से भी ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। और आम लोगों की जिंदगी बहुत ही मुश्किलों से भर गई थी। सन 2002 में मारिया ने कुछ ऐसे डॉक्युमेंट्स में हस्ताक्षर किए थे जिसके कारण वेनेजुएला का संविधान खत्म होने की राह पर था। लोग कहते हैं कि इस घटना में अमेरिका का हाथ था। सन 2005 में मारिया और अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के बीच एक मुलाकात हुई थी।

इस मुलाकात के बाद जॉर्ज बुश ने मारिया को लोकतंत्र की महान सेविका कह कर तारीफ़ भी की थी। इस तरह अमेरिका को एक ऐसा नेता मिला, जिसके जऱिए वे लोग वेनेजुएला में कदम रखने का मौका पा सकते हैं। अमेरिका ने अपने पैसे और ताकत से मारिया को राष्ट्रपति पद का दावेदार भी बना दिया था। सिर्फ यही नहीं, मारिया को एक बहादुर और विद्रोही लोकतांत्रिक नेता के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए अमेरिका ने पानी की तरह पैसा भी बहाया था। लेकिन बहुत जल्दी ही वेनेजुएला की आम जनता मारिया को एक विश्वासघात करने वाली नेता समझने लगे। क्योंकि अपने निजी फायदों के लिए वे बाहरी शक्तियों की मदद ले कर वेनेजुएला को बर्बाद करने जा रही थी।

हो सकता है इसीलिए अमेरीकी साम्राज्यवादी मानसिकता को खुश करने के लिए बहुत सोच समझ कर ही मारिया करिना मचाडो को नोबेल पुरस्कार दिया गया है। मारिया अब अमेरिका के हाथों नाचने वाली एक कठपुतली की तरह ही लग रही है। मारिया ने जब नोबेल पुरस्कार जीता तब वेनेजुएला के बहुत से साधारण लोग हैरान रह गए। क्योंकि वेनेजुएला के छोटे-छोटे मामूली व्यापारियों को मदद करना छोड़ वे अमेरिका से समर्थन प्राप्त बड़े बड़े कॉरपोरेट को अपने देश की प्राकृतिक संसाधनों को सौप देना चाहती थी। मारिया को राष्ट्रीयकरण नीति भी पसंद नहीं है। वे निजीकरण व्यवस्था को आगे बढ़ाने की समर्थक रही है। वे ये भी चाहती है कि इजरायल में वेनेजुएला का एक दूतावास जरूर बनाया जाए। किसी भी देश के आंतरिक तनाव के बारे में जानना बाकी दुनिया के लिए कई बार बहुत मुश्किल होता है। बाहर से सरसरी तौर पर ऐसा लग रहा है कि एक बगावत पसंद और साहसी महिला को लोकतंत्र की सेविका के रूप में ये पुरस्कार दिया गया है। लेकिन पिछले काफी समय से मारिया जिस तरह अमेरिकी ताकतों को सराह रही है, उससे सवाल उठना लाज़िमी है।

माना जा रहा है कि उनकी नकारात्मक छवि सुधारने के लिए ही इस बार ये पुरस्कार उनको दिया गया है। साथ ही ये भी माना जा रहा है अब नोबेल पुरस्कार देने वाले संस्थान अमेरिकी और इजरायली ताकतों के सामने झुकने के लिए मजबूर हो गए है। आगे चल कर अगर ट्रंप और नेतन्याहू के साथ साथ तालिबानी नेताओं को भी शांति का नोबल पुरस्कार मिले तो किसीको हैरानी नहीं होना चाहिए। खैर, धीरे धीरे ही हम जान पाएंगे कि ट्रंप और नेतन्याहू दोनों मिल कर वेनेजुएला में क्या क्या खेल शुरू करने की सोच रहे हैं। वक्त जवाब देगा।

हालांकि वक्त का भी रुझान आना शुरू हो गया है। हाल ही में खबर आई है कि वेनेजुएला से ड्रग्स खत्म करने के बहाने अमेरिका वेनेजुएला पर आक्रमण करने की सोच रहा है। है। शायद एक और अफगानिस्तान तैयार होने की कगार पर है या शायद नहीं, कौन जाने! देखने के लिए हम सभी को इंतजार करना होगा।

-सानियरा खान

वह अपनी भीतरी गहराई से क्यों कतराता है?

मनुष्य को सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी कहा जाता है। उसकी बुद्धि, विवेक और विचारशक्ति उसे अन्य प्राणियों से अलग बनाती है। अगर हम गहराई से सोचें, तो पाएंगे कि मनुष्य अपनी तमाम उपलब्धियों के बावजूद अभी भी बहुत कुछ नहीं जानता। हालांकि यह प्रकृति और उसके रहस्यों के विस्तार के कारण है। विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म- हर क्षेत्र में मनुष्य की यात्रा जारी है और जितना ज्ञान वह अर्जित करता है, उसके समांतर कई क्षेत्रों में उसकी अज्ञानता भी उजागर होती रहती है। इसीलिए कहा जाता है कि मानव अल्पज्ञ है। मनुष्य ने चांद और मंगल तक अपनी पहुंच बनाई, महासागरों की गहराई नापी और पृथ्वी के छोर तक यात्रा की, लेकिन आज भी वह अपने ही मन की गहराई नहीं माप पाया है। हमारी भावनाएं, चेतना और हमारे विचार किस ढंग से काम करते हैं, यह आज तक रहस्य ही बना हुआ है। मनुष्य जितना ब्रह्मांड को जानने की कोशिश करता है, उतना ही वह अपने भीतर झांकने से कतराता है।

प्रकृति के रहस्यों को समझने के मामले में मनुष्य की अभी सीमित पहुंच रही है। विज्ञान ने भूकम्प, ज्वालामुखी, सुनामी जैसी प्राकृतिक घटनाओं का कुछ अनुमान लगाना सीखा है, पर उन्हें रोक पाने की शक्ति आज भी उसके पास नहीं है। मौसम के पूर्वानुमान की तकनीक विकसित हुई है, फिर भी अचानक आने वाले आंधी-तूफान या बाढ़ जैसी आपदाएं मनुष्य को उसकी असहायता का अहसास कराती हैं। यह सब प्रमाण है कि प्रकृति के विस्तार के समांतर मनुष्य अभी भी ज्ञान की सीढ़ियों के शुरुआती सोपान पर खड़ा है।

शायद उसकी पर पहुंच कर ऐसे संदर्भ अक्सर सामने आते रहते हैं कि जब-जब मनुष्य ने इस बात पर गुमान किया कि वह सब कुछ जान चुका है, तभी कोई नई खोज या आविष्कार उसकी भूल को उजागर कर देता है। कभी पृथ्वी को ब्रह्मांड का केंद्र समझा गया, तो कभी यह विश्वास किया गया कि सूर्य पृथ्वी के चारों ओर घूमता है। लेकिन बाद में विज्ञान ने इन धारणाओं को गलत साबित किया। इससे स्पष्ट है कि हमारी जानकारी समय और परिस्थिति के अनुसार बदलती रहती है।

मानव जीवन का सबसे बड़ा रहस्य उसका जन्म और फिर उसकी मृत्यु है। आज तक कोई वैज्ञानिक यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि आत्मा क्या है और मृत्यु के बाद जीवन का क्या स्वरूप होता है। धर्म और दर्शन ने इसके अलग-अलग उत्तर देने का प्रयास किया है, लेकिन कोई भी अंतिम सत्य तक नहीं पहुंच सका। यह भी हमारी अल्पज्ञता का प्रमाण है। ज्ञान के इस अभाव का एक और उदाहरण समाजशास्त्र और राजनीति.

इं सान सब कुछ नहीं जानता, इसलिए उसमें हर समय कुछ नया जानने की जिज्ञासा बनी रहती है। यही उसे नए प्रयोगों और खोजों की ओर प्रेरित करती है। यों यह अपने आप में एक सवाल है कि पूर्णता क्या है और क्या ज्ञान को कभी पूर्ण मान लिया जा सकता है? अगर मनुष्य पूर्ण ज्ञानी होता, तो यात्रा एक मुकाम समाप्त हो जाती।

में देखा जा सकता है। हजारों साल से सभ्यताएं बनती और बिगड़ती आ रही हैं, लेकिन अभी तक कोई ऐसी व्यवस्था नहीं बन सकी, जिसमें सभी को समान अवसर और पूर्ण न्याय मिल सके। युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, भूख और गरीबी आज भी मानवता को चुनौती दे रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि मनुष्य अभी तक जीवन का सही मार्ग नहीं खोज पाया।

मनुष्य की अल्पज्ञता केवल भौतिक या सामाजिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी व्यक्तिगत जिंदगी में भी दिखाई देती है। हम अपने सुख-दुख का कारण तक सही ढंग से नहीं समझ पाते। कभी छोटी-सी असफलता हमें निराशा के गहरे अंधकार में धकेल देती है, तो कभी तुच्छ-सी सफलता पर हम अहंकार से भर जाते हैं। यह अस्थिरता बताती है कि हम अपने मन और भावनाओं को जानने और नियंत्रित करने में कितने असमर्थ हैं। फिर भी, इस अल्पज्ञता का एक सकारात्मक पहलू भी है, क्योंकि मनुष्य सब कुछ नहीं जानता, इसलिए उसमें हर समय कुछ नया जानने की जिज्ञासा बनी रहती है। यही जिज्ञासा उसे नए प्रयोगों और खोजों की ओर प्रेरित करती है। यों यह अपने आप में एक सवाल है कि पूर्णता क्या है और क्या ज्ञान को कभी पूर्ण मान लिया जा सकता है? अगर मनुष्य पूर्ण ज्ञानी होता, तो शायद उसकी यात्रा एक मुकाम पर पहुंच कर समाप्त हो जाती। इसीलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अल्पज्ञता मनुष्य की सबसे बड़ी प्रेरणा शक्ति है। आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और अंतरिक्ष विज्ञान में तेजी से प्रगति हो रही है। इसके बावजूद जब कोई महामारी फैलती है या कोई नया विषाणु सामने आता है, तो पूरा मानव समाज हिल उठता है। पिछली महामारी के दौरान जो हुआ, वह भी हमें सिखाता है कि सारी उपलब्धियों के बावजूद हम सीमित ज्ञान वाले प्राणी हैं। इस सीमा को स्वीकार करना ही मनुष्य का सबसे बड़ा ज्ञान है। जब हम यह मानते हैं कि हम सब कुछ नहीं जानते, तभी हम सीखने के लिए तैयार होते हैं। विनम्रता और जिज्ञासा ही ज्ञान की पहली सीढ़ी है। अहंकार से ग्रस्त होकर अगर हम सोचें कि अब और जानने को कुछ नहीं बचा, तो वही हमारी सबसे बड़ी भूल होगी।

इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि मानव अल्पज्ञ है। मगर यही अल्पज्ञता उसे निरंतर आगे बढ़ने, सीखने और खोजने की प्रेरणा देती है। सच्चा ज्ञानी वही है, जो अपनी अज्ञानता को पहचान सके। जब तक मनुष्य में यह विनम्रता बनी रहेगी, तब तक वह ज्ञान की नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा। मनुष्य के पास बहुत ज्ञान है, लेकिन यह सागर की केवल कुछ बूंदें भर हैं। वास्तविक सागर अब भी असीम है। हमें अपनी अल्पज्ञता को स्वीकार करके लगातार जिज्ञासु बने रहना चाहिए। तभी मनुष्य जीवन सार्थक होगा और उसकी यात्रा अनंत ज्ञान की ओर निरंतर चलती रहेगी।

-समराज चौहान

चीन के रेयर अर्थ मेंटल का जबाव देने को तैयार भारत.फेराइट और रिलक्टेंस मोटर विकसित करेगा

मुंबई एजेंसी। भारत में फेराइट और रिलक्टेंस मोटर विकसित करने के लिए शोध परियोजना पर विचार हो रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) परियोजना पर चर्चा करने के लिए वाहन निर्माताओं और अन्य हितधारकों की जल्द बैठक बुलाने वाला है। फेराइट और रिलक्टेंस मोटरों में हैवी रेयर अर्थ स्थायी मैग्नेट का इस्तेमाल नहीं होता है एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, 'दरअसल हम इन नए तरह के मोटरों की संभावना तलाश रहे हैं। यह एक शोध परियोजना है। इस समय दुनिया के रेयर अर्थ स्थायी मैग्नेट (आरईपीएम) का करीब 90 प्रतिशत उत्पादन और एकाधिकार चीन का है। इन मैग्नेट का इस्तेमाल कुछ ऑटोमोबाइल कल पुर्जों में होता है। खासकर इलेक्ट्रिक वाहनों के ट्रैक्शन मोटर में इसका इस्तेमाल किया जाता है। अप्रैल से चीन ने भारत को आरईपीएम निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे घरेलू ऑटोमोबाइल उद्योग प्रभावित हो रहा है। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हालांकि यह स्पष्ट है कि अभी आरईपीएम का कोई विकल्प नहीं है, जिसमें इसी तरह की दक्षता हो। लेकिन अब हमें अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करने के लिए विकल्प तलाशने की जररुत है। इसलिए हम हितधारकों के साथ एक बैठक बुलाकर आकलन करने वाले हैं कि भारी उद्योग मंत्रालय क्या कर सकता है। रिलक्टेंस मोटर बिना किसी स्थायी मैग्नेट के काम करती है। इसके आयरन रोटर को इस तरह आकार दिया जाता है कि चुंबकीय प्रवाह लगातार इस कम प्रतिरोध की स्थिति में खींचता है, जिससे टॉर्क उत्पन्न होता है। चूंकि यह केवल स्टेटर क्षेत्र और आयरन रोटर के बीच चुंबकीय खिंचाव पर निर्भर है, इसलिए इसे दुर्लभ धातु की आवश्यकता नहीं होती है। ये मोटर सस्ते और बनाने में सरल होते हैं, लेकिन आमतौर पर कम टॉर्क डेंसिटी प्रदान करते हैं और मैग्नेट आधारित मोटरों की तुलना में अधिक शोर कर सकते हैं। वहीं फेराइट मोटर में मैग्नेट का इस्तेमाल होता है, लेकिन इसमें नियोडियम जैसी दुर्लभ धातु का इस्तेमाल किया जाता है।

अक्टूबर में भारत का अमेरिकी तेल आयात तीन गुना बढ़ा, रूस में हल्की गिरावट

नई दिल्ली एजेंसी। अक्टूबर 2025 में भारत ने अमेरिका से औसतन 5.93 लाख बैरल प्रति दिन कच्चा तेल आयात किया, जो सितंबर के 2.07 लाख बैरल प्रतिदिन के मुकाबले लगभग तीन गुना अधिक है। यह मार्च 2021 के बाद अमेरिकी तेल आयात का सबसे ऊंचा स्तर है। वहीं रूस से आयात अक्टूबर में 16.1 लाख बैरल प्रति दिन रहा, जो पिछले साल इसी महीने के 17.3 लाख बैरल प्रति दिन से थोड़ी कम है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद अक्टूबर में आपूर्ति सामान्य रही, क्योंकि ज्यादातर शिपमेंट पहले ही बुक किए गए थे। विश्लेषकों के अनुसार भारत का यह कदम ऊर्जा सुरक्षा और भू-राजनीतिक संतुलन बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा है। केप्लर के प्रमुख विश्लेषक सुमित रितोलिया का कहना है कि अमेरिकी-रूसी कीमतों के अंतर ने अमेरिकी तेल आयात को अल्पकालिक रूप से बढ़ावा दिया है, लेकिन यह वृद्धि स्थायी नहीं है। 21 नवंबर से रोजनेफट और ल्युकाइल पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू होंगे, जो भारत के रूसी तेल आयात का करीब 70 फीसदी हिस्सा हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि दिसंबर-जनवरी में रूसी तेल आयात में गिरावट संभव है। इसके मद्देनजर सरकारी तेल कंपनियां बिचौलियों के माध्यम से खरीद जारी रख रही हैं।

टाटा मोटर्स ने अपने कारोबार को दो अलग-अलग हिस्सों में बांटा

नई दिल्ली एजेंसी। देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने कारोबार को दो अलग-अलग हिस्सों में बांट दिया है। कंपनी का यह डिमर्जर अब लगभग पूरा हो चुका है। इसके तहत अब टाटा मोटर्स दो स्वतंत्र कंपनियों के रूप में काम करेगी। पहली कंपनी कार और इलेक्ट्रिक वाहनों का कारोबार संभालेगी, जबकि दूसरी कंपनी ट्रक, बस और अन्य कमर्शियल वाहनों का निर्माण करेगी। डिमर्जर योजना के तहत मौजूदा टाटा मोटर्स का शेयर अब टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के नाम से कारोबार करेगा। इसमें कंपनी का कार और इलेक्ट्रिक वाहन व्यवसाय के साथ ब्रिटेन की लग्जरी ब्रांड जगुआर लैंड रोवर में हिस्सेदारी भी शामिल होगी। वहीं, कमर्शियल व्हीकल कारोबार को अलग करके नई कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड बनाई गई है, जो स्वतंत्र रूप से शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगी। यह डिमर्जर 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो गया। इसके बाद कंपनी ने 14 अक्टूबर 2025 को रिकॉर्ड डेट तय की, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि किन निवेशकों को नई कंपनी के शेयर मिलेंगे। जिनके पास इस दिन तक टाटा मोटर्स के शेयर थे, उन्हें 1ः1 अनुपात में नई कंपनी के शेयर मिले, यानी एक पुराने शेयर के बदले एक नया शेयर। ये नए शेयर 16 अक्टूबर 2025 को निवेशकों के डिमैट खातों में जमा कर दिए गए। अब नई कमर्शियल वाहन कंपनी को बीएसई और एनएसई से लिस्टिंग की मंजूरी लेनी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रक्रिया नवंबर के अंत या दिसंबर 2025 की शुरुआत तक पूरी हो जाएगी। तब तक ये नए शेयर निवेशकों के खातों में तो रहेंगे, लेकिन उनकी खरीद-बिक्री संभव नहीं होगी। डिमर्जर से दोनों कंपनियों को अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर वृद्धि और स्वतंत्र रणनीति बनाने का अवसर मिलेगा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.70 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबार मेंरुपया 21 पैसे की बढ़त के साथ 88.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने भारतीय मुद्रा को निचले स्तर पर समर्थन प्रदान किया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि मजबूत डॉलर और विदेशी पूंजी की निकासी से रुपया दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.55 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 88.56 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को सात पैसे की गिरावट के साथ 88.77 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की बढ़त के साथ 99.75 पर आ गया।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन मंगलवार को ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधरित बीएसई सेंसेक्स 519.34 अंक टूटकर 83,459.15 स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 165.70 अंक फिसलकर 25.597.65 स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक 250.20 अंक नीचे आकर 57,827.05 स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 250.20 अंक टूटगर 60,037.20 स्तर और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 152.50 अंक फिसलकर 18,360.90 स्तर पर बंद हुआ। सेक्टोरल आधार पर निफ्टी ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियल्टी शेयर गिरावट पर बंद हुए। बाजार जानकारों के अनुसार बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों और आईटी, मेटल, पावर सेक्टर में बड़े पैमाने पर बिकवाली की वजह से गिरा है। इसक अलावा विदेश निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया। इस बीच, सेंसेक्स पैक में , टीएमपीवी, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, बीईएल, एलएंडटी, एनटीपीसी, आईटीसी, और इंफोसिस टॉप के शेयर गिरे जबकि भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम और एसबीआई टॉप के शेयर उछले हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बीएसई सेंसेक्स 83,835 अंक के स्तर पर कारोबार करता दिखा, जो 143 अंक नीचे था। वहीं निफ्टी50 25,710 अंक पर नजर आया, जो 54 अंक की गिरावट दर्शाता है। वै ?श्विक बाजारों की बात करें तो एशिया-प्रशांत के बाजार मंगलवार को ज्यादातर गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आए, जबकि वॉल स्ट्रीट में टेक शेयरों की बढ़त देखी गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 0.36 फीसदी ?गिरा, जापान का निक्केई 225 0.39 फीसदी डाउन रहा और साउथ कोरिया का कोस्पी 0.32 फीसदी कमजोर हुआ। अमेरिका में, टेक-हेवी नेस्डेक कम्पो ?जिट 0.46 फीसदी और व्यापक एसएंडपी 500 0.17 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ।

भारत चीन से आने वाले उत्पादों की मंजूरी प्रक्रिया तेज करेगा

नई दिल्ली एजेंसी। भारत सरकार अब चीन से आने वाले उत्पादों की मंजूरी प्रक्रिया को तेज करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। यह फैसला हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद दोनों देशों के रिश्तों में सुधार के संकेत मिलने के बाद लिया गया है। इस बैठक के बाद सीधी उड़ानों और बिज़नेस वीजा जारी करने की प्रक्रिया फिर शुरू हुई है, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। जीएसटी दरों में कटौती के बाद टीवी, वॉशिंग मशीन, फ्रिज और डिशवॉशर जैसी घरेलू उपकरणों की बिक्री तेजी से बढ़ी है। कई ब्रांड्स के पास स्टॉक की कमी हो गई है और सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ गया है। ऐसे में सरकार ने निर्णय लिया है कि विदेशी उत्पादों की मंजूरी प्रक्रिया को तेज किया जाए ताकि बाजार में आवश्यक सामान की कमी न हो। विदेशी उत्पादों की मंजूरी लंबी प्रक्रिया के कारण कई चीनी फैक्ट्रियों के प्रोडक्ट्स भारत में नहीं पहुंच पा रहे थे। ब्यूरो आफ इंडियन (बीआईएस) की मंजूरी प्रक्रिया को अब तेज और पारदर्शी बनाने पर काम चल रहा है। सरकार ने उद्योगों से उन मामलों की जानकारी मांगी है जिनमें अप्रूवल लंबित है। हाल ही में चीन ने भारत को रेयर अर्थ मैग्नेट्स का निर्यात फिर से शुरू किया है। यह इलेक्ट्रिक वाहनों, अक्षय ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए अहम सामग्री है। इससे संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ रहा है और आने वाले महीनों में व्यापारिक रिश्तों में और सुधार होने की संभावना है।

हवाई टिकट कैंसिल करने पर नहीं चुकाना पड़ेगा शुल्क

नई दिल्ली एजेंसी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हवाई टिकट कैंसिल करने पर लगने वाला शुल्क खत्म करने की योजना बनाई है। नियामक का कहना है कि यात्रियों को अभी अपना टिकट कैंसिल कराने पर मोटा शुल्क चुकाना पड़ता है। साथ ही कई बार टिकट कैंसिल करने पर पैसे रिफंड करने में भी काफी देरी होती है, क ?योंकि ज्यादातर यात्री अपना टिकट बिचौलियों या एजेंट के जरिये बुक कराते हैं और कंपनियां रिफंड की जिम्मेदारी भी इन एजेंट पर ही डाल देती हैं। डीजीसीए के प्रस्ताव की मानें तो हवाई यात्रियों को जल्द ही बुकिंग के 48 घंटों के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपने टिकट रद्द करने या संशोधित करने की अनुमति मिल सकती है। विमानन नियामक डीजीसीए ने टिकट वापसी के नियमों में महत्वपूर्ण बदलावों का प्रस्ताव रखा है। इसका मतलब है कि अगर हवाई टिकट बुक कराने के 48 घंटे के भीतर इसे रद्द कराया जाता है अथवा इसमें कोई बदलाव किया जाता है तो इसके लिए किसी तरह का शुल ?क नहीं देना पड़ेगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने प्रस्ताव दिया है कि यात्रा एजेंट और पोर्टल के माध्यम से टिकट खरीदने की स्थिति में वापसी का दायित्व एयरलाइनों का होगा, क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि होते हैं। यानी कि यात्री भले ही अपना टिकट मेक माई ट्रिप जैसे किसी भी बिचौलिए अथवा थर्ड पार्टी से खरीदें लेकिन इसे कैंसिल कराने पर पैसे रिफंड करने की जिम्मेदारी एयरलाइंस की होगी।

आज का राशिफल

मेष- आज आपको अपने कामों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। सरकारी कामों को लेकर यदि आपका कोई कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामला चल रहा है, तो उसमें आपको कुछ अच्छे वकील से बातचीत करने की आवश्यकता है। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लगेगी, लेकिन फिर भी आप उनसे कुछ नहीं कहेंगे। यदि आप कहीं बाहर जाने की योजना बना रहे हैं, तो आपकी वह इच्छा भी पूरी हो सकती है।

वृषभ- आज आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे, लेकिन आप संतान की फरमाइश पर यदि कोई काम करें, तो उसमें आपको थोड़ा समझदारी दिखाने की आवश्यकता है। किसी विपरीत परिस्थिति में भी आपको ध्यान रखना होगा। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए बिजनेस में बढिया रहने वाला है। मित्रों और करीबियों का साथ आपको मिलेगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी किसी बात को लेकर माताजी परेशान रहेंगी। यदि ऐसा हो, तो आप उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करें।

कर्क- आज आपकी राजनीति में अच्छी छाप रहेगी। शासन और सत्ता का आपको पूरा लाभ मिलेगा। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपको अपने प्रशासनिक कार्यों पर पूरा ध्यान देना होगा। खर्चों को लेकर आप नियंत्रण बनाकर रखें। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों की पढ़ाई-लिखाई में लापरवाही कोई बड़ी मुश्किल बन सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको अपने निजी मामलों को मिल बैठकर निपटाना बेहतर रहेगा। नवविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती हैं। परिवार में आपको कोई जिम्मेदारी सोच समझकर डालनी होगी। संतान पढ़ाई-लिखाई को लेकर कहीं बाहर जा सकती हैं और आपके बिजनेस में भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा, जिससे आपके रुके हुए काम भी आसानी से पूरे होंगे।

कन्या- आज आप अपने कामों को लेकर धैर्य और संयम बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में भी काम को लेकर ज्यादा परेशान ना हो और उसे तसल्ली से निपटाने की कोशिश करें। आपके बॉस के साथ आपके रिश्ते थोड़ा खराब हो सकते है, जो आपकी मुश्किलों को बढ़ाएगा। किसी काम में उसके नीति-नियमों पर आपको पूरा ध्यान देना होगा। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको किसी पुराने मित्र की याद सता सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में बढ़िया रहने वाला है। स्थायित्व की भावना आपके मन में रहेगी। आपको अपने आवश्यक कार्य को समय से निपटाने की कोशिश करें। आप किसी दूसरे पर डिपेंड ना रहें। यदि आपने किसी से धन उधार लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकता है। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है।

वृश्चिक- आज का दिन राजनीतिक की ओर प्रयास कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। करियर में आपको कुछ समस्याओं का सामना करना बढ़ेगा। आप किसी बात को लेकर जिद या अहंकार ना दिखाएं। आप अपनी मेहनत और लगन से कामों को करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपका निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आप किसी बात को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना करें। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

धनु- आज आपको भावनाओं में बहकर कोई काम करने से बचना होगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। सगे संबंधियों पर आपका पूरा ध्यान रहेगा। विद्यार्थियों का पढ़ाई-लिखाई को लेकर ध्यान थोड़ा डगमगा सकता है, जिससे परीक्षा में उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। यदि आपने किसी से कोई वादा किया है, तो आप उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें।

मकर- आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आएगा। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह न बोले और परिवार में किसी वरिष्ठ सदस्य की सेहत में गिरावट आने से आपको थोड़ी टेंशन रहेगी। आपने अपने पिताजी की सेहत को लेकर यदि कोई लापरवाही दिखायी, तो बाद में वह कोई बड़ी बीमारी बन सकती हैं और संतान के मनमानी व्यवहार को लेकर आपको थोड़ी टेंशन भी रहेगी। यदि आपने आपने शेयर मार्केट आदि में इन्वेस्टमेंट किया, तो उससे आपको इतने अच्छे लाभ नहीं मिलेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए साहस में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने महत्वपूर्ण कामों पर पूरा ध्यान दें। भाइयों के साथ आपकी खूब पटेगी और कोई सरकारी काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी आपके किसी मित्र की मदद से पूरा हो सकता है। आप अपने शौक मौज की चीजों के खरीदारी के लिए अच्छा खासा खर्चा करेंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज आप सबका दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन होने से माहौल में खुशनुमा रहेगा और आपको अपने बिजनेस में कामों को लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं दिखानी है। पार्टनरशिप में यदि किसी काम की शुरूआत की, तो उसमें आप अपने पार्टनर पर पूरी निगरानी बनाकर रखें।

शब्दजाल - 8070

बं	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	ब	ल	क
ब	वा	ब	लि	दा	न	का	मौ	स	ल	ड़
ई	ह	ब	बं	दा	न	वा	ज	जा	य	मा
का	ब	बं	र	दे	वी	ब	वा	ल	श	ब
म	इ	दि	म	सं	व	र	श	र	बू	ल
हा	ता	नी	ई	र	द	क	फ	बा	श	ज
रा	बं	दि	श	द	क	स	सी	ग	प	ब
जा	र	ब	बं	व	ज	र	ब	न	प	बं
क	ब	ल	ज	न	ना	री	ऐ	ज	प	जा
क	मी	ल	प	ब	या	स	मा	ब	प	र
का	न	बं	ध	न	क	ना	री	ग	प	न

शब्द जाल में ब शब्द से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

बनारसी बाबू, बलमा, बलिदान, बंधन, बंदिनी, बंद दरवाजा, बंदानवाज, बंदिश, बंजारन, बंबई का महाराजा.

शब्दजाल - 8069 का हल

प्र	क	प्र	ग	ति	शी	ल	ब	ना	क	ति
ती	क	ती	प्र	ल	क	व	जी	ग	कृ	ह
क्षा	इ	प्र	प्र	न	ल	प्र	छ	प्र	आ	दि
ख	क	क	का	ज	ज	पु	का	प्र	प	ल
प	प्र	क	शि	दो	ग	ति	अ	प्र	तू	ग
झ	क	का	त	ल	प	ह	झ	पू	ना	ण
घ	को	ती	श	प्र	म	प्र	जा	से	व	क
ला	प्र	क	ता	जा	ई	धा	ब	क	फ	लो
श	जा	प्र	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	प्र
प	प	द	र	तै	प	क्रि	जी	र्त	ऐ	ता
प	ती	क	क	षी	प्र	है	या	रा	बा	प

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7014

1		2		■	3			4	
	■		■	5		■	■		■
6	7		■		■	8	9		
■		■	10		11	■	12		■
13		■		■		■		■	14
	■	15	■	16		17	■	■	
■	18		19		■	20		21	
22		■		■	23		■		■
	■	24		25	■	■	26	■	27
28		■	■	29				■	

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7013

पि	या	का	घ	र	■	ए	ल	ओ	सी
ता	श	■	र	■	घा	त	■	म	■
■	ना	च	■	चाँ	■	श	खी	■	फ
रो	■	मे	हं	दी	■	ज	■	खा	की
श	मीं	ली	■	सो	च	■	श	■	श
नी	■	■	ब	ना	र	सी	बा	बू	■
■	ग	द	र	■	स	■	ना	म	■
बा	ज	■	सा	थी	■	मि	■	■	अं
जा	ल	■	त	■	दि	ल	का	श	जा
र	■	माँ	■	मि	ल	न	■	■	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8538

1		2		3		4		
		5						6
7	8					9	10	
11					12			
				13				
14		15				16		17
		18						
	19					20		

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन (अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली -8537 का हल

जा	न	प	ह	चा	न	■	बा	त
न	■	ल	■	ल	ल	क	■	न
की	ल	■	बा	बा	■	क्ष	त्रि	य
ना	■	श	■	ज	■	■	का	■
थ	का	व	ट	■	म	स	ल	न
■	ज	■	■	स	■	त्य	■	क
फ	ल	क	■	ह	द	■	ऐ	ब
रे	■	म	स	ला	■	रो	■	ज
ब	ल	■	ब	ना	व	टी	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.03 ब.से
चंद्र	मेष में	धनु	09.19 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.24 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.10 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.43 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.14 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.54 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.52 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.05 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.22 बजे से
12.00 से 1.30		कन्या	02.33 बजे से
बजे तक		तुला	04.44 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 309 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 18.49 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 09.40 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि (असृक) 11.28 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.45 बजे, बव 18.49 बजे तदनन्तर बालव 04.52 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 15° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872519
जूलियन दिन 2460984.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल **तारीख** 13
विशेष देव दिवाली, कार्तिक पूर्णिमा, पूर्णिमा उपवास, गुरु नानक जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः बच्चे की सीख

बचपन से ही मुझे अध्यापिका बनने तथा बच्चों को मारने का बड़ा शौक था। अभी मैं पाँच साल की ही थी कि छोटे-छोटे बच्चों का स्कूल लगा कर बैठ जाती। उन्हें लिखाती पढ़ाती और जब उन्हें कुछ न आता तो खूब मारती। मैं बड़ी हो कर अध्यापिका बन गई। स्कूल जाने लगी। मैं बहुत प्रसन्न थी कि अब मेरी पढ़ाने और बच्चों को मारने की इच्छा पूरी हो जाएगी। जल्दी ही स्कूल में मैं मारने वाली अध्यापिका के नाम से प्रसिद्ध हो गई। एक दिन श्रेणी में एक नया बच्चा आया। मैंने बच्चों को सुलेख लिखने के लिए दिया था। बच्चे लिख रहे थे। अचानक ही मेरा ध्यान एक बच्चे पर गया जो उल्टे हाथ से बड़ा ही गंदा हस्तलेख लिख रहा था। मैंने आव देखा न ताव, झट उसके एक चाँटा रसीद कर दिया। और कहा, 'उल्टे हाथ से लिखना तुम्हें किसने सिखाया है और उस पर इतनी गंदी लिखाई!' इससे पहले कि बच्चा कुछ जवाब दे, मेरा ध्यान उसके सीधे हाथ की ओर गया, जिसे देख कर मैं वहीं खड़ी की खड़ी रह गयी क्योंकि उस बच्चे का दायाँ हाथ था ही नहीं। किसी दुर्घटना में कट गया था। यह देख कर मेरी आँखों में बरबस ही आँसू आ गए। मैं उस बच्चे के सामने अपना मुँह न उठा सकी। अपनी इस गलती पर मैंने सारी कक्षा के सामने उस बच्चे से माफी माँगी और यह प्रतिज्ञा की कि कभी भी बच्चों को नहीं मारूँगी। इस घटना ने मुझे ऐसा सबक सिखाया कि मेरा सारा जीवन ही बदल गया।

सूडोकु नवताल- 7323

★★★✯☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7322 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

5 लोगों ने दुकान में घुस कर टाईल्स व्यापारी से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी नगर में 3 अक्टूबर को शाम करीब 7ः30 बजे टाईल्स के पुराने बिल के लेन देन को लेकर एक व्यापारी के साथ करीब 5 लोगो मारपीट की जिसमें टाईल्स व्यापारी गंभीर रूप से घायल हो गया जिसके द्वारा पुलिस थाना लांजी में 5 आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज कराया गया है। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी तथा पुलिस के द्वारा लिखी रिपोर्ट के अनुसार लांजी बालाघाट मार्ग पर स्थित श्री टाईल्स के संचालक राहुल पिता राजेन्द्र बिसेन उम्र 26 वर्ष निवासी कोसमारा ने 3 नवंबर को पुलिस थाना लांजी पंहुचकर लिखीत शिकायत दर्ज कराते हुये बताया कि मेरी लांजी बालाघाट मार्ग हाऊबाग पर न्यू श्री टाईल्स की दुकान है 3 नवंबर को शाम करीब 7ः30 बजे मै अपनी दुकान में बैठा था तभी राज खोबरागड़े, आशिष रहांगडाले जिन्हे मै जानता पहचानता हूॅ एवं याकूब तथा उनके अन्य दो साथी फोर व्हीलर वाहन से शशांक राखड़े की राधे टाईल्स नामक दुकान में गये जो मेरी दुकान के पास है वहां से मुझे शशांक राखड़े ने फोन किया कि भैया लोग आये है तुम मेरी दुकान में आ जाओ तो मैने उनसे बोला की

आप लोग ही मेरी दुकान में आ जाओ तो मेरी दुकान पर राज खोबरागड़े, आशिष रहांगडाले, याकूब तथा उनके दो साथी मेरी दुकान में आये इसी बीच टाईल्स के लेनदेन के पुराने बिल को लेकर राज खोबरागड़े मुझे गंदी गंदी गालियॉ देने लगा जो सुनने में बहुत बुरी लग रही थी उसी समय शशांक राखड़े भी मेरी दुकान पर आया जिसने राज खोबरागडे और उसके साथियों से बोला की आपसी में बात चीत कर लेनदेन ठीक कर लो लेकिन राज खोबरागडे और उसके साथी मुझे गंदी गालिया देते हुये खींचातानी करने लगे। राज खोबरागडे ने मुझे पास में पडी टाईल्स उठाकर मेरे सर पर मारा और आशिष रहांगडाले ने भी टाईल्स की प्लेट मेरे सर पर मारी एवं उसके साथी याकूब तथा अन्य दो ने भी मेरे साथ मारपीट कि जिससे मुझे शरीर के विभिन्न अंगो मे चोटे आई तथा खुन निकलने लगा, बीच बचाव करते समय मेरे दोस्त कौशिक सातपुते को भी राज खोबरागड़े ने टाईल्स से मारा जिससे उसे भी चोट आई है। आस पास के लोगो ने इस पुरी घटना को देखा सुना है। उक्त संपूर्ण घटना का विवरण राहुल बिसेन के द्वारा लांजी पुलिस को बताया गया जिस पर पुलिस के आरोपी राज खोबारागड़े, आशिष रहांगडाले, याकूब तथा अन्य दो यह सभी गोंदिया महाराष्ट्र के निवासी है जिनके विरूद्ध लांजी पुलिस के द्वारा अपराध क्रमांक 283/25 धारा 296 बी,ख् 115 (2), 118 (1), 351 (3), 191(2), बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण की विवेचना लांजी थाना प्रभारी के द्वारा की जा रही है।

पाथरगांव में 10 से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान सप्ताह

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत पाथरगांव के झींगूटोला निवासी मेहतर लाल कबीरे के द्वारा निवास परिसर में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन दिनांक 10 नवंबर से 16 नवंबर तक किया जा रहा है। जिसमें कथा वाचक साध्वी निष्कंप चेतनागिरी जी महाराज के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया जायेगा। कार्यक्रम की रूपरेखा 10 नवंबर को शोभायात्रा, परीक्षित और आत्मदेव कथा, 11 नवंबर शिव विवाह, ध्रुव कथा, 12 नवंबर को अजामिल और प्रहलाद कथा, 13 नवंबर को सुर्यवंश कथा, कृष्णावतार। 14 नवंबर को बाल लीला, गोवर्धन कथा। 15 नवंबर को रूक्मणी श्री कृष्ण विवाह कथा। 16 नवंबर को सुदामा

चरित्र, कथा विराम, दोपहर 2 बजे से महा आरती पश्चात महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। कथा रोजाना प्रतिदिन 12 बजे प्रारेभ होगी। उक्त के श्रवण हेतु तथा महाप्रसाद ग्रहण करने हेतु मेहतर अंजनी कबीरे, योगराज सती बाई कबीरे, पवन सुनीता कबीरे, संजय पूजा कबीरे, अर्जुन कबीरे सहित समस्त कबीरे परिवार के द्वारा सभी धर्म प्रेमी गणो से उक्त धार्मिक आयोजन में पंहुचने की अपील की गई है।

तिथि बढ़ने के बाद भी किसानों का नही हो पा रहा है पंजीयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले में आगामी समय से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी किसानों से कि जावेगी जिसके लिये क्षेत्र के किसान सोसायटियों के माध्यम से पंजीयन कराते है। प्रदेश में 15 सितंबर से 10 अक्टूबर तक पंजीयन कराने हेतु समय निर्धारित किया गया था लेकिन इस समयावधि में सहकारिता कर्मचारियोंकी हड़ताल तथा क्षेत्र मे हुई अतिवृष्टि, कीट व्याधि आदि के चलते पूर्ण रूप से किसान अपनी फसलों का पंजीयन नही करा पाये जिसको लेकर प्रदेश सरकार के द्वारा पंजीयन की तिथी बढाई गई जो कि 31 अक्टूबर से 6 नवंबर तक किसान पंजीयन कर सकते है। लेकिन इस समयावधि में क्षेत्र के किसान जब पंजीयन कराने केन्द्र तक पंहुच रहे है तो उनका पंजीयन नही हो पा रहा है। वहीं लांजी क्षेत्र की बात कि जाये तो केवल बोलेगांव सहकारी समिति मे ही पंजीयन किया जा रहा है। जब पंजीयन कराने हेतु किसान बोलेगांव पंहुचे तो उन्हे समिति के द्वारा बताया गया कि हमे जिले से केवल 11 किसानों की सूची प्राप्त हुई जिनका हमारे द्वारा पंजीयन किया जा चुका है और जो नाम आ रहे है उनका नाम हमारे द्वारा जिलें अंकित करवाया जा रहा है। इस संबध में किसानों की समस्याओं को लेकर जनपद पंचायत लांजी के सभापति दिनेश लाड़े ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कमलचंद सिंहसार से मुलाकात कर किसानों पंजीयन के विषय मे हो रही समस्या से अवगत कराते हुये कहा कि वर्तमान में भी लगभग 300 से अधिक किसान है जिनका पंजीयन नही हो पाया है। बोलेगांव केन्द्र में पंहुचने के बाद भी किसानों को खाली हाथ वापस लौटना पड़ रहा है। पहले ही किसान बेमौसम बारिश और कीट प्रकोप से जुझ रहा है। वहीं किसानों का पंजीयन नही हो पाना उसके लिये चिंता का विषय बन चुका है। इस पर एसडीएम लांजी के द्वारा कहा गया कि इस विषय को मै संज्ञान में लेकर कलेक्टर महोदय बालाघाट से चर्चा करूंगा तथा उन्होने आश्वस्त किया कि सभी किसानों का पंजीयन नियमानुसार हो यह सुनिश्चित करेंगे।

पति की हिम्मत-बोन कैंसर से जूझती पत्नी को मोटरसाइकिल पर लादकर इलाज की आस में दर-दर भटक रहा समलू

पद्मेश न्यूज। लांजी।

गंभीर बीमारी जब घर की देहरी पर दस्तक देती है, तो परिवार को आर्थिक और भावनात्मक रूप से बर्बाद कर छोड़ती है। ऐसा ही दिल दहला देने वाला वाकया कबीरधाम जिले के रेगांखार निवासी समलू मरकाम के साथ घटित हो रहा है। अपनी बोन कैंसर से पीड़ित पत्नी कपुरा मरकाम (57 वर्ष) के इलाज के लिए समलू जहां-जहां सुनता है, वहां दर-दर भटक रहा है, लेकिन अभी तक कोई राहत नहीं मिली।

समलू ने पत्रकारों से चर्चा में बताया कि करीब 4-5 वर्ष पूर्व उनकी पत्नी की रीढ़ की हड्डी में बोन कैंसर का पता चला। तब से इलाज का सिलसिला जारी है। रायपुर के बड़े अस्पतालों, मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल, आयुर्वेदिक चिकित्सा और विभिन्न स्थानों पर इलाज कराया, यहां तक

कि पंडा, पुजारी और वैद्यों को भी दिखाया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। पत्नी को बचाने की जिद में समलू ने अपनी जमीन-जायदाद, घर के जेवर और बर्तन तक बेच डाले। उनके दो शादीशुदा बच्चे भी सहयोग से हाथ खड़े कर चुके हैं।

आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट चुके समलू की हालत अब ऐसी नहीं कि एम्बुलेंस से पत्नी को ले जा सकें। मजबूरी में उन्होंने मोटरसाइकिल के पीछे लकड़ी का पट्टा लगाया और पत्नी को रस्सी से बांधकर इलाज के लिए ले जा रहे हैं। लांजी बस स्टैंड पर पत्रकारों ने जब यह दृश्य देखा, तो समलू ने बताया कि वे परसाटोला के एक दरबार में इलाज की उम्मीद लिए जा रहे हैं। शायद कोई चमत्कार हो जाए और बीमारी ठीक होने का उपाय मिल जाए।

पत्नी की सेवा में डटे समलू मरकाम की हिम्मत देखकर हर कोई सराहना कर रहा है। सचमुच, हिम्मते मर्दा तो मदद दे खुदा। स्थानीय लोग और प्रशासन से अपील है कि ऐसे समर्पित पति की मदद की जाए, ताकि कपुरा मरकाम को उचित इलाज मिल सके।

धुर नक्सल ग्राम कोदापार में हुई जनसुनवायी

जिला स्तर के अधिकारियों ने सुनी सैकड़ों ग्रामीणों की समस्याएँ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर 04 नवम्बर को जिले के आदिवासी बाहुल्य एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्राम कोदापार मे जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण करने के निर्देश दिये गए। शिविर में सरपंच कोदापार कमल सिंह मरावी, घुम्मूर सरपंच जयपाल तिलगाम, डाबरी सरपंच, अडोरी सरपंच परसराम धुर्वे एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जनपद पंचायत बिरसा के अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनगुड्डा के ग्राम कोदापार में आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 120 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया गया। शिविर में आधार कार्ड बनाने एवं अपडेशन का कार्य भी किया गया और ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना से जोड़ने के लिए बैंक बीसी की सेवायें उपलब्ध करायी गई। शिविर में 05 नए आधार कार्ड बनाए गए और 12 के आधार कार्ड का अपडेशन किया गया।

शिविर में ग्राम पंचायत अलना के सरपंच अपनी पंचायत में पूर्व में पदस्थ सचिव महेंद्र सिंह वल्के की अलना पंचायत में पुन: पदस्थापना की मांग लेकर आए थे। ग्राम पंचायत सोनगुड्डा के सरपंच कमलसिंह धुर्वे अपनी पंचायत में ग्राम रोजगार सहायक की नियुक्ति की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि पंचायत में ग्राम रोजगार सहायक नही होने से मनरेगा एवं अन्य योजनाओं के कार्य नही हो पा रहे है। शिविर में ग्रामीणों ने सोनगुड्डा पंचायत के ग्राम चारघाट से मेनरोड के पटेलटोला के बीच सड़क का निर्माण कराने की मांग की। ग्राम पंचायत झकोरदा के ग्रामीणों ने ननकूटोला में सुदूर सड़क निर्माण की मांग की।

शिविर में ग्राम सुंदरवाही की भगवती मेरावी अपना वोटर आईडी कार्ड बनाने की मांग लेकर आयी थी। कोदापार के ग्रामीणों ने कोदापार के बैगाटोला का प्राथमिक शाला भवन जर्जर होने के कारण उसके स्थान पर नया भवन बनाने की मांग की। बर्राटोला में पेयजल की समस्या के निदान के लिए हैण्डपंप खनन की आवश्यकता बतायी गई। ग्राम डाबरी से आए ग्रामीणों ने डाबरी में 02 वर्ष से मोबाईल नेटवर्क बंद होने के कारण ग्रामीणों को बहुत अधिक परेशानी होने की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया। ग्रामीणों का कहना था कि मोबाईल नेटवर्क नही होने से गर्भवती महिला को प्रसव के लिए अस्पताल पहुंचाने 108 एम्बुलेंस को कॉल नही कर पाते है। इसी प्रकार ग्रामीण शासकीय योजनाओं के ऑनलाईन कार्य नही कर पाने की वजह से योजनाओं के लाभ से वंचित हो जाते है।

शिविर में ग्राम सोनगुड्डा के पटेलटोला के ग्रामीणों ने उनके गांव में आंगनवाड़ी केंद्र खोलने की मांग की। उनका कहना था कि पटेलटोला में शून्य से 05 वर्ष तक के 57 बच्चें है। इन बच्चों को आंगनवाड़ी की सुविधा के लिए लंबी दूरी चलकर दूसरे गांव के आंगनवाड़ी केंद्र में जाना होता है। कोदापार के ग्रामीणों ने गांव में आशा कार्यकर्ता की नियुक्ति किये जाने की मांग की। कोदापार के चंदन मरावी ने शिकायत की कि उसका बिजली बिल 1800 रुपए का आया है, जबकि उसके घर मे बिजली की इतनी खपत नही होती है। वह बहुत गरीब है और इतनी बड़ी राशि का बिजली बिल जमा करने में सक्षम नही है। अतः उसका बिल सुधारा जाए। शिविर में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत ग्राम डाबरी, अडोरी, दुल्हापुर, घुम्मूर एवं सोनगुड्डा के ग्रामीणों द्वारा 20 सामुदायिक दावे के आवेदन प्रस्तुत किये गए है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि उनके द्वारा जो आवेदन प्रस्तुत किये गए है, उनका परीक्षण किया जाएगा और शासन के नियमो के अनुसार शीघ्र ही कार्यवाही की जाएगी। शिविर में कृषि विभाग के अधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा पहली बार कोदो एवं कुटकी के समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था की गई है, इसके लिए किसानो का पंजीयन किया जा रहा है। ग्राम कोदापार एवं आसपास के गावों के किसान जिन्होने कोदो एवं कुटकी की फसल लगायी है वे 09 नवम्बर तक अपना पंजीयन करा ले। शासन द्वारा कोदो एवं कुटकी के समर्थन मूल्य पर 01 हजार रुपए प्रति क्विंटल की बोनस राशि दी जाएगी। इस प्रकार किसान को कुटकी के लिए 4500 रुपए एवं कोदो के लिए 3500 रुपए प्रति क्विंटल की राशि प्राप्त होगी। वन पट्टाधारक किसान भी कोदो कुटकी विक्रय के लिए अपना पंजीयन करा सकते है। शिविर में मत्स्य पालन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास तथा जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

शिविर में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा ग्राम कोदापार के बैगा जनजाति के 43 परिवारों की मुखिया महिलाओं के बैंक खाते में आहार अनुदान योजना के अंतर्गत 15-15 सौ रुपए की राशि जमा करायी गई। शिविर में लाडली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत बालिका आशा उईके, सिया वरकड़े एवं राधा मरकाम को लाडली प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया, बिरसा की प्रभारी परियोजना अधिकारी शिप्रा सिंह एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गीता उईके के सौजन्य से ग्राम कोदापार के 03 अतिकुपोषित बच्चें जागेश कोकोटे, रितिक कोकोटे एवं सपना मरावी को पोषण किट का वितरण किया गया।

कोदापार के शिक्षक राकेश धुर्वे बच्चों का भविष्य संवारने के जतन में जुटे

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। किसी भी शासकीय सेवक के लिए घने जंगलों के बीच दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सेवा करना कठिन एवं मुश्किल काम माना जाता है। लोग ऐसे क्षेत्र में सेवायें देने से कतराते भी है। लेकिन राकेश धुर्वे ऐसे ही कठिन क्षेत्र में पूरी लगन एवं निष्ठा से सेवायें दे रहे हैं और अन्य लोगों के लिए प्रेरणा एवं मिसाल बन गये है।

बिरसा विकासखंड के अंतर्गत सोनगुड्डा ग्राम पंचायत का एक ग्राम कोदापार है। राकेश धुर्वे इसी कोदापार ग्राम की शासकीय प्राथमिक शाला में प्राथमिक शिक्षक के पद पर पदस्थ है। राकेश धुर्वे विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा से आते हैं और कोदापार गांव भी बैगा जनजाति का ग्राम है। राकेश धुर्वे लांजी तहसील की ग्राम पंचायत देवरबेली के दुर्गम ग्राम संदूका के मूल निवासी है। प्राथमिक शिक्षक के लिए चयन होने पर उनकी पदस्थापना कोदापार की प्राथमिक शाला में की गई थी। राकेश धुर्वे ने 09 दिसंवबर 2010 को कोदापार की शाला में ज्वाईन किया था, तब से लेकर अब तक वे इसी ग्राम में अपनी सेवायें दे रहे हैं। अपनी शाला के बच्चों को वे पूरी तन्मयता के साथ पढ़ाते हैं और उनका भविष्य संवारने के लिए हर जतन करते हैं।

संदूका जैसे दुर्गम ग्राम का निवासी होने के कारण राकेश धुर्वे को अच्छी तरह से पता था कि घने जंगल के बीच बुनियादी सुविधाओं के अभाव में कैसे काम किया जा सकता है। कोदापार की शाला में आने के लिए उन्हें संदूका से लगभग 50 किलोमीटर का सफर करना होता था। उनके लिए यह एक कठिन दौर था। उनके मन में भी आता था कि इस स्थान को छोड़कर किसी अच्छे स्थान पर ट्रांसफर करा लें। लेकिन उन्हें लगा कि यह अच्छा निर्णय नहीं होगा। उन्होंने अपनी जाति समाज के बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए तय कर लिया कि वे कोदापार में ही रहेंगें और बैगा जनजाति के बच्चों को अच्छी शिक्षा देंगें। शिक्षक राकेश धुर्वे ने शादी के बाद कोदापार में ही अपना छोटा सा घर बना लिया है। वे अपने बच्चों को भी कोदापार के शासकीय स्कूल में पढ़ाते हैं।

शिक्षक राकेश धुर्वे की बड़ी बेटी शशि धुर्वे ने कोदापार के स्कूल से इस वर्ष पांचवी कक्षा में प्रथम स्थान हासिल किया है और वह 04 किलोमीटर दूर माध्यमिक शाला चारघाट में कक्षा 06 में पढ़ने जाती है। शिक्षक राकेश धुर्वे की छोटी बेटी एवं बेटा भी कोदापार के स्कूल में पढ़ रहे हैं। वर्तमान समय में यह हकीकत है कि अधिकांश शिक्षक अपने बच्चों को प्रायवेट स्कूल में पढ़ाते हैं और बहुत कम शिक्षक ऐसे हैं जो अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाते हैं। राकेश धुर्वे ने इस मामले में एक अनुकरणीय उदाहरण पेश

किया है। बच्चों में शिक्षा के प्रति रूचि पैदा करने के लिए वे नये-नये प्रयोग भी करते हैं।

कोदापार की शाला में राकेश धुर्वे के साथ ही लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम बांदरी के निवासी घनश्याम शरणागत भी प्राथमिक शिक्षक के पद पर 16 जुलाई 2010 से सेवायें दे रहे हैं। घनश्याम शरणागत कोदापार से लगभग 06 किलोमीटर दूर सोनगुड्डा में शिक्षक सदन में निवास करते हैं। कोदापार की शाला के दोनों शिक्षक बच्चों को पूरी लगन के साथ पढ़ाते हैं। जिसके कारण शाला के बच्चों का स्तर काफी अच्छा है। सोनगुड्डा के शिक्षक सदन में बैगाटोला के शिक्षक आरके मिसारे, पानावाही के शिक्षक पन्नालाल हिरवाने, हुमेश बारेवार, गढ़ीटोला के शिक्षक सुरेन्द्र क्षीरसागर एवं चारघाट के शिक्षक आलोक एड़े भी निवास करते हैं।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

नेताओं को नसीहत:भाजपा की पिच पर न खेलें

कांग्रेस जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण में सिखाया गया सबक

भोपाल। पचमढ़ी के होटल हाईलैंड में मप्र कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चुनावी रणनीति के साथ राजनीति के दांव-पेंच भी सिखाया जा रहा है। इसी कड़ी में दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी और उत्तराखंड से विधायक काजी निजामुद्दीन ने कहा कि हमें बीजेपी के ग्राउंड पर जाकर नहीं खेलना चाहिए। बीजेपी वाले फुटबॉल की पिच पर क्रिकेटर को बुलाकर खिलाते हैं और हराते हैं। हमें ऐसे किसी एजेंडे में नहीं उलझना चाहिए, जो बीजेपी क्रिएट करके हमें उलझाना चाहती है।

प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन मंगलवार को जेंडर सेंसेटाइजेशन - लैंगिक संवेदनशीलता, लैंगिक बोध और जेंडर जागरूकता विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का संचालन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पूर्व सचिव और अहमदाबाद सिटी जिला अध्यक्ष सोनल पटेल ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में समाज में महिलाओं की भूमिका, योगदान, पहचान और समकालीन चुनौतियों पर चर्चा की। सोनल पटेल ने कहा कि जेंडर समानता केवल नीति नहीं, बल्कि एक सोच और व्यवहार है, जिसे समाज के हर स्तर पर आत्मसात करना होगा। उन्होंने उपस्थित जिला अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों के साथ खुला और सार्थक संवाद किया तथा संगठन में महिला भागीदारी को और सशक्त बनाने की दिशा में प्रेरित किया। गौरतलब है कि प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन कांग्रेस ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के नेशनल इंचार्ज और सीडब्ल्यूसी मेंबर सचिन राव ने किया।

मुसलमानों की छवि बिगाड़ी जा रही

दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी और उत्तराखंड से विधायक निजामुद्दीन काजी ने धर्मनिरपेक्षता और भारतीय राजनीति में मुसलमानों की भूमिका पर कहा- भारत में बीजेपी का स्पष्ट एजेंडा तीन तलाक, लव जिहाद, 370 आतंकवाद की बात करते हुए मुसलमानों से जोड़ती है। भ्रम फैलाकर मुसलमानों की छवि बिगाड़ी जा रही है। ये कहा जा रहा है कि मुसलमानों की जनसंख्या बढ़ रही है आने वाले समय में भारत हिन्दू राष्ट्र नहीं रहेगा।

बीजेपी मैसेज देती है कि मुस्लिम डरा हुआ है

निजामुद्दीन ने कहा कि जो पढ़ा लिखा तबका है वो जनसंख्या ग्रोथ वाला नहीं हैं। हाई क्लास वाला वर्ग और लोअर तबका, किसी भी वर्ग का हो उन्होंने बहुत बच्चे पैदा किए। तीन-चार शादियां कर सकते हैं। आज सब सुधार करना चाहते हैं। जो भी प्लान कर रहे हैं वो एजेंडा ध्रुवीकरण का है। बीजेपी यह दिखाना चाहती है कि भाजपा की सरकार है तो मुस्लिम डरा हुआ है। बीजेपी वाले ये बताने की कोशिश करते हैं कि बीजेपी है तो मुस्लिम डरे हुए हैं। मुस्लिम बोल नहीं पा रहे, हम हैं इसलिए कंट्रोल कर पा रहे हैं। निजामुद्दीन ने कहा- 370 से बहुत कुछ बदल गया ऐसा नहीं है। अगर जम्मू कश्मीर में 60-70 लाख पब्लिक और 10 लाख सेना है। तो फिर क्या बदला? विकास के बहुत से पैमाने बना दो लेकिन असंतोष, अशांति है तो फिर कुछ नहीं हैं। कांग्रेस सांसद और संगठन सृजन अभियान के इंचार्ज शशिकांत सैंथिल ने कहा कि आइडियोलॉजी, ऑर्गेनाइलेशन और लीडरशिप के बीच की कनेक्टिविटी का महत्व बताया। सैंथिल ने कहा- कई बार हम आम कार्यकर्ताओं को लगता है कि राहुल गांधी क्या कर रहे हैं? उन्हें कोई समझाता क्यों नहीं है? ये बात राहुल जी को खुद मालूम है, लेकिन अब हम लोग राहुल गांधी को सलाह नहीं ताकत देंगे। कोई ऐसी बात नहीं करेंगे जिससे बीजेपी को फायदा हो। हम अपनी पिच सेट करके खेलेंगे।

उपज बिकी...मगर अटका भुगतान

- मंडियों में रोज पहुंच रहे परेशान किसान, विभाग भी बेबस

भोपाल। प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में इन दिनों किसानों के चेहरों पर बेचैनी साफ झलक रही है। खेतों से उपज लेकर मंडी तक पहुंचे किसान अब अपने मेहनत की कमाई पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। भावांतर योजना के तहत खरीदी तो हो रही है, लेकिन बैंक खातों की छोटी-छोटी त्रुटियों ने किसानों का बड़ा नुकसान कर दिया है। उपज बेचने के कई दिन बाद भी उन्हें भुगतान नहीं मिल पा रहा है। रोजाना किसान मंडी कार्यालय और कृषि विभाग में शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। गौरतलब है कि 24 अक्टूबर से खरीदी शुरू हुई, लेकिन अब समस्याएं सामने आ रही हैं। कई किसानों के बैंक खाते का आईएफएससी कोड गलत दर्ज हो गया है, तो कुछ का आधार उनके खाते से लिंक नहीं है। कई मामलों में किसानों ने पंजीयन के समय ऋण खाते का नंबर दर्ज करा दिया, ताकि पैसा आने पर बैंक काट न ले, इसीलिए व्यापारी को दूसरा नंबर दे दिया। यही वजह है कि भुगतान रुका हुआ है।

बैंक और व्यापारी के बीच फंसा भुगतान

किसानों के खाते की त्रुटियों के चलते व्यापारी बैंक से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन नहीं कर पा रहे हैं। इससे न सिर्फ किसानों की कमाई अटकी है, बल्कि व्यापारियों को भी खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भुगतान का सिस्टम पूरी तरह ऑनलाइन होने के कारण एक छोटी गलती भी बड़ा संकट बन गई है। कृषि विभाग के डीडीए ऑफिस में रोजाना किसानों की भीड़ लग रही है। अधिकारी सुधार कराने में लगे हैं, लेकिन शिकायतों का ढेर बढ़ता ही जा रहा है।

अफसर जुटे सुधार में, किसान कर रहे इंतजार

कृषि विभाग और मंडी प्रशासन लगातार किसानों के खातों की त्रुटियों को ठीक करने में जुटा है। डीडीए कार्यालय में बैंक कोड, खाता संख्या और आधार लिंकिंग के सुधार का कार्य चल रहा है। डीडीए कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही किसानों के खाते ठीक हो रहे हैं, राशि उनके खातों में पहुंच रही है।

भोपाल टूरिज्म में भ्रष्टाचार : 2 अधिकारी निलंबित

भोपाल। मध्यप्रदेश में शहडोल की तर्ज पर भोपाल टूरिज्म में भी भ्रष्टाचार हुआ है। मामले में जांच के बाद क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल कुरूप और इकाई प्रभारी अरविंद्र शर्मा पर गाज गिरी है। दोनों अधिकारी निलंबित किए गए हैं। एमपीटी के प्रबंध संचालक डॉ इलैया राजा टी ने कार्रवाई की है।

दरअसल बोट क्लब पर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के नाम पर खरीदी में जमकर गड़बड़ी हुई है। 15 हजार का पानी पुरी का काउंटर 2 लाख 95 हजार में खरीदा गया। 65 हजार की स्नैक ट्रॉली 4 लाख 13 हजार में खरीदी गई। 17 हजार कीमत का सूप स्पेशन, 50 हजार कीमत का आयरन पॉट 2 लाख 86 हजार 209 रुपए में खरीदा।

फ्लोटिंग रेस्टोरेंट अभी तैयार नहीं और पहले ही खरीदी 37 हजार कीमत का आईसी काउंटर 3 लाख 18 हजार 600 में खरीदा। एमपीटी ने करीब 80 लाख रुपए में 72 वस्तुएं खरीदी। जांच में 40 आइटम्स गायब मिले। खरीदे गए 72 आइटम्स में से सिर्फ 32 ही मिले। बोट क्लब पर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट अभी बनकर तैयार नहीं हुआ, पहले ही खरीदी कर ली। विंड एंड वेव्ज रेस्टोरेंट के नाम भी खरीदारी की गई।

हजारों की वस्तुएं लाखों में खरीदी गई

जांच में पाया गया कि खरीदी कोटेशन के नाम पर छोटे-छोटे बिलों में बांटकर की गई। 80 लाख रुपए में 72 आइटम्स खरीदना बताए गए। वित्त शाखा 22.37 लाख का भुगतान कर चुका है। हजारों की वस्तुएं लाखों में खरीदी गई।

भोपाल में एसआईआर का डोर-टू-डोर सर्वे शुरू

2029 बीएलओ-250 सुपरवाइजर मैदान में उतरे; फॉर्म भरकर देना होगी जानकारी

भोपाल। भोपाल में मंगलवार से वोटर लिस्ट के गहन परीक्षण यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की शुरुआत हो गई है। कुल 2029 बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और 250 सुपरवाइजर को सर्वे का जिम्मा सौंपा गया है। ये डोर-टू-डोर जाकर वोटर्स को फॉर्म देंगे, जिन्हें भरकर वोटर वापस इन्हें लौटाएंगे। 1 महीने तक यह काम चलेगा।

प्रत्येक बीएलओ को 3 बार तक घर जाना होगा और मतदाता को 'गणना पत्रक' देना होगा, जो दो प्रति में होगा। एक मतदाता के पास रहेगी और दूसरी बीएलओ के पास। वर्तमान में भोपाल जिले में कुल 21 लाख वोटर्स हैं। पहले दिन कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भी कई इलाकों में पहुंचकर फार्म वितरित किए। वहीं, सभी एसडीएम और तहसीलदार भी काम में जुटे रहे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया कि अगले चार से पांच दिन तक फॉर्म वितरण किया जाएगा। इसके बाद ये फॉर्म कलेक्ट किए जाएंगे। वहीं, आगामी प्रक्रिया होगी।

साल 2003 के बाद इस तरह से सर्वे

बता दें कि साल 2003 के बाद पहली बार वोटर लिस्ट का डोर-टू-डोर सर्वे किया जा रहा है। जिन लोगों के नाम 2003 की लिस्ट में नहीं हैं और वर्तमान लिस्ट में हैं, उन्हें बताना होगा कि परिवार में किसका नाम 2003 की लिस्ट में था। बीएलओ फॉर्म में दी गई जानकारी के आधार पर इसे वेरिफाई करेंगे। जानकारी सही होने पर ही नाम जुड़ेगा।

लिए जाएंगे

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि एसआईआर के तहत हर बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी सत्यापित करेगा। कोई दस्तावेज नहीं लिए जाएंगे। जो भी जानकारी दी जाएगी, उसका सत्यापन गणना पत्रक से किया जाएगा। जो अधिकारी काम में लापरवाही करेंगे, उन पर कार्रवाई होगी। बीएलओ वोटर्स को एक गणना पत्रक देंगे। जिसमें आपको अपनी पूरी जानकारी भरना होगी। इसमें नाम, पता, उम्र और एपिक नंबर जैसे जानकारी होगी। परिवार में किसी की मृत्यु होने, बाहर शिफ्ट हुए हैं या नाम दूसरे राज्य में दर्ज हैं। इन्हें संबंधित विधानसभा प्रभारी यानी, एसडीएम नोटिस देकर दस्तावेज मांगेंगे।

वोटर से कोई दस्तावेज नहीं

किसानों को 10 घंटे से ज्यादा बिजली देने पर रोक

तय समय से ज्यादा लाइट दी तो ऑपरेटर से लेकर जीएम तक की सैलरी कटेगी

भोपाल। मप्र में बोवनी के मौसम में एक तरफ जहां किसान खाद के लिए परेशान हैं तो दूसरी तरफ बिजली विभाग के एक फरमान ने किसानों का आक्रोश बढ़ा दिया है। दरअसल, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत मंडल कंपनी भोपाल के मुख्य महाप्रबंधक (संचालन/संधारण) एके जैन ने एक फरमान जारी किया है। इसमें किसी महीने में किसी भी कृषि फीडर पर एक दिन में 10 घंटे से ज्यादा बिजली की सप्लाई पाए जाने पर संबंधित ऑपरेटर का एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया है।

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता राहुल शर्मा ने इस आदेश की कॉपी एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, यह आदेश ध्यान से पढ़िए, भाजपा के नेता भाषण में कहते हैं, पर्याप्त बिजली देंगे और आदेश दे रहे हैं कि 10 घंटे से ज्यादा बिजली यदि किसी कर्मचारी ने दी तो तनख्वाह काट लेंगे.. दोहरा चरित्र और दोगलेपन की सारी सीमाएं लांगती हुई भाजपा की ये सरकार ! लगता है मोहन यादव जी ने कसम खा ली है कि किसानों को हर तरह से परेशान करना है। इस आदेश की कॉपी भोपाल और ग्वालियर के मुख्य महाप्रबंधकों के साथ ही मध्य क्षेत्र में आने वाले भोपाल, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, रायसेन, हरदा, विदिशा, ग्वालियर, अशोकनगर, गुना, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी और दतिया के महाप्रबंधकों को भेजी गई है।

जेई से लेकर जीएम तक की सैलरी कटेगी

यदि नियंत्रण कक्ष द्वारा किसी कृषि फीडर पर प्रतिदिन 2 दिन लगातार 10 घंटे से अधिक बिजली दी जाती है तो संबंधित सहायक अभियंता (जेई) का एक दिन का वेतन काटा जाएगा। लगातार 5 दिन तक ऐसा होने पर कार्यपालन अभियंता का 1 दिन का वेतन काटा जाएगा। यदि 7 दिन तक प्रतिदिन 10 घंटे से अधिक आपूर्ति पाई जाती है, तो उपमहाप्रबंधक या महाप्रबंधक के एक दिन का वेतन काटा जाएगा। आदेश में लिखा है कि यदि कहीं मिट्टी की नमी, खराब मौसम या तकनीकी कारणों से लोड बढ़ता है तो भी आपूर्ति 10 घंटे से अधिक नहीं की जानी चाहिए। कृषि फीडर मीटरों के समय रीडिंग के आधार पर प्रतिदिन 15 मिनट तक की त्रुटि सीमा निर्धारित की गई है। इससे अधिक बिजली देने पर इसे नियम उल्लंघन माना जाएगा। सभी अधीक्षण अभियंताओं, कार्यपालन अभियंताओं तथा सहायक अभियंताओं को इस आदेश का पालन सुनिश्चित करना होगा। उल्लंघन की रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी जाएगी।

डी-डुप्लीकेशन वाहनों की एंट्री शून्य करने वाला पहला राज्य बना मप्र

एक ही वाहन दो आरटीओ क्षेत्रों में होने से नहीं मिल पाता था डिजिटल सेवाओं का लाभ

भोपाल। मध्य प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य हो गया है, जिसने अपने राज्य से डी-डुप्लीकेशन वाहनों की ढ़ाई लाख एंट्रियों को हटा दिया है। यह आंकड़ा अब शून्य है। ये ऐसे सभी तरह के वाहन थे, जो एक आरटीओ जिले के साथ दूसरे जिले में भी रजिस्टर्ड थे। इन वाहनों के मालिकों को परिवहन विभाग की डिजिटल सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था और शिकायतें भी बढ़ रहीं थीं। इसका कारण पता बदल जाना व वाहन ट्रांसफर के बाद भी एंट्री सिस्टम में अपडेट न होना था। देशभर में ऐसे 35 लाख वाहन हैं। परिवहन विभाग ने मुहिम चलाकर इस काम को किया है।

सभी राज्यों के परिवहन विभाग के द्वारा वाहनों के पंजीयन एवं उनके स्थानांतरण के संबंध में विभिन्न आरटीओ कार्यालयों में समय-समय पर प्रविष्टियां की जाती हैं। पूर्व में कागजों पर संधारित रिकार्ड को डिजिटलाइज करने के दौरान एवं दूसरे आरटीओ के अधिकार क्षेत्र में वाहन के स्थानांतरित होने पर पूर्व के आरटीओ द्वारा एंट्री को डिलीट न किए जाने के कारण देश भर में 35 लाख वाहन ऐसे थे, जिनकी प्रविष्टि एक से अधिक आरटीओ में होने से उन वाहनों के स्वामियों को परिवहन विभाग की सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। परिवहन विभाग द्वारा एक विशेष मुहिम चलायी गयी और इसकी समीक्षा प्रत्येक पखवाड़े में वरिष्ठ स्तर पर किए जाने से मध्य प्रदेश में समस्त डुप्लीकेट एंट्रियों को सही कर दिया गया है। देश भर के समस्त बड़े राज्यों में डी डुप्लीकेशन की लंबित प्रविष्टियों को शून्य करने वाला मध्य प्रदेश देश पहला राज्य बन गया है।

क्यों परेशान थे ढ़ाई लाख वाहन मालिक

उदाहरण के लिए भोपाल में रहने वाले एक वाहन मालिक का ट्रांसफर उज्जैन जिले में हो गया, वहां अपना पता आदि बदलवा दिया। सभी जगह पता तो बदलवा दिया लेकिन पहले जिस जिले में रहते थे वहां के सिस्टम में एंट्री डिलीट नहीं हुई। इस कारण भोपाल व उज्जैन दोनों जिलों में वाहन मालिक को परिवहन विभाग की सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा। इन्हीं एंट्रियों को अब डिलीट कर दिया गया है। उपायुक्त परिवहन विभाग किरण कुमार का कहना है कि परिवहन विभाग ने डी-डुप्लीकेशन की ढ़ाई लाख एंट्रियों को डिलीट किया है। ऐसा करने वाला मप्र देश में पहला राज्य बना है। अब ढ़ाई लाख वाहन स्वामियों को परिवहन विभाग की डिजिटल सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

मप्र में सरकारी वकीलों की नियुक्ति में आरक्षित वर्गों और महिलाओं की भागीदारी नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने मांगा सरकारी वकीलों की नियुक्तियों का डाटा

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने एमपी के महाधिवक्ता कार्यालयों से लेकर जिला स्तर पर नियुक्त होने वाले सरकारी वकीलों की जानकारी मांगी है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एम सुंदरेश और जस्टिस सतीश शर्मा की खंडपीठ ने सरकार से दो सप्ताह में जवाब मांगा है। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय याचिका कर्ता एसोसिएशन की ओर से सीनियर एडवोकेट रामेश्वर सिंह ठाकुर, वरुण ठाकुर और विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि मध्य प्रदेश में ओबीसी, एससी, एसटी, की लगभग 88 प्रतिशत आबादी है और 49.8 प्रतिशत महिलाओं की आबादी है फिर भी महाधिवक्ता कार्यालय में इस वर्ग के अधिवक्ताओं को समुचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा रहा है। आरक्षित वर्गों और महिलाओं की भागीदारी न होने के कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में इन वर्गों के जजों का नाम मात्र का प्रतिनिधित्व है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट को बताया कि मध्य प्रदेश आरक्षण अधिनियम 1994 की धारा 2(बी) एवं 2(एफ) तथा धारा 3 एवं 4(2) मे स्पष्ट रूप से प्रावधान है कि महाधिवक्ता कार्यालय, जिला न्यायालयों, निगम, मंडल मे नियुक्त विधि अधिकारियों की नियुक्तियों मे आरक्षण लागू होगा। क्योंकि, सरकारी वकीलों को सरकार द्वारा राज्य की निधि (पब्लिक फण्ड) से निर्धारित सैलरी दी जाती है। महाधिवक्ता कार्यालय जबलपुर, इंदौर एवं ग्वालियर और सुप्रीम कोर्ट मे एडिशनल एडवोकेट जनरल, डिप्टी एडवोकेट जनरल, गवर्नमेंट एडवोकेट, डिप्टी गवर्नरमेन्ट एडवोकेट के 150 से ज्यादा सरकारी वकीलों के स्वीकृत पद हैं। इसके साथ ही 500 से ज्यादा पेनल लॉयर के पद हैं।

दो हफ्ते बाद होगी सुनवाई

प्रदेश के जिला न्यायालयों में एक हजार से ज्यादा पद हैं। निगम, मंडल और बैंकों को मिलाकर लगभग 1800 पद हैं।

बचे नक्सली जल्द करें सरेंडर या पुलिस का सामना करने को रहें तैयार

सीएम डॉ. मोहन यादव का लाल आतंक को सिंपल ऑफर और अल्टीमेटम

भोपाल। देश में आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा लाल आतंक दम तोड़ रहा है। हिंसक संगठन नक्सलवाद को मार्च 2026 तक जड़ से खत्म करने के लिए देश के गृह मंत्री अमित शाह ने डेडलाइन तय कर दी है। इसका जमीन पर असर भी दिखाई पड़ने लगा है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना झारखंड और ओडिशा के जंगलों में नक्सलवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों के ऑपरेशन लगातार जारी हैं। जिसमें लाखों रुपए के इनामी कई बड़े नक्सलवादी नेताओं को जवानों ने ढेर कर दिया है। वहीं, कई नामी नक्सली आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा से जुड़ रहे हैं।

गौरतलब है कि बालाघाट में 2 नवंबर को 14 लाख रुपए की इनामी नक्सली सुनीता ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ट्वीट कर इस जानकारी को साझा किया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि नक्सली सुनीता से बड़ी संख्या में हथियार व अन्य सामग्री बरामद की गई है। इस सफलता के लिए पुलिस बल प्रशंसा की पात्र है। अब जो कुछ नक्सली बचे हैं, वे आत्मसमर्पण करें या फिर पुलिस का सामना करने के लिए तैयार रहें।

अमित शाह की नीति का दिख रहा असर

बालाघाट में 12 साल बाद किसी नक्सली ने यह आत्मसमर्पण है। सरेंडर करने वाली युवती का नाम सुनीता बताया जा रहा है और वो छत्तीसगढ़ के बीजापुर की निवासी है। वह बालाघाट में नक्सली गार्ड के रूप में काम कर रही थी। यह आत्मसमर्पण मध्य प्रदेश नक्सली पुनर्वास सह राहत नीति 2023 के तहत हुआ। इससे पहले साल 2013 में एक नक्सली ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। अब एक महिला नक्सली ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला किया। फिलहाल, गृहमंत्री अमित शाह द्वारा नक्सलियों के लिए समर्पण नीति लाई है। जिसके तहत नक्सलवाद को जड़ से साफ किया जा रहा है।

आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौट रहे नक्सली

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश सहित नक्सल प्रभावित राज्यों में केंद्र सरकार द्वारा नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे सघन अभियान से नक्सलवाद की कमर टूट गई है। इस वजह से नक्सली आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं। बीते कुछ महीनों में छत्तीसगढ़ में पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली। सैकड़ों नक्सलियों ने सरकार के सामने लाल आतंक का रास्ता छोड़कर अपनी जिंदगी फिर से शुरू करने का फैसला किया था।

गेहूं और धान की खरीदी नहीं करेगी मप्र सरकार

- राज्य सरकार के ऊपर 72177 करोड़ का कर्ज

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार गेहूं और धान की खरीदी से बाहर निकलने की तैयारी कर रही है। राज्य सरकार का कहना है, गेहूं की सरकारी खरीद 77.14 लाख मैट्रिक टन तथा धान की खरीदी 43.49 लाख मैट्रिक टन पर पहुंच गई है। खरीदी भंडारण परिवहन इत्यादि में राज्य सरकार को भारी खर्च करना पड़ रहा है। फूड कॉरपोरेशन आफ इंडिया और केंद्र सरकार द्वारा भुगतान में विलंब किए जाने तथा बैंक से लिए गए कर्ज की ब्याज राशि बढ़ने के कारण राज्य सरकार के ऊपर आर्थिक भार साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है। राज्य सरकार के ऊपर गेहूं और धान की खरीदी से कर्ज का बोझ बढ़ता ही जा रहा है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा है, धान और गेहूं की खरीदी केंद्र सरकार स्वयं करे। गेहूं और धान की खरीदी केंद्रीकृत व्यवस्था के तहत होनी चाहिए। राज्य सरकार के ऊपर कर्ज और खरीदी लागत लगातार बढ़ती चली जा रही है। जिसका भुगतान केंद्र सरकार नहीं करती है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने केंद्र सरकार को लिखे पत्र में कहा है, फूड कॉरपोरेशन आफ इंडिया राज्य सरकार द्वारा खरीदे गए गेहूं और धान का स्टॉक उठाता है। इसके भुगतान में काफी विलंब होता है। कई अन्य तरह की समस्याओं का सामना भी राज्य सरकार को करना पड़ता है। राज्य सरकार ने जिस तरीके से गेहूं और धान के समर्थन मूल्य की खरीदी से हाथ खड़े किए हैं उसके बाद यह मामला गंभीर हो गया है।

केंद्र सरकार हर राज्य के लिए गेहूं और धान की खरीदी का कोटा तय करती है। राज्य सरकार को उससे ज्यादा गेहूं और धान को खरीदना पड़ता है। केंद्र सरकार तय कोटे से ज्यादा समर्थन मूल्य की खरीदे गये गेहूं एवं धान को नहीं उठाता है। राज्य सरकार समर्थन मूल्य से ज्यादा किसानों को भुगतान करती है। केंद्र सरकार द्वारा उसकी भरपाई नहीं की जाती है। जिसके कारण राज्य सरकार के ऊपर वित्तीय भार बढ़ता चला जा रहा है। राज्य सरकार के ऊपर बैंकों से लिया गया कर्ज 72177 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। जिसके कारण सरकार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को अपने खर्च के लिए वैसे ही कर्ज लेना पड़ रहा है। समर्थन मूल्य की खरीदी को लेकर सरकार के ऊपर दोहरा आर्थिक भार पड़ रहा है।

पीएससी से चयनित सहायक प्राध्यापकों को 15 नवंबर से पहले नियुक्ति

भोपाल। प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में प्राध्यापकों की कमी जल्द दूर होने वाली है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सहायक प्राध्यापकों की 2022 में लोक सेवा आयोग के माध्यम से कराई गई भर्ती प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जा रहा है। सहायक प्राध्यापक के लिए चयनित सभी अभ्यर्थियों को अगले 15 दिन के भीतर नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। हालांकि 1669 पदों के अलग-अलग विषयों के सहायक प्राध्यापकों को नियुक्ति पत्र देने का सिलसिला दीपावली से पहले ही शुरू हो गया था।

आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची वोल्वार्ईट, मंधाना दूसरे नंबर पर फिसली

गेंदबाजी में मारिजान दूसरे नंबर पर पहुंची

दुबई। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गयी हैं। लौरा ने भारतीय टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। विश्वकप में शानदार बल्लेबाजी के बाद वोल्वार्ड्ट के अब 814 रेटिंग अंक हैं। वहीं मंधाना 811 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर फिसल गई हैं। वोल्वार्ड्ट ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 169 रन जबकि भारतीय टीम के खिलाफ फाइनल में शतक लगाया था।

वोल्वार्ड्ट ने विश्वकप में 9 मैचों में रिकॉर्ड 571 रन बनाये हैं। यह टूर्नामेंट के किस एक संस्करण में किसी खिलाड़ी के सबसे अधिक रन हैं। वहीं मंधाना टूर्नामेंट में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाजी रहीं है। उन्होंने नौ मैचों में 434 रन बनाये हैं जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। वहीं भारत की युवा बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स भी शीर्ष 10 में पहुंच गयी हैं। जैमिमा के 658 अंक हैं और वह दसवें स्थान पर हैं। जेमिमा ने सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन बनाकर भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी जीत दिलायी थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी संयुक्त रूप से सातवें 669 वें स्थान पर पहुंच गईं हैं।

न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सोफी डिवाइन के भी 669 अंक हैं। सोफी ने इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया था। ऑस्ट्रेलिया की फोबे लिचफील्ड 13 स्थान के लाभ के साथ ही करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग पर पहुंच गयी हैं। उनके 637 रेटिंग अंक हैं1 भारतीय टीम की कप्तान हमनप्रीत कौर 634 रेटिंग अंक साथ ही संयुक्त रूप से 14वें नंबर पर हैं। इंग्लैंड की एमी जोन्स के भी 634 रेटिंग अंक हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भी बदलाव आया है। दक्षिण अफ्रीका की मारिजान कप्प दो स्थान के लाभ के साथ ही 712 की रेटिंग अंक लेकर दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं सोफी के 747 अंक लेकर अभी भी नंबर एक पर बनी है।

ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड छठे और किम गार्थ एक-एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की स्पिनर श्री चरणी सात स्थान की छलांग लगाकर 511 अंक लेकर 23 वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। वहीं

वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए स्पिनर गुडाकेश को ब्रेक दिया

जमैका। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने पांच नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में स्पिनर गुडाकेश मोती को शामिल नहीं किया गया है। बोर्ड के अनुसार गुडाकेश को ब्रेक दिया गया है जिससे कि वह फार्म हासिल कर सकें। अब वह रॉयल्स स्पोर्ट्स ग्रुप के साथ मिलकर अपने एक्शन को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। बोर्ड ने यह भी साफ किया कि वह अब भी टी20 विश्व कप 2026 के लिए चयन की योजना में शामिल हैं। वहीं टीम में तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्डे को शामिल किया गया है जबकि शमार स्प्रिंगर को पहली बार अवसर मिला है। वहीं रेमन सीमंड्स और जेडियाह ब्लेड्स चोट के कारण शामिल नहीं किये ये हैं। बाहर हैं। टीम प्रबंधन ने इस बार टीम में एक क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट क्रिसनन हर्डल, को शामिल किया है। वह खिलाड़ियों को दबाव का सामना करना सिखाएंगे।

वेस्टइंडीज क्रिकेट निदेशक माइल्स बासकॉम्ब ने कहा, उच्च स्तर पर सफलता सिर्फ तकनीकी कौशल पर नहीं, बल्कि मानसिक मजबूती और एकाग्रता पर भी निर्भर करती है। यह नियुक्ति खिलाड़ियों को मानसिक रूप से और मजबूत बनाएगी।

टी20 सीरीज की शुरुआत 5 नवंबर से ऑकलैंड के ईडन पार्क में होगी, जिसके बाद तीन वनडे

वेस्टइंडीज टीम शाई होप (कप्तान), एलेक अथानाज़े, एकीम ऑगस्टे, रोस्टन चेज़, मैथ्यू फोर्डे, जेसन होल्डर, अकेल होसिन, आमिर जंगू, ब्रैंडन किंग, खारी पियरे, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमैरियो शेफर्ड, शमार स्प्रिंगर।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 में भारतीय टीम शायद ही बदलाव करे

राणा और सैमसन की वापसी संभव नहीं

गोल्डकोस्ट। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी20 क्रिकेट मैच में बिना किसी बदलाव के उतरेगी। टीम ने तीसरे टी20 मैच में जो तीन बदलाव किये थे जो सफल रहे थे और टीम का जीत मिली थी। ऐसे में अब उसका लक्ष्य टीम संयोजन में बदलाव से बचना रहेगा। इस सीरीज में अभी दोनो ही टीमों ने 1-1 मैच जीते हैं। ऐसे में दोनो टीमों का ही लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज में बढ़त देना होगा। इस मैच में तेज गेंदबाज हर्षित राणा और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भी शामिल किये जाने की संभावना नहीं है। वहीं स्पिनर कुलदीप यादव पहले ही भारत लौट आए हैं। ऐसे में चौथे मैच में जितेश शर्मा, अर्शदीप सिंह और वाशिंगटन सुंदर का खेलना तय है। इन तीनो ने ही तीसरे मैच में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जितेश ने अच्छी बल्लेबाजी की वहीं अर्शदीप ने तीन विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। चौथे मैच में भारतीय टीम अंतिम ग्यारह में बदलाव नहीं करेगी पर उसके लिए सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का फॉर्म में नहीं होना चिंता का कारण होगा।

संभावित अंतिम ग्यारह

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उप-कप्तान), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

शैफाली ने एक बार फिर अपने को साबित किया

मुम्बई। महिला विश्वकप क्रिकेट फाइनल में शानदार प्रदर्शन करने वाली शैफाली वर्मा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा साबित की है। शैफाली ने इस विश्वकप से शानदार वापसी भी की है क्योंकि शुरुआत में वह 15 सदस्यीय टीम में भी शामिल नहीं थी। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद शैफाली को मौका मिला और उन्होंने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया। शैफाली ने गेंद और बल्ले दोनो में ही शानदार प्रदर्शन कर अपने चयन को सही साबित किया। वह भारत की सबसे कम 15 साल की उम्र में टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाली खिलाड़ी बनीं थी। उनकी निडर बल्लेबाजी स्टाइल की तुलना वीरेंद्र सहवाग से जाती रही है पर लय खोने के कारण वह टीम से बाहर हो गयीं थीं। पिछले साल व्हाइट-बॉल टीमों से बाहर किए जाने के बाद शैफाली ने घरेलू क्रिकेट से लय हासिल की। विश्कप के लिए बुलाए जाने से पहले उसने घरेलू सत्र में सबसे अधिक रन बनाये थे। हरमनप्रीत ने भी माना कि शफाली का टीम में शामिल होना किसी दैवीय चमत्कार जैसा लगा। कप्तान ने कहा, यह सब किस्मत है। हम नहीं चाहते थे कि उसे रिप्लेसमेंट जैसा महसूस हो और उसने दिखाया कि क्यों। 21 साल की उम्र में, शफाली के नाम कई रिकार्ड हैं।

हरमनप्रीत को नहीं मिली जगह

दुबई। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट की घोषणा की है। इसमें भारत की तीन खिलाड़ियों स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को शामिल किया है। हैरानी की बात है कि इसमें भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का नाम नहीं है। दक्षिण अफ्रीका की भी 3 खिलाड़ी इस टीम में शामिल हैं, जिनमें कप्तान लॉरा वोल्वार्ट, ऑलराउंडर मारिजैन काप और नडीन डीक्लर्क शामिल हैं। वोल्वार्ट को आईसीसी ने टीम का कप्तान बनाया है। ऑस्ट्रेलिया की भी तीन खिलाड़ी खिलाड़ियों ऐश गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड और एलाना किंग को भी इस टीम में जगह मिली है पर इंग्लैंड की एक ही खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन ही अंतिम ग्यारह में शामिल है। टीम में पाकिस्तान की सिद्रा नवाज को विकेटकीपर के तौर पर रखा गया है 12वें नंबर पर इंग्लैंड की नैट स्कीवर ब्रंट को जगह दी गयी है।

जितेश की कप्तानी में राइजिंग स्टार्स एशिया कप में उतरेगी भारत ए टीम

मुम्बई । जितेश शर्मा की कप्तानी में भारत ए टीम कतर में 14 नववर से शुरु हो रहे राइजिंग स्टार्स एशिया कप में उतरेगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) का यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर तक दोहा के वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 16 नवंबर को भारत ए का मुकाबला पाकिस्तान ए टीम से होगा। वहीं 23 नवंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के ग्रुप ए में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका हैं, जबकि ग्रुप बी में भारत, ओमान, पाकिस्तान और यूएई को रखा गया है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत साल 2013 में हुई थी. अब तक इसके छह सत्र खेले गये है।. टूर्नामेंट की शुरुआत अंडर-23 के रूप में हुई थी और बाद में इसे 'ए' टीमों के बची खेला जाने लगा है। पाकिस्तान और श्रीलंका की ए टीमों ने इसे दो-दो बार जीता है, जबकि भारत और अफगानिस्तान की ए टीमों ने

इसे एक-एक बार जीता है। साल 2024 में श्रीलंका को हराकर अफगानिस्तान डिफेंडिंग चैंपियन विजेता बनी थी।

टी-20 प्रारुप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में में तीन एसोसिएट टीम यानी हांगकांग, ओमान और यूएई की टीमें भी उतरेंगी। इन तीनों को ही मुख्य टीम उतारने की अनुमति है।

भारत ए टीम इस प्रकार है = जितेश शर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, नमन धीर (उपकप्तान), सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजापनीत सिंह, विजय कुमार वैश्य, युद्धवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर) और सुयश शर्मा

स्टैंड-बाय खिलाड़ी= गुरनूर सिंह बराड़, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी और शेख रशीद।

प्रतिका को आईसीसी नियमों के कारण नहीं मिला पदक

मुम्बई । भारतीय महिता क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत में सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतिका हालांकि चोटिल हो जाने के कारण सेमीफाइनल और फाइनल नहीं खेल पायीं पर वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी रहीं। आईसीसी के नियमों के कारण उन्हें विश्व कप विजेता का पदक नहीं मिला। बांग्लादेश के खिलाफ ग्रुप-स्तर के मुकाबले के दौरान टखने में चोट लगने के बाद प्रतिका को बाहर होना पड़ा था। उन्होंने छह पारियों में 51.33 की औसत से 308 रन बनाए थे, जिसमें कई बड़ी पारियां शामिल थीं और उनके कारण ही भारतीय टीम सेमीफाइनल तक पहुंची। प्रतिका के फिट नहीं होने के कारण उनकी जगह शेफाली वर्मा को टीम में शामिल किया .

आईसीसी के नियमों के अनुसार विश्व कप पदक केवल टीम में शामिल 15 खिलाड़ियों को ही दिए जाते हैं। प्रतिका को सेमीफाइनल से पहले ही बदल दिया गया था। इसलिए उन्हें पदक नहीं मिल पाया। इससे पहले साल 2003 के पुरुष विश्व कप में भी यही स्थिति हुई थी, जब ऑस्ट्रेलिया के जेसन गिलेस्पी ने चार मैचों में आठ विकेट लिए थे पर चोट के कारण सेमीफाइनल से पहले वह भी टीम से बाहर हो गये थे। इस कारण उन्हें भी पदक नहीं मिला था। अवॉर्ड समारोह में प्रतिक टीम के साथ स्टेज पर मौजूद थीं। उन्होंने व्हीलचेयर पर बैठकर खिताबी जीत का जश्न मनाया।

हरमनप्रीत कमाई के मामले में भी अव्वल

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने आईसीसी विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिलाकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। 36 साल की हरमनप्रीत महिला विश्व कप जीतने वाली सबसे अधिक उम्र की कप्तान हैं। खेल के साथ ही हरमनप्रीत कमाई के मामले में भी पीछे नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय कप्तान के पास तकरीबन 25 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

उन्हें क्रिकेट बोर्ड से मिलने वाले वेतन और अनुबंध राशि के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई होती है। इसके अलावा वह महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में मुंबई इंडियंस की कप्तान भी हैं।

हरमनीप्रीत को बोर्ड ने ए वर्ग में अनुबंधित किया है। इसके तहत उन्हें हर साल 50 लाख रुपये की राशि मिलती है। वहीं एक टेस्ट मैच के लिए जहां इस अनुबंध के तहत उन्हें 15 लाख रुपये दिए जाते हैं, वहीं एक एकदिवसीय मैच के लिए 6 लाख रुपये मिलते हैं। इसके अलावा टी20 प्रारुप में खेलने के लिए एक मैच के 3 लाख रुपये मिलते हैं।

इसके अलावा उन्हें मुंबई इंडियंस की कप्तान के रूप में हर सत्र में 1.80 करोड़ रुपये का वेतन मिलता है। इसके अलावा वह विदेशी लीग्स में खेलकर भी काफी कमाई करती हैं। उन्हें पंजाब पुलिस में पुलिस उपाधीक्षक का पद भी मिला है। उससे भी उन्हें वेतन मिलता है।

हरमनप्रीत कई बड़े ब्रांडों के एंडोर्समेंट से भी पैसे कमाती हैं। वह हर साल उन्हें इसके जरिए 40 से 50 लाख रुपये तक कमाती हैं। वह एचडीएफसी लाइफ, आईटीसी, बूस्ट, सीएट, पूमा, टाट सफारी, एशियन पेंट आदि ब्रांड से जुड़ी हैं।

उनके पास पटियाला में एक आलीशान बंगला है। इसके अलाव मुम्बई में भी एक लग्जरी घर है, ये उन्होंने साल 2013 में खरीदा था। उनके पास कई महंगी कार-बाइक वह विंटेज जीप हैं।

यशस्वी ने रणजी में शतक के साथ ही पूरे किये 1000 रन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज यशस्वी आजकल रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। यशस्वी ने रणजी में मुंबई की ओर से शतक लगाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यशस्वी ने रणजी में अपना पांचवां शतक लगाने के साथ ही घरेलू क्रिकेट में 1000 रन भी पूरे किये हैं।

यशस्वी ने राजस्थान के खिलाफ जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में मुंबई की ओर से दूसरी पारी में शतक लगाया। राजस्थान की टीम ने अपनी पहली पारी 617/7 का विशाल स्कोर बनाने के बाद घोषित की थी। वहीं मुंबई ने पहली पारी में 254 रन बनाए थे। पहली पारी में पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में मुंबई के लिए पारी की शुरुआत करते हुए यशस्वी ने 120 गेंदों पर 11 चौकों की सहायता से शतक लगाया। इस मैच की पहली पारी में उन्होंने अर्धशतक लगाया था और वह 67 रनों पर आउट हुए थे। वहीं राजस्थान की ओर से दीपक हुड्डा ने 248 और कार्तिक शर्मा ने 139 रन बनाये थे। यशस्वी के शतक से टीम हार से बची हुई है।

यशस्वी ने शतक के साथ ही रणजी में अपने 1000 रनों का आंकड़ा भी हासिल कर

लिया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका ये 17वां शतक है, क्योंकि 7 शतक उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में हैं। 5 शतक रणजी ट्रॉफी में और 5 अन्य फर्स्ट क्लास मैचों में उनके नाम हैं। 2-2 शतक उन्होंने रेस्ट ऑफ इंडिया और वेस्ट जोन के लिए लगाये हैं, जबकि एक शतक उन्होंने इंडिया ए के लिए लगाया है। 11 मैचों की 21 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए वह अब तक 1000 से ज्यादा रन बना चुके हैं। रणजी ट्रॉफी में उनका सर्वाधिक स्कोर 181 रन है।

विश्व कप जीत से बदल जाएगा महिला क्रिकेट - अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत को क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। अश्विन ने कहा कि यह जीत किसी भी अन्य विश्व कप जीत से बड़ी और प्रभावी इसलिए है क्योंकि इससे उभरती हुई क्रिकेटरों को प्रेरणा मिलती है।

अश्विन ने कहा, इस जीत में वो ताकत है जो देशभर की लड़कियों को क्रिकेट अपनाने और इसमें करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगी। इससे भारतीय महिला क्रिकेट को लेकर लोगों के रवैये में भी बदलाव आयेगा।। यह जीत आने वाली पीढ़ियों के लिए काफी अहम साबित होगी। उन्होंने कहा, यह केवल ट्रॉफी जीतना नहीं है, यह उस सोच को भी बदल लेगी जो महिला क्रिकेट को सीमित मानती थी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता है। इससे पहले दो बार भारतीय टीम फाइनल में पहुंची थी पर खिताब नहीं जीत पायी थी।

शैफाली सीनियर अंतरक्षेत्रीय टी20 ट्रॉफी में उत्तर क्षेत्र की कप्तानी करेंगी

नई दिल्ली। महिला विश्वकप फाइनल में शानदार बल्लेबाजी करने वाली सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सीनियर अंतरक्षेत्रीय टी20 ट्रॉफी में उत्तर क्षेत्र की कप्तान बनायी गयी हैं। नगालैंड में चार से 14 नवंबर तक चलने वाले सीनियर महिला अंतरक्षेत्रीय टी20 ट्रॉफी में छह टीमें भाग ले रही हैं।

उत्तर क्षेत्र- शेफाली वर्मा (कप्तान), श्वेता सहरावत (उप-कप्तान), दीया यादव, आयुषी सोनी, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), एसएम सिंह, भारती रावल, बवनदीप कौर, मन्नत कश्यप, अमनदीप कौर, कोमलप्रीत कौर, अनन्या शर्मा, सोनी यादव, नाज़मा, नंदिनी।

कश्मीर में आईएचपीएल लीग के आयोजक भागे, गेल सहित कई पूर्व सितारे होटल में फंसे

श्रीनगर। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल सहित कई पूर्व क्रिकेटर यहां धोखाधड़ी का शिकार होने के कारण एक होटल में फंसे हुए हैं। कश्मीर से नई क्रिकेट प्रतिभाओं की तलाश के लिए आयोजित इंडियन हेवन प्रीमियर लीग (आईएचपीएल) के लिए ये दिग्गज आमंत्रण मिलने पर यहां पहुंचे थे लेकिन ये लीग फर्जी निकली और क्रिकेटरों को होटल में छोड़कर आयोजक भाग गये। इन क्रिकेटरों के होटल का बिल अब कौन देगा ये सवाल भी उठ रहा है। आईएचपीएल अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में यहां बड़े तामझाम के साथ शुरू हुई थी। गेल के अलावा डेवोन स्मिथ, जेसी राइडर और शाकिब-अल-हसन के पोस्टर तक कई जगह लगाये गये थे। इसमें दावा किया गया था कि स्थानीय खिलाड़ियों के साथ ये सितारे इस लीग में खेलेंगे। इसके अधिकतर मैच बख्शी स्टेडियम में खेले गए पर अचानक ही ये लीग बंद हो गयी क्योंकि खिलाड़ियों ने पैसा नहीं मिलने के कारण मैचों में आने से मना कर दिया। इसके बाद आयोजक भी भाग गये। इससे होटल वालों ने खिलाड़ियों को बिन बिल दिये बाहर जाने से भी रोक दिया है।

अब अगले साल ही मैदान पर उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। आईसीसी एकदिवसीय महिला विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम अब अगले साल की शुरुआत में ही मैदान में उतरेगी। ऐसे में उसकी खिलाड़ियों के पास जीत का जश्न मनाने के साथ ही खेल से ब्रेक लेने का भी अच्छा समय है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता है। भारतीय टीम को अब फरवरी 2026 में ही ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में तीन टी20, तीन एकदिवसीय और एक टेस्ट मैच खेलना है। इस दौरे की शुरुआत टी20 सीरीज से होगी। इसके बाद एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज रखी गयी है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच पहला टी20 मैच 15 फरवरी को सिडनी में खेला जाएगा। वहीं सीरीज का दूसरा

टी20 मैच 19 को कैनबरा में जबकि आखिरी टी20 मैच 21 फरवरी को एडिलेडे में होगा। टी20 के बाद एकदिवसीय सीरीज 24 फरवरी से बिस्ब्रेन में शुरु होगी। वहीं दूसरा एकदिवसीय 27 फरवरी जबकि तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच एक मार्च को होबार्ट में खेला जाएगा। इसके बाद6 मार्च से पर्थ में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद भारतीय महिला टीम इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। टीम मई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इसमें उसे 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का आयोजन 28 मई से 2 जून तक होगा। इसके बाद टीम इंडिया को टी20 विश्व कप में खेलना है जिसका आयोजन इंग्लैंड में ही होना है। टी20 विश्व कप में भारतीय टीम 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।यह मुकाबला बर्मिंघम में खेला जाएगा।

कियोस्क संचालक ने निकाले खातों से लाखो रूपये, कार्यवाही के आदेश

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या, 90 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 04 नवम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, एसडीएम गोपाल सोनी व डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, श्रीस प्यासी ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 90 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में बिरसा तहसील के ग्राम रेहंगी के निवासी भैयालाल फुंदे एवं धुरनबाई फुंदे शिकायत लेकर आए थे कि उनके खाते से बगैर उनके अनुमति के 02 लाख 69 हजार 157 रुपए की राशि निकाली गई है। भैयालाल ने बताया कि उसका और उसकी पत्नी धुरनबाई का भारतीय स्टेट बैंक मोहगांव में बचत खाता है तथा उन दोनो के खाते से 01 लाख 40 हजार एवं 01 लाख 29 हजार 157 की राशि बगैर उनके अनुमति के कियोस्?क संचालक गौरव मिश्रा द्वारा निकाली गई है। इसी प्रकार की शिकायत रेहंगी की ही ईमलाबाई परते के खाते से 52 हजार रुपए, कैमताबाई कांत के खाते से 26 हजार रुपए तथा ग्राम पौनी के भीमा राउत के खाते से 20 हजार रुपए की राशि बगैर उनके अनुमति के निकाली गई है। अत- कियोस्क संचालक गौरव मिश्रा पर कार्यवाही करते हुए हितग्राहियों को उनकी राशि वापस दिलायी जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम दिघोरी निवासी दुर्गाप्रसाद ठकरेले उसे ओक्ट्रियोटाईड लॉग एक्टिंग रिलिज इंजेक्शन 20 एमजी, नेटोक्टा लार 20 एमजी उपलब्ध कराने की मांग लेकर आए थे। दुर्गाप्रसाद ब्रेन ट्यूमर से ग्रसित है एवं उसका ऑपरेशन रायपुर एम्स में हो चुका है। दुर्गाप्रसाद को प्रतिमाह यह इंजेक्शन लगाना होता है, जिसकी कीमत 32 हजार रुपए है। दुर्गाप्रसाद की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है जिसके चलते दुर्गाप्रसाद का परिवार इतना महंगा इंजेक्शन खरीदने में सक्षम नही है। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है।

जनसुनवाई में लालबर्रा तहसील के ग्राम पाथरी निवासी गुलशन पारधी स्वयं के लिए रोजगार की मांग लेकर आए थे। गुलशन ने बताया कि वह शारीरिक रूप से विकलांग है, जिस कारण उसे कहीं भी कोई काम उपलब्ध नही करा रहा है। गुलशन ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि उसे किसी शासकीय कार्यालय में आवश्यकता अनुसार कोई भी काम उपलब्ध कराया जाए। इस प्रकरण में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को गुलशन के प्रकरण पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में परसवाड़ा तहसील के ग्राम झिरिया की छात्रा मुस्कान मरकाम अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास बालाघाट में प्रवेश दिलाने की मांग लेकर आयी थीं। मुस्कान का कहना था कि उसने कन्या छात्रावास में रहकर बीएससी की परीक्षा 62 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण कर ली है और वह आगे की पढ़ाई जारी रखना चाहती है। वह अत्यंत गरीब आदिवासी परिवार से है और छात्रावास में रहकर आगे की पढ़ाई करना चाहती है। अत- उसे कन्या छात्रावास में नवीन प्रवेश दिलाया जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त को इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर ने ली शासकीय व अशासकीय कालेजों के प्राचार्यो की बैठक

तीन प्राध्यापकों को 01 दिन का वेतन काटने का नोटिस जारी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 04 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं छात्रवृत्ति का कार्य देखने वाले प्राध्यापकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बालाघाट, लांजी, किरनापुर, परसवाड़ा, बैहर, कटंगी, लालबर्रा, तिरोड़ी, खैरलांजी, लामता एवं हट्टा कालेज के प्राचार्य एवं प्राध्यापक शामिल हुए।

कलेक्टर मृणाल मीना ने बैठक में निर्देशित किया कि वे सभी छात्र-छात्राओं के आधार प्रमाणीकरण (ओटीआर) को अतिशीघ्र पूरा कराएं, ताकि छात्रवृत्ति सभी बच्चों को आसानी से मिल सके। उन्होंने कहा कि यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बैठक में पूर्व सूचना के बाद भी अनुपस्थित रहने पर बालाघाट शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की डॉ. निधी ठाकुर, किरनापुर की डॉ. सुनीता जैन और लांजी के डॉ. आर आर सोनेवाने को एक दिन का वेतन काटने के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये । कलेक्टर ने कहा कि सूचना के बाद भी बैठक में अनुपस्थित रहना गंभीर मामला है और इस पर कार्यवाही की जायेगी।

दो बालिकाओ का प्रदेश की जूनियर वॉलीबॉल टीम में हुआ चयन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट की 02 बालिकाओ का मध्यप्रदेश की जूनियर वॉलीबॉल टीम में चयन किया गया है। संस्था में कार्यरत पीटीआई कमल किशोर तेलासे ने बताया कि खेल कैलेंडर के अनुसार राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन रीवा में किया गया था। इस प्रतियोगिता में कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट की 04 बालिकाएं सम्मिलित हुई थी। जिसमें आयशा मेरावी और मोनिका मरकाम का चयन राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता बरैली उत्तरप्रदेश के लिए किया गया है।

अब यह दोनों बालिकायें मध्यप्रदेश की टीम से खेलेंगी, यह विद्यालय और जिले के लिए गौरव की बात है कि एक स्कूल से 2 बच्चों का चयन राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। पीटीआई तेलासे ने बताया कि यह दोनो बालिकायें 04 नवम्बर को प्री नेशनल कैम्प के लिए रवाना हो गई है। कैम्प रीवा में 4 से 8 नवम्बर तक आयोजित होगा। कैम्प के पश्चात टीम बरेली उत्तरप्रदेश के लिए रवाना होगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 11 नवम्बर से 15 नवंबर बरेली में आयोजित होगी दोनों।

श्री तेलासे ने बताया है कि यह दोनो बालिकायें बैहर के ग्रामीण अंचल से आकर कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट में अध्ययन कर रही हैं। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, संस्था के प्राचार्य श्री पीके अंगूरे, जिला खेल प्रभारी डीके मेश्राम, श्री आर एस कुशराम कोच एथलेटिक्स जिला संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारें, कराटे प्रशिक्षण प्रशिक्षक साजिद कृष्णन कुट्टी, आकाशवाणी उद्घोशक अजय ठाकुर, शैलेंद्र यादव, समस्त पीटीआई एवं संस्था के समस्त स्टाफ ने दोनो बालिकाओ को राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं।

कलेक्टर ने ली स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

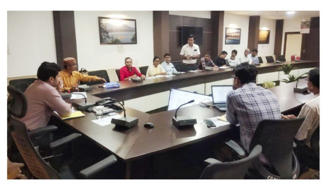

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 4 नवंबर कों कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी बीआरसी को सख्त निर्देश दिए कि वे छात्रों को किताबें तुरंत वितरित करें ताकि उनकी पढ़ाई में किसी भी प्रकार की रुकावट न आने पाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी छात्रों को समय पर किताबें मिल जाएं। इस दौरान डीपीसी और बीआरसी उपस्थित रहें।

कलेक्टर श्री मीना ने बैहर और वारासिवनी के बीआरसी को निर्देश दिया कि वे शीघ्र सभी छात्रों की मैपिंग का काम पूरा करें ताकि उन्हें गणवेश की राशि मिल सके। उन्होंने कहा कि यदि राशि नहीं मिलेगी तो वे गणवेश नहीं ले पाएंगे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए अपने कार्यों को करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा और छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने होंगे।

केश शिल्पी सेन नाई समाज का दिवाली मिलन समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी केश शिल्पी सेन नाई समाज द्वारा दिवाली मिलन समारोह बड़े उत्साह और सौहार्द्र के वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम कमला नेहरू भवन में आयोजित किया गया, जिसमें समाज के सैकड़ों सामाजिक बंधु एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सेन समाज के आराध्य देव संत शिरोमणि नंदा सेन महाराज जी के श्री चरणों में वंदन, पुष्पमाला अर्पित कर एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ सेन चौक से किया गया। तत्पश्चात सम्माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी, युवा मोर्चा, नगर मोर्चा तथा महिला मोर्चा के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम में सेलून पार्लर व्यवसाय से जुड़े भाइयों सहित समाज के अनेक सामाजिक बंधु बड़ी संख्या में शामिल हुए। जिला अध्यक्ष रवि नागपुरकर ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा देने और समाज को एकजुट करने के लिए हम सभी मिलकर कार्य कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य सेन समाज को एक सशक्त, संगठित और विकसित समाज के रूप में आगे बढ़ाना है। समारोह के दौरान समाज के विकास में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए समाज में एकता और सहयोग की भावना बनाए रखने का संकल्प लिया।

बिहार चुनाव : महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने की घोषणा

महिलाओं को 14 जनवरी को मिलेंगे 30 हजार एकमुश्त

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण से पहले महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने मंगलवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में महागठबंधन की सरकार बनती है, तो महिलाओं को 'माई बहिन योजना' के तहत एकमुश्त 30 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। तेजस्वी ने वादा किया कि 14 जनवरी को यह पैसा सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजा जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा, हमारी सरकार बनते ही माता-बहनों के खाते में एक साल की पूरी राशि डाल दी जाएगी। अब बदलाव का वक्त आ गया है। तेजस्वी की इस घोषणा को अंतिम समय में मास्टरस्ट्रोक की तरह देखा जा रहा है।

कर्मचारियों को मिलेगी पोस्टिंग में राहत

तेजस्वी ने सरकारी कर्मचारियों के लिए भी राहत भरी घोषणा की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की पोस्टिंग गृह जिले से अधिकतम 70 किलोमीटर की दूरी पर की जाएगी, ताकि उन्हें अपने परिवार से दूर रहकर दिक्कत न झेलनी पड़े।

किसानों को सिंचाई के लिए मिलेगी मुफ्त बिजली

किसानों के हित में तेजस्वी ने एक और बड़ा वादा किया। उन्होंने कहा कि सिंचाई के लिए किसानों को बिजली पूरी तरह मुफ्त दी जाएगी। वर्तमान में राज्य सरकार किसानों से 55 पैसे प्रति यूनिट वसूलती है, लेकिन नई सरकार बनने पर यह खर्च सरकार खुद उठाएगी।

पैक्स को जनप्रतिनिधि का दर्जा देने का किया वादा

तेजस्वी यादव ने यह भी घोषणा की कि राज्य के 8463 पैक्स (व्यापार मंडल) को जनप्रतिनिधि का दर्जा दिया जाएगा। इसके साथ ही, धान और गेहूं जैसी फसलों के समर्थन मूल्य में अतिरिक्त राशि जोडने की भी बात कही, जिससे कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, तेजस्वी यादव का यह ऐलान महिलाओं, किसानों और सरकारी कर्मचारियों को साधने की कोशिश है। माना जा रहा है कि इन घोषणाओं से बिहार की चुनावी राजनीति को अंतिम चरण में नया मोड़ मिल सकता है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर खापा राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक के लिए भारत सरकार द्वारा प्रमाणित

पद्मेश न्यूज ।वारासिवनी। भारत सरकार के दल द्वारा वारासिवनी विकासखण्ड अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह उप स्वास्थ्य केन्द्र खापा का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एन.क्यू.ए.एस.) के अंतर्गत सघन निरीक्षण किया गया था। दल में नेशनल असेसर डॉ.राठी बालचंद्रन केरला तथा डॉ. सिबाशीष स्वैन उडीसा शामिल थे। निरीक्षण के उपरांत आयुष्मान आरोग्य मंदिर खापा को राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं को प्रमाणित किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि राष्ट्रीय दल द्वारा पीएनसी, नवजात शिशु के लिए दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाएं, किशोर स्वास्थ्य सेवाएं, असंचारी रोगों का प्रबंधन, परिवार कल्याण सेवाएं, राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम, स्वच्छता, रिकार्ड प्रबंधन,संचारी एवं असंचारी रोगों की रोकथाम एवं उनका प्रबंधन, मरीजों के अधिकार, क्लिनिकल सेवाएं, इंफेक्शन कंट्रोल, सपोर्टिंग सेवाएं, सामान्य बीमारी का उपचार एवं प्रबंधन, बाल्यकालीन सेवाएं क्वॉलिटी मेनेजमेंट तथा आउट पुट संबंधी समस्त रिकार्ड की विस्तार से समीक्षा की गई थी। जिसके पश्चात् दल ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर खापा को राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रमाणित किया है। इसमें बीएमओ वारासिवनी डॉ.सत्यम शर्मा, डीपीएम विक्रम सिंह ठाकुर, डीक्यूएम विनोद कामडे, डॉ.समर्पित पाटीदार, डॉ. स्वाती उईके, बीपीएम संजय तुरकर, सरपंच देवी प्रसाद गौतम, सचिव खिलेन्द्र राहंगडाले, सीएचसओ वैशाली बोपचे, एएनएम मनीषा मेश्राम, विशाल सोनी, मेंटर वैशाली पारधी का विशेष योगदान रहा।

कनिष्ठ खाद्य अधिकारी एवं तहसीलदार लामता द्वारा होटलों में छापेमारी की कार्यवाही होटलों से जप्त किये 18 घरेलु गैस टंकी

पद्मेश न्यूज। लामता। तहसील के लामता एवं चांगोटोला में आज दिनांक को होटलों में छापेमारी की कार्यवाही कर होटलों से घर में उपयोग होने वाले 18 गैस सिलेंडर जप्त किये. कार्यवाही के दौरान खादय कनिष्ठ अधिकारी पहलसिंह वल्लाड़ी, नायब तहसीलदार डी एस मड़ावी लामता एवं पुलिस बल द्वारा लामता के 14होटलों की जाँच के दौरान घर में उपयोग होने वाले गैस सिलेंडर पाये जाने पर जप्ती की कार्यवाही की गई एवं चांगोटोला में 4 होटलों की जाँच पर 4 गैस सिलेंडर पाये जाने पर 4 गैस टंकी जप्त किया गया, सभी गैस टाकियों का वजन कर कुल 18 टंकी को गैस एजेंसी मालिक लामता के सुपुर्द किया गया।

कनिष्ठ खादय अधिकारी पहलसिंह वलाड़ी ने बताया की कलेक्टर बालाघाट के आदेश पर जिला खादय आपूर्ति अधिकारी के निर्देशन पर लामता तहसीलदार के साथ लामता एवं चांगोटोला के 18होटलों की जाँच किया गया, जाँच दौरान होटलों में घरेलु गैस टंकी पाये जाने पर जप्ती की कार्यवाही की गई,जिसपर घरो में उपयोग होने वाले गैस सिलेंडर का उपयोग व्यवसायिक रूप में गैस सिलेंडरो का उपयोग करते पाया गया, जिसपर जप्ती की कार्यवाही करते हुये प्रकरण श्रीमान कलेक्टर बालाघाट को प्रेषित किया जावेगा।

पहलसिंग वलाड़ी
कनिष्ठ खादय अधिकारी

बिहार में पहले चरण का चुनाव प्रचार समाप्त, 18 जिलों की 121 सीटों पर 6 नवंबर को मतदान

पटना/नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मंगलवार को 121 सीटों पर प्रचार का शोर थम गया। 6 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित हो सके। कई दिग्गजों की किस्मत दांव पर है, जिसका फैसला जनता अपने मताधिकार का प्रयोग कर करेगी। राज्य की सत्ता की किस्मत का फैसला इसी चरण के चुनाव से तय हो जाएगा। इस फेज में 18 जिलों की 121 सीटों पर 1314 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला 6 नवंबर को 3,75,13,302 मतदाता तय करेंगे।

बिहार के पहले चरण में मिथिलांचल, कोसी, मुंगेर डिवीजन और भोजपुर बेल्ट की 121 सीटों पर चुनाव है। इस फेज के कुल 1314 उम्मीदवारों में 122 महिला प्रत्याशी मैदान में हैं। आरजेडी सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव मैदान में है तो जेडीयू अपने कोटे की आधे से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के सियासी भविष्य का फैसला पहले चरण के चुनाव से तय हो जाएगा। पहले चरण में तेजस्वी के सामने अपनी सीटों को बचाए रखने की चुनौती होगी तो नीतीश कुमार को अपनी कुर्सी बचाए रखने के लिए जद्दोजहद करनी होगी। नीतीश सरकार के 16 मंत्रियों की अग्निपरीक्षा इसी फेज में होनी है। इससे समझा जा सकता है कि पहले चरण का चुनाव किसके लिए कितना अहम है।

पहले चरण में दोनों गठबंधनों की साख दांव पर

पहले चरण में एनडीए और महागठबंधन दोनों गठबंधनों की साख दांव पर लगी है। इन 121 विधानसभा सीटों पर पिछली बार हुए चुनाव के नतीजे देखें तो महागठबंधन और एनडीए में कांटे की फाइट रही थी। महागठबंधन ने 61 सीटों पर जीत दर्ज की थी जबकि एनडीए को 59 सीटें मिली थीं। एलजेपी पिछली बार अकेले चुनाव मैदान में उतरी थी और उसे सिर्फ एक सीट मिली थी। इस तरह भले ही 2020 में मुकाबला बराबरी का रहा हो, लेकिन इस बार सीन बदल गया है। पहले चरण की जिन 121 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उसमें सबसे ज्यादा सीटें आरजेडी ने 42 सीटों पर जीत का परचम फहराया था जबकि 32 सीटें भाजपा ने जीती थीं। जेडीयू के 23 विधायक जीतकर आए थे और कांग्रेस के 8 विधायक थे। इसके अलावा माले के 7, वीआईपी के चार, सीपीआई और सीपीएम के दो-दो विधायक जीते थे। इसके अलावा एलजेपी एक सीट जीती थी। इस तरह आरजेडी के लिए अपनी सीटें बचाए रखने की जंग है तो जेडीयू के सामने अपने खिसके जनाधार को दोबारा से पाने की चुनौती है।

बिहार के पहले चरण की चुनावी लड़ाई

पहले चरण की जिन 121 सीटों पर 6 नवंबर को मतदान होना है, उनमें 57 सीटों पर जेडीयू चुनाव लड़ रही है। जेडीयू की पहले चरण की 36 सीटों पर आरजेडी से सीधी लड़ाई है और 13 सीट पर कांग्रेस से मुकाबला है। इसके अलावा सात सीट पर जेडीयू की लड़ाई सीपीआई माले से है और दो सीटों पर मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी के साथ फाइट है। वहीं, 23 सीट पर आरजेडी और भाजपा के बीच मुकाबला है तो कांग्रेस और भाजपा के बीच पहले चरण में सिर्फ 13 सीटों पर सीधी लड़ाई है। चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) को 10 सीटों पर आरजेडी से सीधा मुकाबला करना पड़ रहा है तो भाकपा-माले 5 सीट पर भाजपा से दो-दो हाथ कर रही है। मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी का चार सीट पर भाजपा के उम्मीदवार से मुकाबला है तो उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम के दोनों उम्मीदवारों का मुकाबला आरजेडी प्रत्याशी से है।

नीतीश सरकार के 16 मंत्रियों की अग्निपरीक्षा

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में महागठबंधन और एनडीए दोनों के दिग्गज चेहरों की अग्निपरीक्षा होनी है। महागठबंधन की अगुवाई कर रहे आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की राघोपुर सीट पर पहले चरण में चुनाव है, जिसके चलते उनकी अग्निपरीक्षा 6 नवंबर को ही हो जाएगी। इसके अलावा एनडीए के दोनों डिप्टी सीएम का इम्तिहान पहले चरण में होना है। भाजपा नेता सम्राट चौधरी तारापुर सीट से मैदान में हैं तो विजय कुमार सिन्हा लखीसराय सीट से किस्मत आजमा रहे हैं, जिनकी सीट पर पहले चरण में चुनाव होना है। पहले चरण में नीतीश सरकार के 16 मंत्रियों की किस्मत दांव पर लगी है, जिसमें जेडीयू कोटे से 5 मंत्री तो भाजपा कोटे से 11 मंत्री हैं। भाजपा के 11 मंत्रियों में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे सीवान सीट से किस्मत आजमा रहे हैं। बांकीपुर सीट पर नितिन नवीन, तारापुर से डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, लखीसराय से डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, दरभंगा के जाले से नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्र, दरभंगा से राजस्व मंत्री संजय सरावगी, कुढनी से पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, साहेबगंज से पर्यटन मंत्री राजू कुमार, अमनौर से सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू, बिहारशरीफ से पर्यावरण मंत्री सुनील कुमार और बछवाड़ा से खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता मैदान में हैं।वहीं, जेडीयू के पांच मंत्रियों की किस्मत पहले चरण में दांव पर है। नीतीश कुमार के खास जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी सराय रंजन से चुनाव लड़ रहे हैं। नालंदा से ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, बहादुरपुर से समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, कल्याणपुर से सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी और सोनबरसा से मंत्री रत्नेश सदा की किस्मत का फैसला पहले चरण में होगा।

न्यूज गैलरी

ताराबाई खोहरे को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। बालाघाट निवासी रनवत सिंह खोहरे की 23 मार्च 2025 को वैनगंगा नदी के छोटे पुल में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक की वारिस पत्नी ताराबाई खोहरे को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर ताराबाई खोहरे के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

बालाघाट वृत्त में विद्युत विभाग की बैठक हुई आयोजित

विद्युत आपूर्ति एवं रख-रखाव जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। अधीक्षण अभियंता बालाघाट वृत्त अमित कुमार द्वारा 03 नवम्बर को बालाघाट एवं वारासिवनी संभाग के अधिकारियों और कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में विद्युत आपूर्ति और रख-रखाव से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक में फिडर सेपरेशन आर.डी.डी.एस. योजना- इस योजना के तहत विद्युत आपूर्ति को और अधिक सुचारु बनाने के लिए चर्चा की गई, साथ ही विद्युत लाइनों का रख-रखाव और सुरक्षा सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत कनेक्शन बढ़ाने और सोलर पंप रजिस्ट्रेशन के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में एटीएनसी लॉस 20 प्रतिशत से कम करने के निर्देश दिए गए और 20 प्रतिशत से अधिक एटीएनसी लॉस वाले वितरण केंद्र प्रभारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सभी फीडरों पर भार स्थानांतरित कर कार्य योजना वर्ष 2025-26 के कार्यों की समीक्षा कर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राजस्व पैरामीटर, राजस्व संग्रहण, सी.एम. हेल्पलाइन शिकायत और 1912 की शिकायतों की भी समीक्षा की गई।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। भरवेली थाने के सामने सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक युवक घायल हो गया। घायल युवक मोबीन खान पिता मुकीम खान 27 वर्ष हीरापुर थाना भरवेली निवासी है। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 नवंबर को भरवेली थाने मैं आने वाले ग्राम हीरापुर की मंडई थी। रात्रि 12:30 बजे मोमिन खान और सौरभ कुंडे भरवेली निवासी दोनों दो अलग-अलग मोटरसाइकिल में हीरापुर मंडई से अपने घर आ रहे थे। तभी भरवेली थाने के सामने मनीष मानेश्वर की तेज रफ्तार मोटरसाइकिल मोबीन खान की मोटरसाइकिल से टकरा गई। इस दुर्घटना में मोमिन खान घायल हो गया जिसे उसके साथी सौरभ कुंडे ने ऑटो से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

चारों तरफ से घिरे नक्सली, कई थानों की पुलिस ने घेरा

ऑपरेशन कई घंटों से जारी, कटेझिरिया के जंगल में अंधेरे का फायदा उठाकर भागे नक्सली, सर्चिंग अभियान तेज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बीती देर रात रूपझर थानांतर्गत लूद गांव के निकट कटेझिरिया के जंगल में नक्सलियों के साथ पुलिस सर्चिंग टीम की जबरदस्त भिडंत हो गई, इसमें अब तक हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हो पाई है, वहीं दूसरी तरफ अपुष्ट सूत्रों के अनुसार मुठभेड़ स्थल कटेझिरिया के जंगल में एक हथियार सर्चिंग टीम ने बरामद की है, वहीं आसपास खून के छिंटे देखे गये है। इससे इस बात की पुष्टि होती है कि कोई नक्सली हताहत हुआ है अथवा घायल हुआ है जिसे नक्सलियों ने अपने साथ लाद कर ले गये। समाचार लिखे जाने तक उक्त जंगल को कई थानों की पुलिस ने घेर रखा है वहीं दूसरी तरफ जिले के आला अफसर भी सर्चिंग ऑपरेशन में लगे हुए है। सूत्रों के मुताबिक ऑपरेशन कई घंटों से जारी है।

तीन राज्यों की इनामी महिला नक्सली 23 वर्षीय सुनीता के आत्म समर्पण के बाद भी अन्य नक्सली अपनी विचारधारा छोड़कर, मुख्य धारा में शामिल होने के लिए तैयार नहीं है।उधर जगह-जगह सर्चिंग के दावे के बावजूद भी अति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सली अपनी पैठ बनाए हुए हैं। जो आए दिनों नक्सली वारदातों को अंजाम देने की फिराक में लगे रहते हैं।लगातार बढ़ती जा रही इन्हीं नक्सली घटनाओं के बीच सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात एक बार फिर नक्सलियों और पुलिस की मुठभेड़ देखने को मिली। जहां रूपझर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली पुलिस चौकी बिठली के लुद कटेझिरिया जंगल पुलिस और नक्सली एक बार फिर आमने-सामने आ गए और दोनों के बीच कई राउंड फायरिंग हुई, हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उधर घने जंगल और रात के अंधेरे का फायदा उठाकर नक्सली भागने में कामयाब हो गए, तो वही पुलिस द्वारा नक्सलियों को पकड़ने और उन्हें मार गिराने के लिए सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है। ज्ञात हो कि इसी क्षेत्र में 14 जून को पुलिस ने 14-14 लाख रुपए के चार इनामी नक्सलियों को मार गिराया था, जबकि हाल ही में 14 लाख की इनामी नक्सली सुनीता ने आत्मसमर्पण किया है।

पुलिस पार्टी को भारी पड़ता देख भागे नक्सली

बताया गया कि बिठली के लुद कटेझिरिया के जंगल में सोमवार की रात नक्सलियो ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, हलाकि इससे पहले वे किसी नक्सली घटना को अंजाम देने की प्लांनिग बनाते, या किसी वारदात को अंजाम देते उसके पूर्व ही पुलिस पार्टी ने नक्सलियों के मंसूबो पर पानी फेर दिया।जहा पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई।जिसमें पुलिस पार्टी को भारी पड़ता देख, नक्सली अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गए।हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नही है। बताया गया कि यह नक्सली दैनिक उपयोग में लगने वाली सामग्री के साथ जंगल के रास्ते कही जा रहे थे, तभी सर्चिंग फोर्स के साथ इनका आमना सामना हो गया।

दोनों ओर से चली गोलियां पर कोई हताहत नहीं

बताया गया कि घने जंगल में जब हाकफोर्स के जवान सर्चिंग कर रहे थे तभी नक्सलियों के साथ उनकी मुठभेड़ हो गई। जवानों को देखकर नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी।जिसके जवाब में जवानों ने भी फायरिंग की।लेकिन किसी भी नक्सली या पुलिस पार्टी से कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि पुलिस को लगातार आगे बढ़ते देख नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे।जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

पिछले दिनों बड़ी घटना को दे चुके है अंजाम

जिले में नक्सली वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है जहां जगह-जगह सर्चिंग के दावे के बावजूद भी अति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सली अपनी पैठ बनाए हुए हैं। जो आए दोनों नक्सली वारदातों को अंजाम देने की फिराक में लगे रहते हैं।ज्ञात हो कि बीते 17 सितंबर को नक्सलियों ने अपनी मौजूदगी, लांजी के चौरिया जंगल में दर्ज कराई थी, जिसमें अगवा किए गए युवक देवेन्द्र यादव को नक्सलियों ने मार दिया था। कथित पुलिस मुखबिर के नाम पर नक्सलियों के हाथो मारे गए देवेन्द की मौत के बाद बालाघाट पुलिस ने, उसे इनोसेंट ग्रामीण युवक बताया था।जबकि परसवाड़ा-मलाजखंड दलम ने देवेन्द्र की हत्या की जिम्मेदारी ली थी। वही हाल ही में महिला नक्सली सुनीता के आत्मसमर्पण के बाद नक्सलियों ने पुन: अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर, एक बार फिर अपना खौफ दिखाया है।

पुलिस पार्टी को चकमा देने में कामयाब हो रहे नक्सली

मार्च 2026 तक जिले में, नक्सली समस्या को खत्म करने में जुटी बालाघाट पुलिस के सामने, नक्सलियों ने अपनी आमद व मौजूदगी का अहसास कराकर अपने मनसूबे एक बार फिर जाहिर कर दिए है।देर रात हुई मुठभेड़ के बाद से ही पुलिस पार्टी सर्चिंग में जुटी है, लेकिन नक्सली, सर्चिंग टीम को चकमा देकर ओझल हो जा रहे है।बताया गई कि इसके पूर्व भी कई बार नक्सली, पुलिस को चकमा दे चुके है।

अंधेरे का फायदा उठाकर नक्सली भाग निकले- शुक्ला

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्शकांत शुक्ला ने बताया कि रात करीब 11 से 12 बजे के बीच सर्चिंग के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोलीबारी की। अंधेरे का फायदा उठाकर नक्सली भाग निकले। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।मुठभेड़ के बाद पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर जंगल में सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। जंगल में 800 से अधिक जवान तैनात हैं।जवानों ने सर्च ऑपरेशन को और भी तेज कर दिया है।

खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने लामता, चांगोटोला, भोण्डवा, पचपेढ़ी में की छापामार कार्यवाही

13 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से 18 गैस सिलेण्डर जब्त किये गए

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। घरेलू उपयोग के गैस सिलेण्डर का व्यावसायिक उपयोग रोकने के लिए कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के दल ने 04 नवम्बर को लामता, चांगोटोला, भोण्डवा, पचपेढ़ी में 13 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्यवाही कर 18 गैस सिलेण्डर जब्त किये है। इन प्रतिष्ठानों के संचालको के विरूद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आदेश 2000 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किये जा रहे है।

जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी श्री आरके ठाकुर ने बताया कि 04 नवम्बर को कनिष्ठ आपर्ति अधिकारियों के दल द्वारा लामता में पूजा मिष्ठान, लिल्हारे हॉटल, लक्की टी-स्टॉल एंड चायनिज सेंटर से एक-एक, राणा एग्ज सेंटर, महाराजा रेस्टारेंट व ओम साई राम जलपान गृह से 02-02 तथा कान्हा स्वीट्स सेंटर से 03 गैस सिलेण्डर जब्त किये गए है। इसी प्रकार भोंडवा में शिजरा चिकन बिरयानी सेंटर, केजीएन हॉटल, मउ-चांगोटोला में दीपक चिकन सेंटर, लक्की होटल एवं पचपेढ़ी में महामाया हॉटल व स्पेशल पोहा स्पेशल चाय सेंटर से 01-01 गैस सिलेण्डर जब्त किये गए है।

इन प्रतिष्ठानों के संचालकों के विरूद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आदेश 2000 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किये जा रहे है। यह कार्यवाही नायब तहसीलदार लामता श्री डीएस मरावी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पहल सिंह वलाडी, राजस्व निरीक्षक एमके पटेल व श्री किशोर उईके तथा पुलिस टीम के द्वारा संयुक्त रूप से की गई है। खाद्य सामग्री तैयार करने एवं विक्रय करने वाले सभी होटल एवं रेस्टारेंट संचालकों से कहा गया है कि वे अपने प्रतिष्ठान में लाल रंग के घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यावसायिक उपयोग न करे। अन्यथा उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। व्यावसायिक उपयोग के लिए नीले रंग का गैस सिलेण्डर क्रय करें।

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 05 नवंबर को प्रात: 07:45 बजे बालाघाट से सिवनी के लिए प्रस्थान करेंगी और प्रात: 09 बजे सिवनी पहुंचेंगी। सांसद श्रीमती पारधी ग्राम कारीरात से वैष्णोदेवी धाम सीलादेही में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय पदयात्रा में शामिल होंगी और सांय 04 बजे सिवनी से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट